GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0297**

Classification:

Original File No. 63

Title

Tahsildar's File (Sub-Collector of Revenue)

Volume:

Running **from year: 1941** **till year: 1947**

Content:

- Letter to C.C. Sec. By D.Topno, 6-9-47.
- Report of Khutitoli Commission, 8-10-46.
- Tour Reports of D. Topno, from 1941 to 1947.
- Letter of D. Topno, 2-2-47.
- Letters to C.C. Sec. By D.Topno, 4-3-44.
- Extract of Officers Meeting, 5-2-45.
- Extract of C.C.Executive Committee Meeting, 31-8-42.

250

Victor

1942 — 47

FLAT FILE

FILE NO. 63.
(Sub-Collector of Revenue)

ne Tahsildar's File.

ect

Nos.

F. 63

To

The C. C. Secretary G. E. L. church Ranchi

C. Secy. 16/10/[illegible]

कुदुरटोली आनिकट का रिपोर्ट

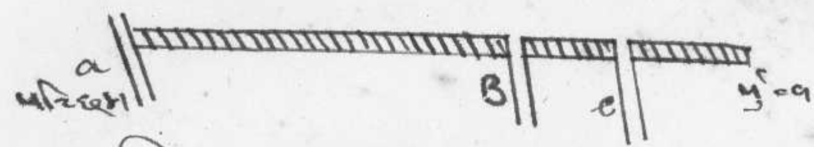

आनाली बांध का सिंड

ता० 6 अक्टोबर दिन सोमार को निम्न लिखित महाशयों के संग। बांध मालूम गये थे।

१ पाद्री बाबु शमुएल कुजूर

२ " " मनसिद्ध तोपनो

३ बाबु आहकुस मिंज

४ " किशान टेटे

५ " अनराशियास टेटे

६ " बुद्धु कुजूर

७ " ईश्वरदत्त सुरिन

८ " निकुलिस मुण्डा

I A. B. C. आनाली बांध का पेन है। B. और C. में पानी जाता था और A. सिर्फ आने-जाने वालों के वास्ते बंधा था। ता० 30 अगस्त को A. खोल दिया गया। और C. बंद किया गया ता० 31 अगस्त को B. में लकड़ी और पोवाल आदि से आधा बंद किया गया जिससे पानी कुछ रुक गया था। इस से पेस्तर (को) खोल पानी किया तब B. का लकड़ी और पोवाल आदि हटा कर खोल दिया गया क्योंकि बांध का टूटने का डर हो गया था। ऐसे हालत को अब कुछ कम मैं ३. से पेस्तर (को) फिर से B. पेन और से बंद कर लिया गया और उसी रोज फिर पानी आया और ४. अक्टोबर को बांध टूट गया। बाहिरल बाबु Daniel Topono ने यह कह के रोका गया था कि B. और C. में से कोई एक पेन इस साल खुला रहे। गांव के साहु और बुढ़ा लोगों ने भी मना कर पाद्री बाबु को बोले कि B. और C. इस साल न बंद किया जाय पर पाद्री बाबु ने किसी की बात का मान न जबरदस्ती पेनों को सबन्त से बंद किया। साहबों के कहने अनुसार

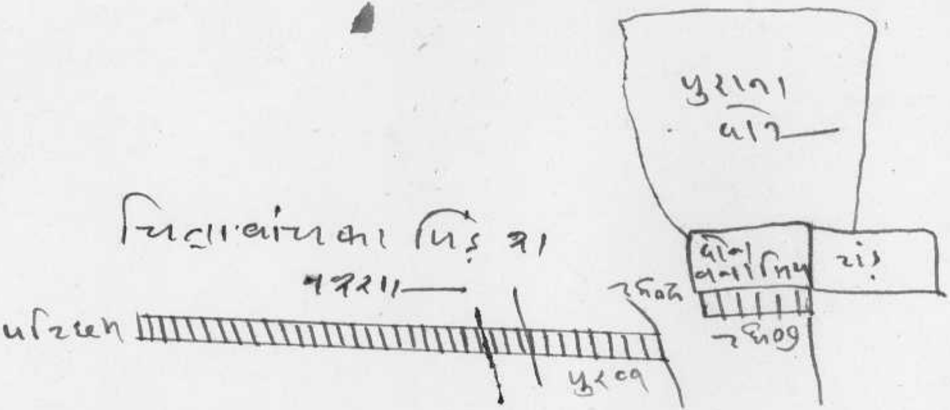

D. Topno.

और इन्हों को देखने से जो साफ मालूम पड़ा है कि अगर पैन B और
C बंद नहीं किया जाता तो बांध अभी नहीं टूटता।
B और C पैन का चौड़ाई 30 फुट था — जिससे आधी पानी जा
सकता — ।
64 फीट लम्बाई पिंड का माटी बह गया है — और जो बाकी है
उस का भी अगला हिस्सा कुछ धस गया है

II चिन्ता बांध का रिपोर्ट।

चिन्ता बांध का हाल भी हेकनागाड़ी बांध के समान है।
बांध का पैन 120 फीट चौड़ाई का — जिसमें से — 60 फीट चौड़ाई
बंद कर दिया गया। उस का खास कारण ऐसा है।
पैन के नीचे एक किनारे पर लगभग एक एकड़ का टांड़ था — जिसको
पादरी बाबू ने B.C. या बोर्ड के बिना इजाजत या आदेश खेत बना
लिया — और उस में और उसके नीचे खेतों में बराबर होता —
रहा है। जब अगले बरसात पानी आता था — तो उस 60 फीट पैन
का पानी उन्हीं खेतों में बहता था — होता जो उसी के डर से — 60 फीट
चौड़ाई पैन — 10 फीट मोटाई और 4 फीट ऊंचाई पिंड बनाकर यहीं से —
एक बांध का विभाग का — केवल एक बहुत छोटा नाली है।

III तारसिलवाय बाबू Daniel Topno. कहते हैं — कि लगभग — 1 एकड़
टांड़ को जमीन बनाने और 60 फीट चौड़ाई पैन को — [illegible]
[illegible] — बातों से — हुआ।

IV हमलोगों के देखने से गांव के आदमियों के कहने अनुसार कि
पादरी बाबू के गलती से दोनों बांध टूट गया और पादरी बाबू
भी हमों के सामने मान लिये कि न जानने के कारण से
गलती हुई है और दोनों बांध टूट गये हैं।

V अभी इन को बचाने का कोई उपाय नहीं
हो सकता है। कोई आगर हो
पर अदालती से खर्च ज्यादा होगा।

VI 1980 ई० में दोनों बांधों को बंधने का बहुत ही आवश्यक है।
कारण कि दोनों बांध का 64, 64 फीट लम्बाई पिंड बह गया है।
पिंड का — बहुत अधिक भाग का माटी आवश्यक है। अगर न बंधा
जाय — तो — दूसरे बरस में पिंड का बाकी माटी भी सब बह
जायगा — और आगे बहुत अधिक खर्च से — बांध बनाना
पड़ेगा।

बहुत आवश्यक — और गांव के आदमियों का बहुत जोर दे कर कहना है
कि — जरूर ही 1980 ई० में खर्च दे। बांध बंधा जाय —

जिस नागरिकों को जानमाल की हानि न होवे

VIII कोइल रोड़ का काम ४ हिस्सा में ३ हिस्सा चौरस बनाया गया है। नया रोड होने पर भी हालत प्राय: अच्छा है। बाकी सिफारिश है कि अगर हो सकेगा तो बाकी काम भी पूरा कर लिया जाय

Daniel Toppo. Tahsildar
8.10.46.

[signature] Bage
8-10-46

D. K. Kuzur
8-10-1946

To

Late

F63

the, Secretary Board of Mangement G. E. L.
Church Properties Ranchi

File

मनाबर

महाशय

अर्ज गुजारिश यह है कि बालसी जंगल या लकड़ी को कोरनेलियुस हेमरोम चोरी से हांगी करके मंगरा उरांव ने ११०) रुपैया और मंगरा उरांव ने १२) रु० लेकर लकड़ी को बिक्री कर दिया है। हम ने मंगरा उरांव के घर पिठुआ में इश्तहार और मंगरा उरांव के घर बलकिया में इश्तहार चिपकाया पर हम मंगरा उरांव और मंगरा उरांव से दोनों जन से मुलाकात नहीं हुआ। गांव वाला से बोल दिया है कि दोनों जन गांव बाहर गये हैं। उसके बातचीत के लिये आराधना के प्रचारक Luther gojwar के घर में रह कर डेढ़ रोज ओगरा पर मुलाकात नहीं हुआ। मालूम होता है कि कोरनेलियुस हेमरोम हमारे पास आने से रोक दिया। कोरनेलियुस हेमरोम गवाहों को बाकी बिक्री कर लिया जायेगा। इस ख्याल से हम ता० २६-२८ अप्रैल को बिशुनपुर में रह कर मसीह धर्म के प्रचारक के साथ बिशुनपुर में रहने वाला ठीकेदार Ramraj Pal bansidhargosi के साथ २ बरस के वास्ते मो० ४००) चार सौ रुपैया में [illegible] बातचीत कर आये हैं। ओवरसियर के चिट्ठी जाने से रुपैया बारह महीना मंजूर देगा। इस लिये नायेदार रिपोर्ट देता हूं। उम्मीदवार हूं कि बालसी जंगल को २ साल के वास्ते ४००) रुपैया मंजूर किया जाय —

मौजा [illegible] थाना [illegible] थाना नम्बर १३

प्लाट नम्बर	१६५	१२-२६ डी.
"	४७४	६-२० "
"	४६१	२९-५० "
"	१४९	११-५५ "
	२०६१	६०-१५

President Rev. J. Lakra,
Ranchi

What is your advice for the sale of the Dalki jungle trees to the thicadar as proposed by the Tahsildar?

[signature]
1.5.47.

D. Toppono.
30-4-47

For CC comments
[signature]
1/5/47

Tour Dairy D. Tapno. Tahsildar

विशेष रिपोर्ट डाड़ीगुटु पेरिस के लिये

२६-१-४७ (Sunday) डाड़ीगुटु में [illegible] पास्टर सलमोन [illegible]
गुड़िया और लोगों का मुलाकात हुई पंचायत के साथ डाड़ीगुटु
का कबरस्थान के वास्ते खरीदने के लिये डीप्टी कमिश्नर आफिस
दरखास्त भेजा गया है उस जगह को सरजमीन जाकर
देखा जगह अच्छा है [illegible] खाता नम्बर १०६
बन्दोबस्त मुताबिक [illegible] प्लाट नम्बर १४८ [illegible] दर्ज हुआ है
जिसका रकबा २५ डिसमिल है [illegible]
३५ आम दर्ज हुआ है जिसमें २० आम गाछों को देता है
१५ आम गाछ अपने लिये रखता है। डाड़ीगुटु G.E.L. Church
का एक पुराना पेरिस है वहां G.E.L. Church का कबरस्था-
न नहीं है। एक पुराना कबरस्थान है जहां [illegible]
[illegible] कबरस्थान है और वहां कब्र जगह नहीं है इसलिये
इस बगीचा को कबरस्थान के लिये खरीद होना चाहिये और
[illegible] १९४६ [illegible] कबरस्थान
[illegible] इस जगह का दाम मो. ३५०) तीन सौ पचास रुपैया है
मोहन मुण्डा और [illegible] मुण्डा [illegible] ३५०) रुपैया में दे रहे हैं।
इस बगीचा को [illegible] २००) रुपैया देना चाहते हैं [illegible]
लोगों को [illegible] मोहन मुण्डा और [illegible] मुण्डा [illegible]
[illegible] हैं। ये दोनों [illegible] हैं। [illegible] दिनों
में [illegible] देना चाहते हैं। [illegible] और
[illegible] किये हैं मेरा [illegible] रिपोर्ट है
कि उस जगह इस बगीचे को मो. ३५०) रुपैया से चर्च के
वास्ते खरीद लिया जावे।

आपका [illegible]

D. Tapno
Tahsildar
31-1-47

File

Karamdih
9-2-47

महाशय

महाशय आप को मेरा यीशुसहाय
हो। आशा है। आप सभों का
कुशल मंगल चाहिये

(१) रकुदीयोली का दान यंड को २४०/
धान से ठीका दे दिये हैं ३ बरस
के वास्ते हर बरस २४०/ मन देंगे
सेरह पैला से देंगे। सिमडेगा में
रजिस्टारी करेंगे। खर्चा रजिस्टारी
का उन्ही लोग देंगे, जोहन जतरमा
किशन को आन्धारियास को दे दिये हैं

(२) धासिरा, कोरेंजो, कैमडीह के रिजर्व
के वास्ते गवर्मेन्ट से नोटीस आ
चुका है। ३ महिना के अन्दर उजुर
देने का है। Mr. J. M. Panna को
उजुर देने को कहिये बोर्ड के नाम से
हम कैमडीह आ गये हैं। बाग पाद्री

के साथ- आग बातचीत
में बन जायगा तो कमडि?
का देने को भी मौका देंगे
के सिलसिले में रहेंगे
सामना में बहुत चोरी
होता है हम कोरोंजों
को पहुंचेंगे आग सकेंगे
तो कोरोंजों का दान को
को मौका देने का कोशिश
करेंगे और हम- बन्दरगाहों
को रांची पहुंचाना
आगे पुन D. Topno, Ghrilwar

POST CARD

ADDRESS ONLY

RANCHI DELY. FEB 47 1 - PM

INDIA POSTAGE 9 PS 9 PS

To

C. C. Secretary

G. E. L. Church

Ranchi

F 62

To The C. C. Secretary G. E. L. Church Ranchi

File

महाशय—
मुआफिक हुक्म के बांचने के G. E. L. church कम्पौंड में
मकान सेक्रेटरीयों का बनाया हुआ था ... गिनती ...
कम्पौंड मिला है ... नीचे लिखा गया है

सेक्रेटरी बंगला के दखील

(१) बड़ा घर ४ / ४ — छोटा घर ८, १ ..., १ ..., १० — खोराक १४

डेरा लाना मैदान के दखील

२३ — २ = १२

छोटा स्कूल के दखील

१ बबरचीघर, १ ..., २ — १ बबरचीखाना = ३

गिरजा सड़क के दखील

१ ... — १ बबरचीखाना = २

बगान के ...

१

गिरजा सड़क के दखील ... — १

बड़ा घर १४ — छोटा घर २ = १६

स्कूल कम्पौंड.

बड़ा घर २ — छोटा ६ = २

मकान ... के नीचे — बड़ा घर २२ / ६० — छोटा २ / ३० = २२ / ६०

D. Tapono

5/2/47

F-62

रांची,
२-२-१९४६.

महाशय,

आप को मेरा यीशुसहाय। मैं आज खुदीटोली जा रहा हूँ। खुदीटोली से किंकेल, करमडीह, और कोरांजो जाऊँगा। २६ फरवरी को मैं रांची लौट आऊंगा।

आप से मेरा अर्जी है कि ५ फरवरी को आप लोग मिटिंग में बैठेंगे, तो मेरा तलप और महाशय नयमन टोप्पो का तलप के बारे बाते बिचार करेंगे तो उससे हमारा तलप २० ही रुपैया कम होना चाहिए। अभी उसका ५५ रुपैया है, और उसका बढ़ती २० रुपैया जायगा। तो इस शर्त्त में हमारा तलप ३५ से ६० रुपैया होना चाहिए। अगर हमारा ५० रु० में खतम रहेगा, तो उसको ७० रु० होना चाहिए। यह हमारा पुरा भरोसा आप के ऊपर है।

आगे आप लोगों का
दास,
Daniel Topno
Tahsildar.

महाशय 18/7/46 Khutitoli 6

15/7/1946 63

आप को मेरा प्रेमनमस्कार—

हम अच्छे हैं। आप सबों का
सदा कुशल चाहिये— खुटीटोली
चेपा में सब बाल बच्चे आनन्द हैं.
हम खुटीटोली ८ जुन को किनकेल
से पहुचे हैं। मालगुजारी तहसिल
कर रहे हैं. धान बिक्री कर रहे हैं.
इधर भी धान बजार में ८ पैसा।
६॥ पैसा है. हमों का धान सब बिक्री
मिला हुआ है. ५ पैसा से शुरू
कर रहे हैं। कालीबांध को
रिपोर्ट— बांध का खाता बही बं.
१२ सांझ १ रद्दा नहीं पहुंचा है.
दुकु के ओजल पास में [illegible]

मानी पानी पुराब वाले
२ प्रान्तों से ज्यादा हाल
पार हो रहा है। सवार रात।
पिंड का नोकसान होने का
डर नहीं है। जब तुम भाउपर
वाले पांचा न पुरे।

रुपया

नगद चौका में दिया गया ८८३)॥
चौकिदार को ६२)
कुलियों को -२ड़कालमें १९८)
११४३)॥
पुरा [illegible] पिलार के लिये २००)
खः और बाकी होगा सो ख. भेजिये
Daniel Topno.

To
C.C. Secretary
G.E.L. Church
Compound.
Ranchi

Consdrd. [illegible] 1/4/46

17 ~~43 (4)~~

Tour Dairy D. Topono Tahsildar
March 26 to 29 March – 1946

२६-३-४६ [illegible]

[illegible]

[illegible]

२७-३-४६
२८-३-४६
२९-३-४६ [illegible]

[illegible]

[illegible]

३०-३-४६ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]	2000	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	2001	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	2002	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	2000	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	2001	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	2002	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]

D. Topono.

[illegible]

લાલા ગોવિંદરામ—બહેન	૨૦૦૦	||)		—)	||—)|
૧૨ ભોગાજી રામ—ભાઈ	૨૦૦૧	||)			||	||)|||
ગણપત રા. દત્ત [illegible]					
હનુમંત રાવ—નાના	૨૦૦૨	||)				||)|
પોતો—					૧||=|
૧૮ જાનુબા બાબા બાઈ	૨૦૦૦	||=			૭ —	||=|
રામાબાબા ભાઈ—	૨૦૦૧	||=			|| —	||=|||
બાબા—રા. દત્ત—	૨૦૦૨	||=			—	||=|
					૨)	
૨૫ બાલા—જી પ્રભાકર દુબે	૨૦૦૦	|=			૭ —	|=|
૨૨ બી—બાલ રાય દુબે	૨૦૦૧	|=			|| —	|=||
ભાઈ પ્રભાકર—રા.	૨૦૦૨	|=			—	|=|
દત્ત—બહેન) રામરાવ					
					૧૧)|
૨૪ ગજાનન ભાઉ—બાઈ	૨૦૦૦	|||)			= —	|||=|
નંદાબા ભાઉ—	૨૦૦૧	|||)	||	) —	|||—)||
ભાઈ ભાઉ—રા. દત્ત	૨૦૦૨	|||)	||	—	|||)||
					૨||)|
૨૨ પરશુરામ—બાળાબા	૨૦૦૧	||—)			|| —	||—)|||
રામચંદ્ર—પરશુરામ—					
મહાદેવ—ભાઈ—	૨૦૦૨	||—)			—	||—)|
રામ—રા. દત્ત					
વહીવાટદાર—					૧=
૩૨ બાળાજી—બાઈ	૨૦૦૧	=			=	
(૨) ભાઉ—ભાઈ	૨૦૦૨	=			=	
રામ—રા. દત્ત—					
					|=

33	[illegible] — [illegible]	૨૦૦૧	૬॥		૪
	[illegible]	૨૦૦૨	૬॥		૪
	[illegible] રા. દે—				૮॥
૩૪	[illegible]	૨૦૦૦			
	[illegible]	૨૦૦૧			
	[illegible] રા. દે—	૨૦૦૨			૨૪
૪૨	[illegible]	૨૦૦૦	૧॥		૬॥
	[illegible]	૨૦૦૧	૧॥		૬॥
	[illegible] રા. દે—	૨૦૦૨	૧॥		૬॥
૪૬	[illegible]	૨૦૦૦	૧॥		૨॥
	[illegible]	૨૦૦૧	૧॥		૬॥
	[illegible]	૨૦૦૨	૧॥		૬॥
	[illegible] રા. દે—				૫॥
૫૦	[illegible]	૨૦૦૦	૬॥		૬॥
	[illegible]	૨૦૦૧	૬॥		૧॥
	[illegible] રા. દે—	૨૦૦૨	૬॥		૧॥
૫૪	[illegible]	૨૦૦૦	૪		૪॥
	[illegible]	૨૦૦૧	૪		૪
	[illegible]	૨૦૦૨	૪		૪
	[illegible]				૧૩

[illegible] = [illegible]
[illegible]
રા. દે—

[illegible] — [illegible] — [illegible]

૧૪ [illegible] ૧૨૦[illegible]

[illegible]

[illegible]

Sect 73 [illegible] approved

[illegible]

૪૮ [illegible] — [illegible]

[illegible] ૩૦[illegible]

[illegible]

Sect 73 [illegible]

૩૯ [illegible] — [illegible] ૨-૪-૨[illegible] — [illegible]

[illegible]

[illegible]

Rank be fixed

D. Topino Tahsildar

1-4-1946

Towr Dairi D. Topno. Tahsildar Janwari 10/46

३१/१/४६ तक.

१०-१-४६ रांची-से खूंटी गया — और बानी — गांव का जांचकारी — मो
का — तारिख — था — मुदालेह लोगों से — सनीनामा का बालचित.
किया — मुदालेह लोग बोले १६½ आठ आने दे देंगे — और हरजाना
२५॥ आना आन-बाला २८/१/४६ को रुपैया दाखिल करेंगे
सांझ के समय — खूंटी से — गोविन्दपुर चला गया —

११-१-४६ गोविन्दपुर में रह कर गुरगाटोली का बोन — जमीन — सरजमीन
जा कर सखाबारो से बिगड़ा हुआ और यह मेड़ को.
मरामत करने का आदेश किया — और संसारिक आवल
मुकुन्द होरो बाबु का आगार किसान का बोन आर से ओके
जोड़वाने के समय किसान का बोन में माटी गिरा
दिया — है — उस को माटी उठाने का और से हुकुम दिया.
बोला कि आज बुनने के पहले सब माटी को अपना बोन
में उठाने का करार किया है —

१२-१-४६ खूंटी गया एक छोटा मोरा एक आठ का — झूठी रुपैया
२ पैसा के दर से — बिक्री किया — २६) रुपैया हुआ
और सांझ को गोविन्दपुर लौट आया —

१३-१-४६ कारो खाता गया — था — वहां का बकाया रुपैया मो. ...
रुपैया आसूल कर आया — और वहां के बटाईदारों को
सिर्फ एक साल के वास्ते २२ आठ आन में ठेका से कर दे दिये हैं.

१४-१-४६ — गोविन्दपुर में रह कर — ६ कुलियों को रख कर रखवारी में
आन सानु पानी — और खटरी को बांध कर दिया — और १३ (?)
मोरा को ठेके से बंगला में तैयार किया —
गोविन्दपुर बंगला में निचे लिखित लिखित मुताबिक
धान रखा गया है — मार्फत Markas Songa रेजानामा में है

१	गुरगाटोली — से —		४३	आठ	२	पैसा —
२	नियामा	"	६३	"	३	"
३	सिमगाड़ा	"	९	"	३	"
४	कारो खाता	"	३२	"	20	
५	खूंटी	"	20	"	0	
			२९३	आठ —	३४	

D. Topno.

गुस्साडोली – निचिया – सुकुर – और गमडोली – इन चारों मौजा से आलबराइ प्लान – बहुत कम मिला है – हमारे पास पचा नहीं है – इस से रखवा में साथ नहीं दिया देते हैं —

१५-२-४६ }
१८-२-४६ } इन तारीखों में हम खुंटी में थे —

१६-२-४६ को पोखेलास से लोरी में चढ़ कर खुंटी डोली गया – ४ बजे पहुंचा –

१७-२-४६
१८-२-४६ } मे तारीख में खुंटी डोली में रह कर सेक्रेटरी और और रजवान्डी साहेब को खुंटी डोली का सब दोनों का फैसला किया – और सामखेदारों को सरजमीन में दोन सेक्रेटरी और रजवान्डी साहेब के साथ बार किया —

और खुंटी डोली के हाता डिमरकेशन बीते साल हुआ था उस को फैसला किया पर वहां के रैयत लोग हाता का अपना रदोन में मिलाने नहीं चाहते हैं – और वहां कारखांत जंगल को जोतते हैं। वह सब को दोनों आदमियों को देखा किया – जब तक खुंटी डोली हाता को बाग से – पट और [illegible] नहीं होगा – रैयत लोग अपना रांड दोनों में मिलाने नहीं छोड़ेंगे —

१९-२-४६ आलबराइ दोनों – से – अपुलिस लिखवाया —

२०-२-४६ खुंटी डोली में रहा – (Sunday) —

२१-२-४६ खुंटी डोली में रह कर सामखेदारों को अपुलियन लिखवाया – इन सालू १९४५ ई का – २४७२१८३४ [illegible]
खुंटी डोली – [illegible]

२२-२-४६ खुंटी डोली से – कोरांजा आया —

२३-२-४६
२४-२-४६
२५-२-४६ } कोरांजा में रह कर मालगुजारी – तहसील किया – और बीते साल कोरांजा – हाता कम्पौंड का डिमारकेशन किया गया था – उस को सरजमीन खुद जा कर देखा —

मोहन बिलुंग – और जकरिया बिलुंग और दाऊद [illegible] लकड़ा इन लोग जब जाली – से – हाता कोरांजा को –

अपना वोट राज्यों मिला ले रहे हैं। फिर भी कोरिओं में पंडित
इलियास आइन्द वार को और उन्हीं राज को नहीं छोड़ता है—
फिर भी कोरिओं हाता के पाद्री प्रचारक और मास्टर लोग रहते हैं।
ईसाई मिशनरी और अधिक राजों को कितने मुफ्त से जोतवा ले जाते हैं।
जिसका लेना देना कुछ नहीं है— वे लोग कोरों में उतना राज
को आबाद करा [illegible] हैं— जिसके बारे में हम कई
बार रिपोर्ट भेजे हैं पर भी रिपोर्ट का कोई मोल नहीं है—

२६-१-४६ को कोरोओं से सिमडेगा आये— सांझ को सिमडेगा
पहुंचा— पर Rev. M. Toppo. १० बजे रात को हम को—
सिमडेगा से खूंटी ले चल बोलाया—

२७-१-४६— खूंटी में बड़े जिहाज का— रसोंग जंगल पादरी और
वहां से— पांचों के साथ— गया— [illegible] देखा
गया— शरीर जंगल के बीच— ३ [illegible] — [illegible]
[illegible]— ४ फुट ऊंचाई— बन्दों को छोड़ दिया है— अब
[illegible] ३ आदमी— मार जायगा— फिर से उन्हें कोई कार्रवाई
होना चाहिये। अगर कार्रवाई नहीं [illegible] से— और
भी— लोग बैठ परेशान रहेंगे
उसी रोज— खूंटी लौट आये—

२८ १/४६ खूंटी कोर्ट में तहसील था— पर [illegible] शुरू कुछ
को छोड़ गया [illegible]— को— [illegible] मोहनलाल को।
हुक्म—

२९ १/४६ को— खूंटी से— रांची आये—

३० १/४६ खूंटी रांची से— [illegible] गये— कुल्ला पादरी के साथ—

३१ १/४६ [illegible] में रहना कुल्ला पादरी के साथ— [illegible] लोगों से—
मुलाकात किया पर [illegible] से— [illegible]
नहीं— मिला।—

D. Toppo. Tahsildar

Tour Dairi D. Toppo Tahsildar february 1946.

१-२-४६ बानो-में रहा गोवार तलाश किया-पर गोवा मिला नहीं—

२-२-४६ बानो-से-रांची आये कुरारी देखा—

१२-२-४६ रांची-से बानो गये- गोवा लोगों-से [illegible] के लिये-

१३-२-४६ — बानो-से-रांची-आये- गोवा- और जुलकु के-साथ- ठिकादार-से— रबुदी जाने के लिये लारी नहीं मिला—

१४-२-४६ — रांची- से- रबुदी गाड़ी- गुराकुदुरी प्रचारक के साथ- ठिकादार-के—

१५-२-४६ रबुदी कचहरी में तालाब-का- मुकदमा खानों को- इन्साफ हुआ- इ गोवा लोगों-को आगे [illegible] दे दिया—

१६-२-४६ — हम-और गुराकुदुरी प्रचारक- और [illegible] और प्रकुलदास- और [illegible] जोरा हुआ— और प्रचा ~~[illegible]~~ गुराकुदुरी ~~[illegible]~~ [illegible]— और उसी रोज-सब गोवा लोगों के-साथ-

१८-२-४६ रांची- आया- और-सब गोवा लोगों को- बानो भेज दिया—

१९-२-४६ रांची-से— रबुदी- गया—

२०-२-४६ रबुदी कचहरी में मुकदमे लोगों का-और गोवा लोगों का जोरा हुआ- और- सांझ को- हम-और गुराकुदुरी प्रचारक- हाकिम के- हुकुम-से- रांची- आये- Mr. D. M. Panna के पास रात को पहुंचा—

२१-२-४६ डी. सी.- हम-और गुराकुदुरी- और Mr. D. M. Panna और Asst. Manager Mr. Naeman Toppo भी रबुदी गाड़ी से- और वहीं-रात- मुकदमे बातें-हुआ-और लंगड़ा मुंडा- को- २०० रुपैया- जारा करो हुआ- पंच-का फैसला- हुआ—

D. Toppo — 26-2.46.

F 63

Tour Dairy of Tapro Tahsildar September 194

१३-९-४७ टांगो से माल्दी गया [illegible] में और पहुंचकर
रैयत लोग को तलाश किया —

१४-९-४७ माल्दी में रहकर १०॥।-॥ मालगुजारी तहसील कर
दुसरा बेला जिंगी गया सांझ को पहुंचा —

माल्दी मौजा का विशेष रिपोर्ट —

१ मौजा माल्दी [illegible] खाता नम्बर १४
रैयत कुडुख [illegible] महतो [illegible]
[illegible] है [illegible] रैयत [illegible] है [illegible]
[illegible] में रहता
था [illegible]
[illegible] में रहती है [illegible]
[illegible] में था [illegible] है
[illegible] लिया है —

२ खाता नम्बर ६८ [illegible]
के नाम [illegible] खाता बना है [illegible] है
है दुसरा [illegible] है और कुछ [illegible] में रहता है

१ मल्वा उरांव
२ बिरसा उरांव
३ बुद्दू उरांव
४ [illegible] उरांव
५ जामा उरांव

इन रैयत लोग [illegible] बतलाते हैं
[illegible] इनका खाता [illegible]
[illegible] है —

१ मल्वा उरांव [illegible] में [illegible]
[illegible] में [illegible]
उरांव [illegible] है [illegible] उरांव [illegible]
[illegible] है [illegible]
[illegible] होगा —

૩ મૌજા માલી ખાતા નમ્બર ૫૪ ખાતા દાખ સેરપ જીતુ - ઓ સેરપ
[illegible] - ઓ - સેરપ [illegible] - [illegible] જીતુ [illegible]
[illegible] ને - [illegible] કો [illegible] દિયા હૈ
[illegible] હુઆ હૈ - ઇસ ખાતા [illegible]
[illegible] માલગુજારી [illegible]
[illegible] હુઆ [illegible] હૈ [illegible] ઇસ ખાતા કા માલગુજારી -
[illegible] માલગુજારી [illegible] હૈ ॥ ઇસ [illegible] હુઆ [illegible]
[illegible] હૈ [illegible]
[illegible]
[illegible] હૈ [illegible] હુકુમ [illegible]
[illegible] હૈ [illegible] હૈ [illegible]
[illegible] હુઆ [illegible] માલગુજારી -
[illegible] હો જાય —

૪ - ખાતા નમ્બર ૩૯ ખાતા [illegible]
[illegible] હૈ [illegible] હૈ —
ઇસ ખાતા કા માલગુજારી [illegible] જાય —

[illegible]

૧૨-૯-૪૭ કો - [illegible] ૧૪૯ રૂપિયા
૧૩-૯-૪૭ રવિવાર Sunday - [illegible]
૧૯-૯-૪૭ કો - [illegible] ૭૨ રૂપિયા
૧૮-૯-૪૭ કો - [illegible] ૧૨ - [illegible] ૫૧ રૂપિયા
" [illegible] ૧૩ - [illegible] ૨૪ રૂપિયા
" [illegible] ૧૪ [illegible] ૩૯

૩૧૬

[illegible] હૈ

[illegible] ૬૦
[illegible] ૩=
[illegible] ॥=

૧૪

૧૮-૯-૪૭ [illegible] ૮/૪ [illegible]

१९-९-४७ [illegible] से कुछ [illegible] — [illegible] आदिवासी [illegible] — कुछ का —
[illegible] मालगुजारी देते — [illegible] — [illegible]
कि — [illegible] रहते हैं — कुछ [illegible] आदिवासी
को ३०/- [illegible] दिए — [illegible] ३॥) [illegible]
और बाद में — [illegible] गये —

२०-९-४७ को — [illegible] में [illegible]
[illegible] नहीं मिले — दूसरे दिन [illegible] गये —

२१-९-४७ [illegible] में [illegible] था —
[illegible] हैं — १२ [illegible] — १६ [illegible]
[illegible] — का [illegible] होता है
[illegible] — और [illegible]
२० [illegible] में [illegible] है
[illegible] में [illegible] ३० [illegible] है
[illegible] मालगुजारी — १२॥) [illegible] है —
[illegible] — ३५००) रुपया है —।
[illegible] हैं — [illegible]
[illegible] — का [illegible] और [illegible]
[illegible] में [illegible] है —

२२-९-४७ [illegible] — और वहाँ [illegible]
[illegible] — [illegible] — १२) २० [illegible]
[illegible] — और [illegible] — और
[illegible]
[illegible] रही है —

२३-९-४७ [illegible] में [illegible] Sunday और [illegible]
आये —

२४-८-४७ [illegible] — [illegible]
[illegible] — २४

२५-८-४७ — १०० रुपया [illegible] — ४०
" १० रुपया [illegible] १९२४ [illegible] ८
" १० रुपया [illegible] १९२४ [illegible] १२
[illegible] — २८

[illegible] — [illegible] —

[illegible] — [illegible] ३
[illegible] २१
४१

२८-८-४७ [illegible] —

२९-८-४७ [illegible] —
[illegible] —

२६-८-४७ [illegible] —
२८-८-४७ [illegible] —
Rev Laurentius Kujur [illegible] —
२८-८-४७ [illegible] — १९३९ — [illegible]
[illegible] —

[illegible] —

[illegible] — ४॥
[illegible] — ४०। — २

[illegible] — २।
[illegible] —
[illegible] —
१९४४ [illegible] —
[illegible] —
[illegible] —
[illegible] —

૩૦-૬-૪૪ Sunday - સવારે [illegible]

૧-૭-૪૪ [illegible]

[illegible] ૩૦ ૨૨ [illegible]

[illegible] ૨ ૫

૬૨

રૂપિયા—

[illegible] ૨૧૪૪ / ૧૫૪૪ [illegible]

[illegible]

આવવાના

૧	[illegible]	૨૦|||	[illegible]	૧|
૨	[illegible]	૩૭૬	[illegible]	૩
૩	[illegible]	૮	[illegible]	૧૦
૪	[illegible]	૬૮	[illegible]	|||
૫	[illegible]	૪૮	[illegible]	૨|||
૬	[illegible]	૨૯	[illegible]	૨
૭	[illegible]	૧૩૩	[illegible]	૬|
૮	[illegible]	૯૦	[illegible]	૪|||
૯	[illegible]	૮	[illegible]	૧
			[illegible]	૬|
			[illegible]	૨|||
		૬૨૯|||=||		
		૩૩		૩૨
		૬૦૬		

૬૩ રૂપૈયા લે - [illegible]

મળવાના રહ્યા - [illegible]

[illegible]

(सावल लकड़ (पाट) बिलासपुर के पा(ते)

कोरोंजा

मन्याबर

२०-३-४५ ई०

सैक्रेटरी साहिब आप को मेरा
योग्य सहाय। हम आपके है।
आप सभों का कुशल मंगल सदा
चाहता हूं। आज मैं कोरोंजा
हाता का डिमाकेशन करता हूं
पहले से और कम्पाउंड बड़ा हो
गया है। मंगल आदि को मिला
दिये है।— मैं रांची पेरो से
हुजूर-। कोरोंजा के इलिपाश
आरन्द चार नदी छोड़ता है इस
से हम पुलिस में इतला कर
दिया हूं कोरोंजो बजो जमादार
आया था- ता-१९-३-४५ ई० को
जमादार साहब हम का २४ मध्ये
में थाना में बुलाया है। ठेठरटांगा
में उसी रोज गया S.D.O.

POST CARD

9 PS 9 PS

INDIA POSTAGE

ADDRESS ONLY

1 P.M.

RANCHI

टेढाइयांगार थाना आवेगा
उसी समय हम को एक
दरखस्त पुलिस में देना
होगा – और S.D.O से
आडर पास करा कर जमादार
और सिपाही और चौकिदार
श्री पंडित इलियास साहब
को घर से निकाल देने को
पाद्री और हम का जमादार
साहेब प्रतिज्ञा दिया है
परेश को स्कूल होता है
कि ऊंसा होगा इसमें ...
श्री पंसा दिन रहने होता है

The C. C. Secretary
G. E. L. Church
Gungutoli
Ranchi

Ranchi

F.63

To

The Secretary,
G. E. L. Church.
Camp Lohardaga.

गुजारिश है कि नीचे लिखा हुआ पादरी लोग डेलिगेट फीस नहीं दिये हैं —

१ – पादरी [illegible] कुजूर — 5/ Exempted.

२ " [illegible] — 5/ Convener to see to it

३ " [illegible] — 5/ – Liable to pay

४ " [illegible] — 5/ Exempted

५ " [illegible] — 5/ – Exempted.

६ मिस. के. सी. [illegible] — 5/. From school

(7) C.C. members [illegible] ~~[illegible]~~ [illegible] to pay from Central fund.

8. Heads from Tahsildar — his budget.

25/3/1942

F.63

To
The C. C. Secretary Ranchi
Date 4-3-1944–

गुजारिश है कि हमारे जगहों में निम्न लिखित वृक्ष पेड़ निम्न लिखित जगह में पड़े हैं। कृपा कर इस के बारे उचित बन्दोबस्त कर दिया जाये

1 — 1 कुसुम गाछ 6 फुट मोटा पादरी बगान में
2 — 1 आम गाछ 3॰ फुट " "
3 — 1 आम [illegible] जमीन में गिरा हुआ पड़ा है
4 — 1 [illegible] गाछ 4 फुट [illegible] के सामने
5 — 1 कुसुम गाछ 2½ फुट [illegible] बंगला पश्चिम
6 — 1 बर गाछ — विद्यालय के सामने
7 — 1 — कटहल गाछ — 12 फुट विद्यालय सड़क मैनेजर [illegible] के बीच — है
8 [illegible] 1 [illegible] गाछ [illegible] है

Daniel Toppo.
Tahsildar
4-3-1944–

To

The C. C. Secretary Ranchi

Date 4-3-1944

गुजारिश है कि बांसबगान में सड़क के किनारे एक मरा हुआ सूखा गाछ है जिसका धड़ बहुत मोटा है और उसपर दो डालियाँ हैं। जो ~~xxxx~~ डालियाँ जलावन के वास्ते लायक है जिस के नीचे डाली को फिराइये के लोगों का आना जाना के वास्ते कर दिये॥ यदि ये उपरोक्त २ डालियाँ जल्द न हटाई जायें तो जान का निकल जाना खास है इसवास्ते हजूर से आरज करते हैं कि दया करके उन २ डालियों को ~~कटवा~~ कटवाई जावें ये जल्दी–दाम जो कि हम लोगों को ये परम जरूरी जिससे कि दिक्कत आमदरफ्त आदमी रहे नहीं

आप का आज्ञाकारी

१ Daniel Topno. Tahsildar.

२ नवमोहीनी नन्दी

ता० ४-३-१९४४ ई०

To

The. C. C. Secretary G. E. L.

Church Ranchi

Date 1-3-1944.

गुजारिश है कि [illegible] P. N. C. Topno

और [illegible] Laurintus Ekka इन दोनों जन

का [illegible] (नाड़ा) बाकी से साबित हुआ कि सन

१९४२ ईस्वी से बाकी है [illegible] से

मालूम हुआ कि [illegible] (नाड़ा) Mr N. Soy [illegible]

[illegible] से बाद [illegible]

से Rev. Gojwar [illegible] हुए हैं [illegible]

बाद ने छोड़ दिया है। [illegible] है

कि इन Rev. Gojwar को [illegible] (नाड़ा) [illegible]

[illegible] है [illegible] Rev. Gojwar [illegible]

[illegible] नाड़ा [illegible] है [illegible]

[illegible] है कि इन दोनों [illegible]

[illegible] से [illegible]

[illegible] है

(१) [illegible] P. N. C. Topno [illegible]

१९४२ ई० जुलाई से [illegible] १२)

१९४३ ई० जनवरी से दिस० २४)

१९४४ जनवरी [illegible] ४)

४०)

(२) [illegible] Laurintus Ekka [illegible]

१९४२ [illegible] ४)

१९४३ जनवरी से दि० १२ ६)

१९४४ जनवरी [illegible] १)

(३) [illegible] २।।।) १२ ।।।

D. Topno
Tahsildar

F 63

Tour Dairy D. Toppo Tahsildar. 1944-

२०-४-४४ रांची से पुरुलिया गया — रांची कमिश्नर का कागज के बाबत में [illegible] नहीं मिला —

२९-४-४४ पुरुलिया से रांची वापस — लौट आया —

३०-४-४४ रांची से कुडु — बाइ मोटर लारी से — लारी में जगह नहीं मिला —

१-५-४४ कुडु से नवका — गाड़ी से — ,,

२-५-४४ नवका से चैनपुर गाड़ी से — ,,

३-५-४४ चैनपुर में रहके सिलाम लकड़ी [illegible] [illegible] रोड में [illegible] बनाया उसका नाप लिया —

४-५-४४ चैनपुर में रहके — कमिश्नर के [illegible] [illegible] के साथ मिलकर [illegible] और [illegible] [illegible] में [illegible]

५-५-४४ चैनपुर में प्लाट नम्बर २२३ और २२४ के बारे [illegible] [illegible] से [illegible] के [illegible] से [illegible] [illegible] और [illegible] [illegible] [illegible] नहीं देने [illegible] है — और सांझ को — C.C. मिस्टर Daud Turki के साथ विशालपुर गाड़ी —

६-५-४४ मिस्टर Daud Turki C.C. [illegible] के [illegible] में रहा — [illegible] रही उस रोज [illegible] Daud Turki को [illegible] [illegible] नहीं बना —

७-५-४४ विशालपुर में रहा — (Sunday) —

८-५-४४ विशालपुर से बिशरामपुर पैदल गाड़ी १२ कोस

९-५-४४ बिशरामपुर में रहा — [illegible] रोड [illegible] — [illegible] गांव में नहीं था — [illegible] मालूम हुआ — [illegible] लकड़ी [illegible] —

१०-५-४४ बिशरामपुर में रहके [illegible] जंगल में [illegible] होने वाले — [illegible] लोगों से बात — [illegible] गाड़ी से — [illegible] होने का [illegible] —

११-५-४४ बिशरामपुर में रहके प्रतापपुर नगर प्लाट नम्बर ४३६ का पैमाइश और [illegible] [illegible] हालत में रास्ता शामिल था —

१२-५-४४ बिशरामपुर से महुवाटांड़ और [illegible] गाड़ी —

१३-५-४४ [illegible] से लातेहार गाड़ी रजिस्टरारी [illegible] — [illegible] [illegible] [illegible] —

१४-५-४४ लातेहार में रहा — (Sunday)

१५-५-४४ लातेहार कचहरी में रजिस्टरारी हुआ — और रांची लौट आया

२९-५-४४ रांची से — C. C. सेक्रेटरी के साथ [illegible] [illegible] और [illegible] का जमीन — देखा गया — [illegible] के [illegible] और [illegible] [illegible] [illegible] लौट आया —

D. Toppo - 30-5-44

नाम मौजा चैनपुर सीट न. १

नाम थाना चैनपुर

थाना नम्बर ११४

जिला रांची

स्केल एक माइल बराबर १६ इन्च

सन १९३१ - ३२ ई०

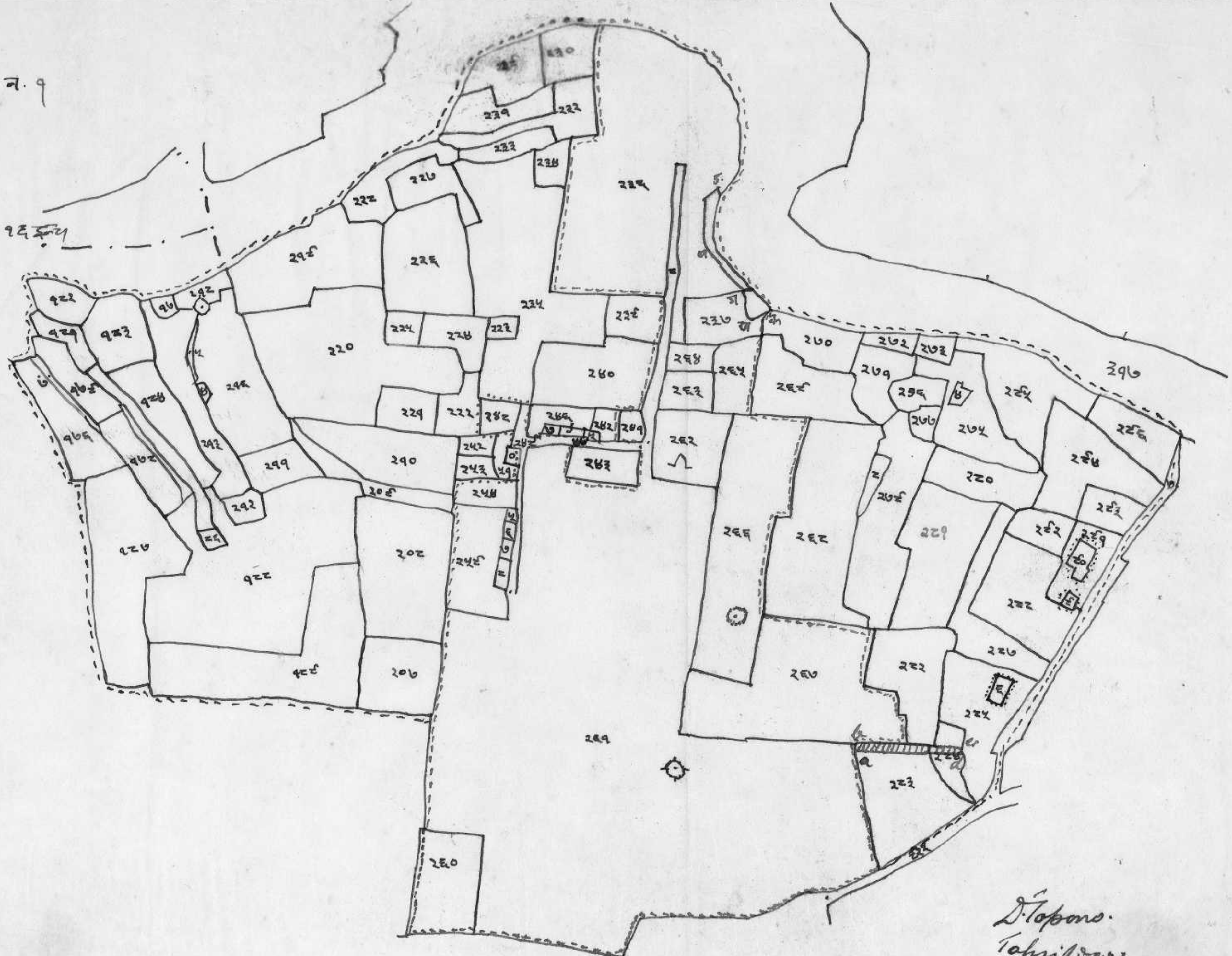

D. Toppo.
Tahsildar
26-5-44.

विशेष रिपोर्ट—

(1) चपका गांव-में-चाचिन-का बोल २-०० एकड़ दर है—उसी—गांव-से चान [illegible] बेदखल करने [illegible]
रनसाई [illegible]-मुसलमान है—लिया है—अवसर ता-१-५-४८ ई० को
हम मौजा चपका में रात को ठहरे—और रनसाई [illegible]—हम-से बोलाये
और हम—[illegible] लिया है—इस से—जो मा—ले लिजिये—चाच
[illegible] हम—नहीं सकेंगे—[illegible]—उसके [illegible] किया—[illegible]
रे लिये—[illegible]—हम से मौजा चपका में लिये—[illegible]
[illegible] लिया—[illegible]

(2) [illegible] २२०+२३/४४/[illegible]-३० [illegible]—चैनपुर का—
हम—ता. ३-५-४८ ई० को चैनपुर जाकर सिलास लकड़ा मास्टर [illegible]
[illegible]—[illegible]—खारनामा (२२६ स-१२ डिसमिल और खारनामा
२३० से—०७ डिसमिल—दोनों जमीन बना लिया—है—और हमारे [illegible]
पहले—[illegible] लिया है—जिसको हम—[illegible] में [illegible] लिया है
सो (क-ख-ग-घ-ङ. देखलाया हूं—) इस [illegible] बरस
[illegible] ३१६ है—सिलास लकड़ा मांझी बोलता है कि—हम [illegible] लकड़ा
[illegible] लकड़ा के नाम से [illegible] से [illegible]—लिये हैं [illegible] बोला
हम [illegible] सेटलमेन्ट के [illegible] [illegible] है—[illegible]
२०८ [illegible] के नाम से है—[illegible] खारनामा
का—है [illegible] सिलास मांझी [illegible] है—[illegible] सिलास
लकड़ा मांझी को चैनपुर से [illegible] देखिये—[illegible]
लोग. [illegible] देखिये नहीं सिलास लकड़ा मांझी [illegible]
रिवीजन सेटलमेन्ट में [illegible]—से [illegible] हो गए है—यही सिलास
लकड़ा मांझी लिखा है—

3 रिपोर्ट के [illegible]—[illegible] हूं—[illegible] पहले [illegible]
[illegible] नक्शा से [illegible] लिया गया है—अब जो [illegible] जगह बचा है
सो [illegible] को लिया गया है—अब [illegible] बचा है
[illegible]—पहले सेटलमेन्ट का [illegible] एकड़ १९ डिसमिल बेदखल हो गए—

4 खारनामा २२३ वो २२४ [illegible] है—[illegible]
और रिवीजन सेटलमेन्ट में [illegible] के नाम से [illegible] हो गेला [illegible]
[illegible]—के [illegible] १५ [illegible] दिया है—[illegible]
[illegible] है सो [illegible] किया हूं जो
[illegible] के लिये नहीं [illegible] हूं—

प्लाट नम्बर २२३ को प्लाट नम्बर २२४ के जानिब- उत्तर तरफ लाल सियाही से -(a-b.c.d
मोटा मार बनाया गया है- सरजमीन में भी बतौर-मोड़ बनाया गया है-
इन दोनों प्लाटों के बीच भी मकान उरांव- से मिला नहीं नाप होना-
जरूरी है-

५ प्लाट नम्बर २६६ जानिब- पश्चिम- लाल सियाही- गोल बनाया गया है
कुआं बोरझागर तरफ से छोड़ा जाता है पर e.e. श्री- चौड़ा मोड़ नहीं
लिये- है कुआ छोड़ने के बाबत- e.e. से आर्डर लेना जरूरी है-

६ चौनपुर का- बे दखल- किया हुआ जमीन- राज का मनोज Pipi साहेब- से
मांगने से बयान लौटा देगा- हैरान हु तो का- कहना- क्योंकि- राज का
मनोज Pipi साहेब- चौनपुर बंगला में डेरा बरव प्रगाना से बदल दिया है-

७ चौनपुर का जमीन- को रखाल किये है- उनका नाम- ये है-
१ सिलास लकड़ा माडू
२ बिहारी लकड़ा-
३ उरांव कुजूर
४ जयनाथ खेरवार उरांव-
५ नेहेमिया मुंडा
६ मंगा उरांव ===
७ लड़ू उरांव ===

सिलास लकड़ा माडू—
नाम नाम है
सिलास लकड़ा- नाम-
नाम है-

(८) बरकाठी प्रगाना- जीता मकान में सिसरामपुर गांव से सटा हुआ मौजा-
प्रतापपुर नगर प्लाट नम्बर ४३६ रकबा- ३ एकड़ ५० डि० को उसी प्लाट से सटा
हुआ- मौजा साहपुर प्लाट नम्बर ६५ रकबा ०.२५ डिसमिल— को सरजमीन
में जानिब- सख्त को नाप देखा— जाहिर है- प्लाट नम्बर ४३६ का सिमाना
का— जोती हुआ- सरजमीन में नाप से पत्थल गाड़ दिया— और पाटी
वाकू बोथार कुजूर को जाहिर करने से बोल दिया- हूं-
प्लाट नम्बर ४३६- को प्लाट नम्बर ६५ मौजा साहपुर रकबा ३ एकड़ ५२
डी- रजिस्टरी जमीन में घर दो भाई- जारसारी यह का रैयत मुसलिम
उरांव- गांव- में रहता- लड़का लिखने बाद साड़ गया- और
उसको वहां से बोल दिया- और नाम में ता. १५-२-६६ ई० को
जानेदार कचहरी में रजिस्टरी किया गया- रजिस्टरी पाटी वाकू
बोथार कुजूर रैयत से मो. ४५) २२० से पैदा करना लिखा गया-
वाकू को पाटी वाकू बोथार कुजूर जमीन को रसांराई भी देंगे- जमीन
जायज के नाम से रजिस्टरी नहीं बना डिक्री- जमीन जोतने का
हुकुम दे नहीं गया- और सोमार नाग उरांव वहां रहे था-

[illegible] प्लाट नम्बर - ४३६ - [illegible] ६२ [illegible]
रजिस्टरी [illegible] है [illegible] ४२ [illegible] डिसमिल [illegible]
[illegible]
रजिस्टरी [illegible] ४२ डिसमिल [illegible]
[illegible] ४३६ [illegible]
[illegible]
[illegible] हो गया है
[illegible] रजिस्टरी में [illegible] हुआ है [illegible]
[illegible]
मेम्बर Babu Daud Turki [illegible] C. C.
D. M. Panna को लिखित द्वारा [illegible] देंगे —

१०- C. C. सेक्रेटरी साहेब को [illegible]
[illegible]
[illegible] सेक्रेटरी साहेब [illegible]
मेम्बरान को देंगे —

११ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] होगा —

आगे — D. Topno
30/5/1944 —

F. 63

Khatitoli
17-6-1944.

To: The C. C. Secretary G. E. L. Church Ranchi

महाशय-

आपको मेरा यीशुसहाय- आपको मालूम हो कि मैं तारीख ११-६-४४ को खुरीटोली पहुंचे और पहुंचकर देखते हैं कि हमोंने ६ एकड़ २४ डि. दोन जमिन गोलना की खास खेती करने के लिये रखे हैं। अब तक एको मरतबे नहीं जोता गया है। अब धान बुनने का चांस चला गया। अब सिर्फ रोपा करने को होगा। आपको खेती करने का हालत लिखकर बतलाता हूं। हमों का नौकर छोड़ दिया अब बिना नौकर के आदमियों को कौन बोलायगा- अब हम खुरीटोली से नहीं चले जायेंगे तो बकरियां कौन खोल देगा- नौकर छोड़ दिया है उसका मतलब है। जंगल चौकीदारों को पुराने समय से महीना १) रुपैया देते आते थे अब इतना महंगी के समय इतना कमती तलब से नौकर नहीं मिल सकते हैं। यहां खुरीटोली में नौकर नहीं है इस कारण से अनेक बातों का भारी आड़चन और तकलीफ है- गांव के रैयत लोग हमों को खेती कराने विषय हैरान कराने के लिये गावर हल का दाम डेढ़ ॥) आना और बड़ा हल का डेढ़ ॥।) आना हल का दाम पचासपैसेहराये है। किराया जो कोई आपने खेती करने के लिये हल मंगा जाय तो बहाना कर देते हैं। कि हमारा फसल का जगह का खेती करना बहुत बाकी है इस से हल नहीं दे सकते हैं। खुरीटोली में एक जंगल चौकीदार बहाल करने में महीना ३) तीन रुपैया का मंजूरी का खबर भेजिये- चौकीदार के न रहने से जंगल का भारी नुकसान को हानि होगा-

खेती विषय में पाद्री दाऊद साहेब से किसन धान नहीं ~~मिला~~ देना- कारण कि इन के लड़कियों की रक्षा स्कूल में भेज दिया- जिस का फीस ११) मन चावल देना पड़ा इस से दे नहीं सकेगा- पर किसान विषयतो दुसरा प्रचारक लोग से धान मिलने का बात चित हुआ है। और धान बिहन तो मिल जायगा पर हल खोजना कठिन होगा- और कि खेत बड़ा टांड़ में खाद का जरूरत है। बिना खाद के पौदा नहीं बढ़ेगा- खाद तो सिकड़ गांव से मिलेगा- पर एक १ एकड़ जमीन के वास्ते २०) का खर्च पड़ेगा। इस तरह से खेती में अनेक खर्चा होगा।

सो आप खेती विषय खर्च के वास्ते तादात कितना रुपैया देंगे सो जल्द जवाब दिजिये जल्दी और मैं पाद्री को रुपैया देकर गुमला तरफ जाने को हूं। क्योंकि डिस्ट्रिक्ट का चार दिन का चावल २०) मन और ५ गाड़ी लकड़ी और ॥ आना मनदार खरीदने को प्रेसीडेन्ट साहेब हुकुम दिया है।

फिर दुसरा- बहुत जरूरी बात है-

मौजा खुरीटोली में चारघ मिसिदारों के आबाद गवर्मेन्ट से सवाल जंगल के अन्दर एक छोटा नाला है जिस को एग्रीकलचर फारम के तरफ से पटावन के लिये छोटा नाला को बंद कर बतौर बांध के लगभग ३० जरीब लम्बा के एकमोटा बनाकर उठाया गया है जिसमें करीब २४२ रुपैया खर्च का अनुमान किया गया है गवर्मेन्ट ने अपने तरफ से ३ खर्च का आधा खर्च कर दिया है और रैयत अपने तरफ से पांच रुपैया का माफ कर दिया है बाकी खर्च चर्च प्रोपर्टी के तरफ से १ तिहाई भाग इसमें ६०) रुपैया का हक लगता है अगर चर्च अपना हक चुका जाय और गवर्मेन्ट का हक सिर्फ में मिल जाय तो चर्च पर भारी आपत्ति आने का डर है क्योंकि गवर्मेन्ट अपना रुपैया को किसी प्रकार से नुकसान होने नहीं देगा मैंने ता. १२-६-४४ को खुरीटोली चोपा मैन मनसिंह लोपना के साथ जनाब सिमडेगा S. D. O. बहादुर के बंगले में जाकर खुद बात चित किया और वे मुझ से जुलाते हैं कि आप बाकी काम को हस्ताक्षर पुरा कर देवो इस के लिये फौरन रुपैया

आपने तहसील में से खर्च कर देवो और चाक प्रोपर्टी बोर्ड में रिपोर्ट दे देवो जिससे कि चाक पर किसी प्रकार की आपत्ति न आवे - श्री हजूर से अर्ज गुजारिश है कि फौरन आर्डर दे दिये जायें - कि मैं इस काम के लिये रुपैया ५००) तहसील से खुर्दा [illegible] मेरा मैनेजर मानसिंह जी को दे देवें जिससे कि गवर्नमेन्ट को भी विश्वास हो कि चाक भी अपना काम पूरा करता है। इस बांध को मैं ने अपनी आँखों से जा कर और नाप से देखा और पाया कि इस के द्वारा से चाक को नीचे लिखे हुए प्लाट नम्बरों और रकबों पर आबपाशी से बहुत अधिक लाभ होगा

खाता नम्बर	प्लाट नम्बर		रकबा	कैफियत
२	४९	राई	६ - २४ डी.	राई जमीन दोफसली बनेगी सहज से और पैदावार होगी
"	४५	राई	२ - ०५ डी.	
खाता १४ गैरमजरूआ आम	१०५	पाली	- ०६६ डी	
"	१०७	पाली		
			६ - ००	
			१२ - २८	

खाता नम्बर २८ जो कुल रकबों का चाक के तालुक है तो बरास [illegible] दखल हुआ है जिस के बाद मोहन जालपा [illegible] बाबत मिस्टर डी. एन. Panna से प्राप्त नं. ५० रुपैया मनिआर्डर भेजा [illegible] और मिस्टर Panna ने रुपया वापस लौटा दिया है

खाता	प्लाट नम्बर	रकबा	
२८	३४	० - ६८	राई जमीन दोफसली बनेगी और पैदावार होगी
	३५	- - ३०	
	३६	० - ३९	
	३७	० - ४२	
	३८	- १.९	
	३९	- १०	
	४२	६२	
	४३	० - ५२	
	४४	- ६९	
	६२	- ४२	
	६६	- ०६	
		११ - ६२	

कुल रकबा चाक का खास २७ - ०० एकड़ राई जमीन दोफसली बनेगी और पैदावार में बढ़ावा होगा

फिर मुझ को मालूम हुआ कि गवर्नमेन्ट के इस्टेट में खुर्दा प्लाट नम्बर ११३ वाला नहरी बांध को बांधने के लिये ३२० रुपैया का सेंक्शन हुआ है बांध बांधने का काम शुरू हो गया तथा हो जाना का पर चाक की ओर से कोई निशानदेही [illegible] न होने पर भी [illegible] तो वह इस्टेट में रख लिया जा सकता है क्योंकि [illegible] गवर्नमेन्ट की इस अवसर में बांध बंधवाने का [illegible] गवर्नमेन्ट से बहुत [illegible] है [illegible] यहां वहां बांध इस्तेमाल [illegible] गवर्नमेन्ट से [illegible] यहां [illegible] बहुत [illegible] रहेंगे तो वह ३२० रुपैया

उन के तरफ चला जायगा। हमारे महोदय सिमकोक D. O.
बहादुर चौध के बैंधा के लिये बहुत चिन्ता करते हैं। और
कहते हैं कि यदि चौध चाहे तो मैं जहाँ तहाँ हमारे क्षेत्र में ऐसे
कामों को जारी करूंगा — सो आजी करते हैं कि चिपुरा बांध को बनवाने
के लिये गवर्मेन्ट में पेश किया जाय और कुछ महीने में यही काम शुरू
किया जावे। और जो कुछ चौध का देन है सो सुसमाय में स्वयंसेवकों
का इन्तिजाम करें।

यहां स्थानीय टोली में ओसामल नुक्ता पुरती (पुलिस इन्सपेक्टर साहेब) के
बांध बचाने के लिये मोहब्बत सेनमल को काम जारी बहुत जोरों से
काम जारी है और अभी प्रायः बांध तैयार हो गया है।

फिर दूसरी बात है मिस्टर फलाने मुझे एक साला कबूलियत
लिखाने के बाबत १४२ दरख्वास्त किया है। दरख्वास्त में लिखा हुआ है।
के रैयत मुसा और पोखार अखबराई देवे व और पोखार
गुजरा अखबराई न देवे तो उस का बदला में धान चाहे रुपैया
देवे इस से रैयत लोग न मंजूर करते हैं। रैयत लोग
कहते हैं कि साहब बहादुर सिविल सेटलमेन्ट में अखबराई
का स्वत्व लिखा है और स्थल का कुल लिया रैयत देवे
और गुजरा को उसी को पोखार रैयत लेवे इस कबूलियत
सो रैयत लोग पोखार गुजरा को न मंजूर करते हैं और
कबूलियत लिखाने से इनकार जाते हैं।

फिर बात है आजकल स्थानीय और अंग्रेजी और हिन्दी के
समाचारों का नाम हमारे पास [illegible] लिखने के
[illegible]

फिर बात की [illegible] हमारे डेरा में रसिया स्थानीय [illegible]
पुलिस [illegible] कहे सो बेजा हो गया है।
न मालूम [illegible] में किसी को बेजा [illegible]
न मार डाले [illegible] करा दे जायेगा [illegible]
१२ जुलाई के पहले [illegible] नहीं [illegible]

D. Tapono
Johriwar

आपका इस चिट्ठी के लिखने को पीछे लिखेंगा

S.D.O. के तरफ से मालूम हमारे पास आया कि बीरा

जी आदमी आप को आने के लिये रुपैया पाया [illegible]

और कि बखत पहुँच गया इसलिये हम आप धामी

महतोय लोगों को मो० 30/ तीस रुपैया बाकी बाड़ने

के बाद दे दिया और जुरमाना को अंगिकार होके

के बाद रुपैया पे मेल करेंगे और रुपैया होने पर फिर

70/ रुपैया और देना है। और फिर भी

बाड़ा आने बाबत धामी मारवाड़ी लोगों को 60/ रुपैया

दे दिया हूँ और मैं आज ता. 12 जून को सिविल [illegible]

मुकदमा तारीख जाता हूँ। साहेब जी चमका [illegible]

[illegible] और [illegible] का [illegible] के लिखना

काम के लिये मुकदमा के [illegible] [illegible] लगान

और [illegible] हाल [illegible] को प्रेसिडेन्ट साहेब

को जाना होगा है

हमारे पास चिट्ठी आप जरूरी होना [illegible]

[illegible] के C/O से भेजियेगा

कुल रकम रुपैया 220/ रुपैया [illegible]

और रकम में नहीं [illegible] तो 200/ [illegible]

पैसा [illegible] है [illegible]

हम का हो सकता है। अब [illegible]

मालूम होता है हम [illegible] ता० 12 [illegible]

वहाँ पहुँच रहता है और होना के लिये फिर

जरूरी होना [illegible] [illegible]

होना के [illegible] [illegible] [illegible]

है आपको प्रेम से D. [illegible]

Tahsildar.

Tour Dairy D. Topno Tahsildar 1944 — F 63

१४-६-४४ रांची से खुरीटोली आया—

१५-६-४४ खुरीटोली से सिमडेगा जाकर S.D.O. के पास गया— जेमार मैन— Rev. M. Topno के साथ— एग्रीकलचरल फार्म के लिए— जो आहरा बनाया जा रहा है उस के बारे विशेष तौर से बात चीत करने के वास्ते।

१६-६-४४ खुरीटोली में रह कर थोड़ा थोड़ा तहसील किया मालगुजारी—

१७-६-४४ खुरीटोली में रह कर बाड़ा बांधने और आहरा बांध बनाने के बारे सरजमीन में जाकर देख भाल किया—

१८-६-४४ खुरीटोली में रहा ~~कर~~ (Sunday)

१९-६-४४ खुरीटोली से गुमला गया— बैलगाड़ी से

२०-६-४४ गुमला में रहा— बाजार से पाद्री केनिगस्मार्क के रसोई घर के लिये लकड़ी चार तख्ता खाड़ा रस्सी सूप टकनी— और बाल खरीद किया—

२१-६-४४ गुमला में रह कर हुमन नायक से खरीदा— ६२) रुपये में— और गुमला चेरे और टोटो आदि गांवों का मालगुजारी निगरानी का दिया—

२२-६-४४ गुमला से टोटो गया— और वहां से जुलदी गांव जा कर (सलटा— २००० का मलधमटोली का मालगुजारी महराजी तहसीलदार को ११५।। दिया और वहां से मोंगा चपका गांव गया—

२३-६-४४ चपका में खाद बिक्री किया— २६।) आना का हुआ— खाद बिक्री के समय— लाल बिरसुन ओरिया— मुखला मुण्डा और हलधिया के साथ— बिक्री किया— ५ आर २० पैला खाद था—

२४-६-४४ लोहरदगा से गढ़सीमा गया— और खाद बिक्री किया बलदेव प्रचारक जुगु के साथ— २४) रुपैया— हुआ था— ३६४ पैला हुआ था— १३ पैला १० आना के पैला से बिक्री किया—

२५-६-४४ लावागढ़ में रहा— (Sunday)—

२६-६-४४ लावागढ़ में खाद बिक्री किया— २६) रुपैया का— १०४४ पैला हुआ— १२ पैला रोज से— १० आना के पैला से— बिक्री किया—

२७-६-४४ सिंगो से चट्टी गया— बैलगाड़ी से

२८-६-४४ } सेरो का खाद बिक्री किया— चट्टी का पाद्री लौरेन्स कुसकुण्डु
२९-६-४४ } के साथ— ९२१) हुआ— छप्पन हा पैला ति— कौ रुपैया पैला के दाम से

३०-६-४४ सेरो से यहाँ और लोहरदगा आये [illegible]

विशेष रिपोर्ट—

आदरा वाला [illegible]
पाकुड़ [illegible] — से — — — ३०) लिया—

गोरे लाल [illegible] बोडा माल [illegible]
[illegible] — ६०) लिये हैं
६०) रुपया

माल बिक्री—

			आमदनी—		रुपया—
१	[illegible]	[illegible]	२॥)	—	१)
२	[illegible]	"	२२)	—	०
३	[illegible]	"	२६)	—	६) कमीशन [illegible]
४	[illegible]		[illegible]	—	
५	सेरो माल बिक्री		२२१)	—	४३ में कमीशन २२
			३३२॥)	—	२०)

माल बिक्री—दुकान [illegible] की प्रचारिका मो पांचों [illegible] ठेला [illegible] कमीशन [illegible] लिया गया—

[illegible]

१-	[illegible]	सम्वत २०००		१०)
२-	[illegible]	"	"	६)
३	"	"	"	३॥)।
४	[illegible]	"	"	३।)
५-	[illegible]	"	"	११=)॥
				२८।॥=)।।।

Bill paid ... [illegible]

D. Tapeno
8-7-1944-

To

The C.C. Secretary G.E.L. Church
Ranchi
11-5-1945

मन्यावर महासय—

आप को जनाता हू कि बोड के मनेजर Mr D. M. panna हम को 28 आपरेल 1945 ई० को नोटिस दिया है कि अब से लेके आगे को तहसिल- और धान बिक्री और घर भाड़ा आदि से मिलना जो रुपैया आमदानी हो सो सब रुपैया बोड आफ मेनेजमेंट के खजाने में रुपैया दाखिल करो— इस लिये अब हम मोताबिक नोटिस के बोड के खजाने मे रुपैया दाखिल करेगा। अब हम श्री चर्च कौनसिल खजाने को रुपैया मांगने का तगादा छोड़ देवे— इस लिये आप कौनसिल तरफ से जो बोड के खजाने मे रुपैया दाखिल करने का तहरिरी आडर हम को जल्दी मिलना चाहिये—

Daniel Topno. Tahsildar
Ranchi

R

To

The C. C. Secretary G. E. L. Church
Ranchi
11-5-45

नमस्कार — महाशय —

आगे आप को मालूम हो कि [illegible] मे गिरजा-
बांध नाम करके एक बांध बंधा जा रहा है
जिसके लिये C. C. से — २१५) रुपैया और [illegible] से
२२६) रुपैया — लिया गया है पर बांध काम —
पूरा नहीं हुआ है फिर ३२) बांध का काम — का
रुपैया — लगजायेगा [illegible] २००) रुपैया का [illegible] है. इसलिए
मालूम — है कि [illegible] Rev. M. Topno
के पास २००) रुपैया जरूरी भेज दीजियेगा — आपके
एक — बात [illegible] का समय — आ गया है —
[illegible] — [illegible] — मे [illegible] — होगा — इस बार
बांध [illegible] — पहुंचने के पहले [illegible] हो जाय —
नहीं तो बांध टूट जायगा — और सब रुपैया फेंका
हो जायगा — और [illegible] रुपैया
पाने नहीं सकेगा —

D. Topno. Tahnilwar.

Paid

R

To

the C. C. Secretary G. E. L. Church Ranchi

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
Rev. M. Topno [illegible]
[illegible]

Paid

D. Topno
11-5-45

To

The C. C. Secretary G. E. L. Church Ranchi.

[illegible] महाशय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] Rev. M. Topno. [illegible]

[illegible] 200) [illegible]

[illegible]

D. Topno.
11. 5. 45

To

The C. C. Secretary G. E. L. Church Ranchi

महाशय —

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] M. Topno. [illegible]
[illegible]

D. Topno.
11-5-45

To

the C. C. Secretary G. E. L. Church
Ranchi

R

महाशय—

आप का साकुलर-द्वारा श्री. जोसिया—हरदा मंडलीयों [illegible]
के कुछ—श्री—जोसिया हरदा मंडलीयों का—स्वीक करा
आप का के बताया—गया है। और [illegible] कुछ
में पहला—आड़ा सिखाया है। आज-कल हरदा मंडलीयों में पादरी
का आवश्यकता है और इस के लिए—जोसिया [illegible]
भाई Luther Kongari के पास—२००) रुपया—गया
आप [illegible] [illegible] में [illegible] [illegible] [illegible]—
[illegible] के कुछ—न—हो

D. Topno.
11-5-45

R

To

The C. C. Secretary G. E. L. Church
Ranchi

[illegible]

[illegible]

M. Topno

D. Topno.
11-5-45

मान्यवर सेक्रेटरी,
ओ० ई० एल० चर्च रांची।

महाशय,

सादर निवेदन है कि मेरा घर दो तीन साल से मरम्मत नहीं किया गया है, इसी सबब से खपरे और बांस टूट फूट कर बिलकुल निकम्मे हो गये हैं। जहां तहां बरसात के दिनों में पानी के चूने से लकड़ी सब भी सड़ गये हैं। इन साल अगर बरसात के पहले मरम्मत न किया गया तो निश्चय ही घर की हालत बुरी हो जायगी और घर में रहना मुश्किल हो जायगा। इसलिये अर्ज करता हूं कि मेरे घर की मरम्मत जल्द से जल्द करा दीजिये।

आगे निवेदन है कि मेरा घर भाड़ा मेहरबानी करके न लिया जाय, क्योंकि मेरा तलब आज कल के हिसाब से बहुत ही कम है। आशा करता हूं कि मेरी विन्ती जरूर सुनी जायगी, और आप की इस कृपा भरी काम के लिये मैं सदा आप का धन्यवादी बना रहूंगा।

ता० ११-५-४५।

आप के आज्ञाधीन
कर्मचारी
हेरमस मिंज
गिर्जा चौकीदार।

[Margin annotation in another hand:] [illegible] ... मरम्मत किया जाय
D-10 pa ... 11-?-45

Tour Diary of Topno Tahsildar June 1945

२-६-४५ [illegible] मुरहु [?] [illegible]

३-६-४५ [illegible] (Sunday)—

४-६-४५ [illegible]

५-६-४५ [illegible]

६-६-४५ [illegible]

७-६-४५ [illegible] Mr. Naeman Toppo [illegible]

८-६-४५ [illegible]

८-६-४५ [illegible]

९-६-४५ [illegible]

[illegible]

१०-६-४५ [illegible] (Sunday) — [illegible]

११-६-४५ [illegible] में रहा — [illegible]

१२-६-४५ [illegible] — [illegible] —

१३-६-४५ [illegible] — [illegible] —

१४-६-४५ [illegible]

१५-६-४५ [illegible]

१६-६-४५ [illegible]

१७-६-४५ [illegible] में रहा (Sunday) —

१८-६-४५ [illegible]

१९-६-४५ [illegible] —

२०-६-४५ [illegible] —

२१-६-४५ [illegible] —

२२-६-४५ [illegible] में रहा — [illegible] —

२३-६-४५ [illegible] में रहा — [illegible] —

२४-६-४५ [illegible] में रहा — (Sunday) —

२५-६-४५ [illegible]

२६-६-५२ खुरदोली में रहने वाली जातियों से बातचीत व अनुवाद।
२७-६-५२ तदैव — तदैव —
२८-६-५२ [illegible] — [illegible]
[illegible] —
२९-६-५२ खुरदोली में बातचीत व अनुवाद —
३०-६-५२ खुरदोली [illegible] —

विशेष रिपोर्ट —

[illegible]

१ मजूमदार [illegible] का — धर्म का विषय [illegible] है — क्योंकि — [illegible] — [illegible] — [illegible] — [illegible] है — [illegible] — [illegible] है — [illegible] — [illegible] — [illegible] है — [illegible]

२ खुरदोली का [illegible] — [illegible] है — [illegible] — [illegible] होता है — [illegible] — [illegible] — [illegible] है —

३ खुरदोली का [illegible] — [illegible] — नहीं हुआ है — क्योंकि — [illegible] — [illegible] है — और १० [illegible] — [illegible] है —

४ [illegible] — खुरदोली में [illegible] मिलता है — [illegible] है — [illegible] है — [illegible] —

५ खुरदोली में का — [illegible] — [illegible] है — क्योंकि — [illegible] में [illegible] हुए हैं —

[illegible] — [illegible] — [illegible] — [illegible] — क्योंकि [illegible] है —

File / Secretary 24/5/45. Receipt.

F. 63

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

D. Tapmo Tehnilwar

G. E. L. Church

Reporter

23-5-1945

F. 63

Koronjo
6-3.1945

Toppo Tohnilovar.

नमस्कार
सेक्रेटरी साहेब आप को मेरा चोयुसलाम
हम चाहते हैं आप सभों का ~~कुशल~~ -कुशल
मंगल चाहिये। आगे हम कोरोंजो का डिमरकेशन
राम के लिये हैं। आगे आप के निकट रिपोर्ट
लिखते हैं कि मौजा खुटीटोली थाना सिमडेगा है
नम्बरी ७८ खाता नम्बर ७४ गैर मजरूआ मालिक-
खाता प्लाट नम्बर ६२२ में बैर लकड़ी को ताह मालिक
दर्ज हुआ और उस बैर गाछ को ता. १०-३-४५ ई.
रो काट लिये हैं। जिस का मोटाई ३ फुट ३ इंच हैं।
काटने वालों का नाम ये हैं।

(१) बिरसा वल्द गुहेल
(२) प्रेम केरकेटा वल्द —
हरदुगान उरुरु मंगल
जाति खड़िया खरर-तान
सा. खुटीटोली थाना कुम्हार
टोली ने मार दिये हैं। इसका
हम और Rev. Dharamdas
Kujur aur Head master
Saban Topno. ने कारन
कानों से मुलाहिजा नहीं हुआ
व सिमडेगा के गांव व
रेजदार नालिश रन का और
[illegible] लाश [illegible]
जारी है नालिश हो जाना चाहिये

20 MAR 45
8 30 A.M.

POST CARD

9 PS 9 PS

INDIA POSTAGE

ADDRESS ONLY

To

The C. C. Secretary
G. E. L. Church.
Gungutoli
Ranchi

जी- ई०-एल- कलिसिया के खेतों का बन्दोबस्त १९४९

(Land settlement of G. E. L. church के फैसले)

कौन्सिल के अफ़सरों का निर्णय ता. ५-२-४९ और प्रेसिडेन्ट की आज्ञा ता. १२-२-४९ के अनुसार हम दोनों C. C. Treasurer और प्रोपर्टी बोर्ड के तहसिलदार (बाबू D. Topno इस माह में गये—

I गुमला न का खेत- ता. १४-१५ फरवरी—

हम लोगों ने बहलदम चट्टी और चेटेर के खेतों को गुमला चेयरमैन पादरी मधान लकड़ा और खजान्ची और सन्केवारों के साथ देखा—

A बहलदम चट्टी के जमीन को खूस्तोपाल लकड़ा वाल दोहार और सन्तोष लकड़ा के साथ बेतर दोहार साथ चन्डाली के साथ ५ बरस के लिये अर्थात २००२ से सम्वत २००६ के लिये आवश्यक पर बन्दोबस्त किया। जिस का कबुलियत रिपोर्ट के साथ पेश किया जाता है (सन्तोष लकड़ा का कबुलियत हेरा गया समझकर दूसरा लिया जायगा)

B बहलदम चट्टी में ये मुख्या बाते रिपोर्ट किए जाते हैं

१ चन्डाली के सिमाने में बहलदम चट्टी के दोन दोहार के बगल में एक टांड है जिस के दोन किनारे को एकरीमान- सिन्धु का आदू मरकुस अपने दोन में कितना सेट मिला लिया है और मिलाते जा रहा है उचित होगा कि जल्दी बन्द किया जाये—

२ पिपर टांड जिस का रकबा करीब २॥ एकड़ है कियारी दोन बनने के लायक है इस को हम लोगों ने

उपरोक्त दो आदमीयों के साथ ऐसा बन्दोबस्त किया है कि वे ५ बरस के अन्दर में कियारी दोन बना दें—

और उस का किनारी बनाने पर ३ बरस भोग करे पीछे माबवराइ देवे

३ बहुल बनचरी की बारी — यह करीब ८ एकड़ है जो बोन-बोहार के बगल में है और किनारी-बोन- बनने लायक ही इस को भी हम-लोगों ने उन दो महयों के साथ उपरोक्त सर्त पर बन्दोबस्त- किया- है —

A चेरेर का जमीन —

यहां के खेतों को निम्न जनों को ५ बरस के लिये दिया गया बीते बरस के बन्दोबस्त- के लगातार में करीब-२०० रु से २०७ रु के लिये
१ महिन्दर कुम्हार २ चन्द्र पुरती नासरी साहु ३ रिखलाल कुम्हार

B चेरेर में मुख्य बात ध्यान देने योग्य बात —

हाता के बड़े बंगले के किनारे एक टांड है जिस का किनारी को एक भाई अपने खेत में मिला लिया है कई सेठ उचित हो। को- इन कारोबार से बन्द किया जाय —

२ यहां- में एक आम बगीचा है जिसके गाछों को मिसनारियों ने खरीदा | जमीन छोड़ के- इस आम बगीचा में कई बड़े २ आम गाछ है जिन को वहां के रयाणिये- किरायादार दखल कर लिया है | एक बड़ा आमगाछ गिरा था जिस को — पादरी दखल- नहीं कर सका — उचित है कि जल्दी- से खतियान- देखकर यह आम बगीचा दखल- किया जाय जिस से इन आम- गाछों से कलिसिया को फायदा हो (मालूम नहीं है को- किसी समय में भूतपूर्व गुमला चेयरमैनों ने वोट को रिजेक्ट किया)

II खुंटी टोली का खेत ता० १६ सेप्टेम्बर रविवार को

हम लोगों ने इलाका चेयरमैन पादरी मनसिद्ध टोपनो और मण्डली- पंचों के कई मेम्बरान और समाचारों के साथ - खेतों को- देखा। —

A

(ग) यहां के खेत को हम लोगों ने एक बरस के मियाद पर
निम्न साझादारों को दिया—
१ पाद्री मनसिद्ध तोपनो २ स्कूल के लिये चेयरमैन मनसिद्ध
तोपनो— के नाम पर ३ श्यामधाम खलखो ४ मरकस होरो
५ याकुब सुरिन— ६ अंथरियास हेम्ब्रम— ७ अबुल हेम्ब्रम—
८ जयमसीह टेटे हो ९ रुस्तम पाल केरकेटा १० मारकस
बिलुंग ११ ईश्वरदत्त सुरिन— १२ निकुदिम सुरिन १३ मगी
निकुधाम सुरिन— १४ पौलुस हेमरोम. १५ अलफ्रेद किसपोट्टा
१६ एगना लुस लकड़ा १७ पाद्री धर्मदास कुजूर १८ जुएल होरो
१९ जोहन जालारमा २० अबलान हेमरोम २१ थेयोफिल सुरिन—
२२ प्रेमचन्द तोपनो २३ मिरीआ पेचारी-सोरेंग २४-२५ जोरो
जुसउ सुरिन— (जोरो जुसउ से कबुलियत कोई कारण से लिया न जा
नहीं सके— सुसमय पर उससे लिखवाया जायगा।)

B

(घ) विशेष ध्यान देने योग बातें
१ रखवांत जंगल प्लौट नम्बर ४५६ ।——
इस रखवांत जंगल के भीतर के जमीन को रैयत लोग जोतते हैं
ये बन्द किये जावें——
२ खाता नम्बर ६३ प्लौट नम्बर ४८५ रकबा ८८ डिसमील प्रकियारी—
औवल नम्बर १ दरजे का है।— यह नम्बर जुएल होरो के
दखल कई बरसों से है मालगुजारी यह आज तक कुछ
नहीं दिया है यह जमीन मालिक के नोकसान के काम के
लिये सेटलमेंट में दर्ज हुआ है। किसी समय इस जान ने
और हिस्सेदारों से मिल के प्रेस्टन साहेब को कुछ रुपैया
दिया है रसीद उन के पास है—— जरूर है कि उस को
हुकुम दिया जाय कि वह अपना बन्दोबस्त कागज —
दाखिल करे जिससे देखा जाय कि उसने कानूनी बन्दोबस्त
पाया है कि नहीं——

२ यदि कानूनी बन्दोबस्त उस को मिला है तो उस जमीन— का मालगुजारी— कायम कर दिया जावे

३ अहरा बांध १९४४ ईस्वी में हुआ के पश्चिम खबांव जंगल के बीच में एक नाला सरकार तरफ से बांधा गया उस का पानी— पश्चिम तरफ के हम लोगों के एक बड़े टांड़ में उतरता है खाता नम्बर ३ प्लाट नम्बर ४१ रकबा दस एकड़ २४ डी० है समुचा टांड़ उसका कियारी धान बनने के लायक है इस में अब तक— कोई काम नहीं हुआ है।— कारण है कि यह टांड़ कियारी— धान बनाया जावे। कलिसा को बहुत ऊँचा होगा सरकारी— आफिसर लोग भी— इसी मतलब से— यह अहरा बांध बधे हैं

४ बुन्डुल बांध —: इस बांध में खेती होती है पर इस का पैन— बे मरामत— है जिसके कारण पूरा पानी बांध में नहीं रहता है और खेती— पैदाइस बहुत कम है बीते बरस के बन्दोबस्ती— अनुसार इस साल भी— कारण है कि— पैन बांधा जाय— और आर भी— मोटा किया जाय—। क्योंकि— बहुत दिन— होने से पानी— से खोवा गया है पैन पक्का ईट यह पथल से चुना अथवा सिमेंट से बंधा जाय— ऐसा की— उचित पानी— भर रहे। बाकी— पानी चला जाय — इस का खर्चा प्राय २००) रुपैया होगा—

५ नया बांध १९४४-१९४५ में सरकार तरफ से यह बांध बांधा जा रहा है थोड़ा तैयार नहीं हुआ है सरकार ने इस बांध में २८६) रुपैया दिया है और C. C. ने २२५) रुपैया दिया है अन्दाज— २००) रुपैया और लगेगा जिस में आर पुरी ऊंचाइ में तैयार होगा और पैन पक्का होगा। चुना और सिमेंट के साथ— पैन का— पक्का करना बहुत कुछ हो— चुका है।— कारण है कि यह रुपैया खुदी रोलो इलाका तैयार मैन को सुसमय में दिया जावें कि बरसात के आगे काम खतम हो— नहीं तो सब काम खराब हो जायगा —

६ इन्क्रोचमेंट (encroachments) —:

हत्ता के चारों ओर कितने बोन- होहर हैं- जिन को रैयत
हत्ता के किनारे के मैदानों को अपने खेतों में मिला लिये हैं
सरकारी ओर्डर कानून- के साथ- प्रेसिडेन्ट के हुकुम से मैं- ने (D'kapn)
नापा और यह पाया गया की- कोई २ रैयत अनधिकार- कहीं
२-४-५ डिशमिल अपना खेत में मिला लिया है —
आरज है- की- शुसमय में उचित कारवाई किया जावे

७ चीफ कौनसिल के जोतों में इस्काः खेत १९६४ साल के
लिये कौनसिल ने अपने निज- खर्चा से खेती किया था—
उसका पैदाइस- अच्छा ही हुआ है— इस बन्दोबस्ती में
हम लोगों ने उठा लिया— क्योंकि- निज का- हर बैल डांगर
मुतौ नहीं होने से काम चलाना अति कठिन है।—

८ प्लाट नम्बर ५६६८ बोन जमीन- e.e का है इसका ३ डिश०
को केवरा मुण्डा ने अपने खेत प्लाट नम्बर ५६६ में मिला लिया है
इसका रिपोर्ट कई बार हो चुका है।— आरज है- की- इसपर
सुसमय में कारवाई किया जाय—

९ दिसम्बर १९६४ को खुदियेरली और डोसरा के टाडों के केन्द्र
पत्ता का बन्दोबस्त (५१—९८) रुपैया सलाना के दर से सिमडेगा
के लोबारका बाबू सड़कारी व नन्दाइकालाल अगरवाला के
साथ बिक्री के लिये १० बरस के वास्ते किया गया है।—
१९६४ ई० के लिये उसने ९८) रुपैया इलाका चेयरमेन के
हाथ में रुपैया दाखिल- किया है—

१० पुराने जंगल चौकिदार प्रेम चन्द नायक ने तलब कम होने
के कारसा से काम छोड़ दिया है। दिसम्बर को ईश्वरदत्त
सुरिन- नया जंगल चौकीदार को मो० ३) रु से बहाल किया
गया है

११ रखवात जंगल — हत्ता के आस पास के रखवात जंगल से
बहुत से साल गाछ पाक गये हैं और कितने काटे गये
ऐसा- की- इन पाके हुए गाछों के काटे जाने पर रखवात
जंगल प्राय उजाड़ होगा हम लोगों का विचार है अच्छा होगा

को नया साल जंगल बनाने का कोशिश किया जाय—

III कोरोंजो इलाका का खेत—

हम लोगों ने इलाका चेयारमैन फागु कुजूर कोनेगाड़ा और मुन्डारी पंचों और साझादारों के साथ खेतों को देखा— C.C. के फैसला अनुसार यहां के खेतों को स्कूल मास्टरों को सिर से लिया जाने का था | यदि कोई वे १९६४ साल की पैदाइश का आधा 1/4 को दखिल करते | उन्होंने नहीं लिया इसलिए साझेदारों को लिया गया—

निम्न साझेदारों को लिया गया—

A (क) गौना मजूरा वोन— फागु कुजूर कोनगाड़ा चेयरमैन को

(ख) लव वोन वोहार—:

१ पौलुस कुजूर सुलेमान कुजूर ३ मोहन बोदरा ४ सुलेमान मिंज ५ मथियस आइन्द ६ प्रेमचन्द लकड़ा ७ आनिरल लकड़ा ८ सन्तोष आइन्द ९ समुएल हेमरोम— १० रघुनाथ मारा लकड़ा ११ आनन्द मसीह लकड़ा १२ मसीह दास डांग

(ग) बोना डोह वोन—

१ आनिरल टोप्पो— २ इलियास टोप्पो— ३ पौलुस सोरेंग ४ अनिरुद्ध टोप्पो— ५ मसीह दास किड़ो डुंगडुंग ६ प्रताप डुंगडुंग ७ अब मसीह डुंगडुंग ८ मनमसीह केरकेट्टा ९ जुएल डुंगडुंग

(घ) हवा का कोरोंजो बजार—:

कोरोंजो इलाका को ३ बरस के लिये मो. १३५/ एकसाथ पैतिस रुपैया सलियाना परन्तु १९६५ से १९६७ ई. के लिये लिया गया—

B मुख्य रूप से ध्यान देने जोग्य—

१ यहां के साझेदारों ने कौनसिल के फैसला के अनुसार ५ बरस की बन्दोबस्ती में रजिस्टरी करने का बात उन्होंने किया यह बोल के की हमारे देश का यह दस्तूर नहीं है की लकड़ा वो माल को किनारे का आधा बराबर देवे— हम लोगों को मालूम हो—

कोरोंगो - इलाका के ना [illegible] हिसाब किताब १९४४

नम्बर	नाम साझादारों का	जमा	[illegible]	C.C. को	साझादारों को	कैफियत
१	Rev. Luther Kongari	२४.१५) २५४	२,१५) २५४	६.२५	६.२५	नाम, डाली-बोरा [illegible], ५४-
२	Boas Kullu	१६,३५/	४/	६.४५	६-४५	
३	J. Billung D. " P. Dungdung	१६,७५	८/	४-२५	४-२५	I डाली का [illegible] १२६ पैसा
४	Jusaph Topno	६ १/२ ४५४	३ १/२	१ १/२ २५४	१ १/२ २५४	II बोरा 20 पैसा
५	Chhiristo chit	६,३५	३५	३ १/४	३ १/४	III ५४ १० पैसा
६	Amus Topno Patras Topno	२६ १/२	८ १/२	८/	८/	Assitent manager N. Toppo [illegible]
७	Johan Dhan	१६ १/२	५ १/२	६/	६/	[illegible]
८	Patras Dungdung Headmaster	१६.१. ३५४	५/	५-४ ५४	५-४ ५४	
		१२६ १/२	३२ १/२	४५ १५	४५ १५४	Rev. L. Kongari 15.12.45

९	Rev. Luther Kongari	९ – ६	
२	Boas Kullu	२ – ०	
३	J. Billung. J. " O. Aungdung.	४ – ०	
४	Joseph Toppo.	९ – २०	
५	Chamoto chat	९ – ०	
६	Amus Toppo Patras Toppo.	४ – २०	
७	Johan Dham.	२ – २०	
८	Patras Dungdung.	२ – २०	
		९६ – २९	D. Toppo

तो दिया है और उनको करने का खर्च यहां साझेदारों को देना नहीं है। — उन्हों ने कहा — कि — कौन सील हो रजिस्टरी का खर्चा देवे —

२ १९६४ का पैदाइश का बाकी ½ आधा बटाई —
सरकारों ने करार तो किया कि — हम लोग आने वाले साल को पैदाइश से देंगे (यानी दुख [illegible] जोतगाड़ी येना [illegible] के पैदाइश हो से — दे दिया)
कारण — है कि ½ आधा बटाई अदूल आने को करार [illegible] जाय — जो पौना उनसे — है उसका लिस्ट नहीं — किया जाता है —

३ हता में रांड बाड़ी — वगैरह २६६७ रु० है इतना रांड — जमीन — कई मुद्दत से हता के सरदार लोग मुफ्त भोग करते आये इस साल हम लोगों ने किसी को मुफ्त में नहीं दिया इतना रांड़ बन्दोबस्ती में कोई खड़ी नहीं हुए। इस कारण हम लोगों ने इलाका येना [illegible] के जरिये बन्दोबस्ती के लिये छोड़ दिये —

४ जमरिया खड़िया —
इस जन ने ५२८२ नाप रांड का खेत — बनाया और किसानों से भोग कर रहा — है कोई बटवारा नहीं देता है इस जन को हम लोगों ने — बुलाया था और छोड़ देने को कहा तो उसने कहा कि — हमारा खतियान सेटलमेंट में नाम हुआ है इस को कहा गया कि खतियान बदल करे या उसको छोड़े रोज — भी नहीं बदल किया — कारण है कि कानूनी कार्रवाई उस पर किया जाय —

५ बोआगाड़ी के बांध पैन —
बोआगाड़ी में एक बांध — है जिसके पैन का पानी बहां पो — जोते के खेत दोहा में चलाया जा सकता है और बहुत — उपजाऊ खेत बनेगा — । इस लिये साझेदारों — को जनता पूर्वक जारी आरजी है — कि इस बांध का एक पुख्ता दोहा में पानी चलाया जाये इस [illegible] २००/२५० खर्चा होगा — साझेदार लोग भी अपना सवांग देवे —

और गांव के वे ईसाई भी — जो इस हमारे खेतों के नीचे काम करते हैं जिनका खेतों में पानी जायगा हम लोगों को भी यही आशा है कि — मुआवजा में उन को २००) रुपैया जमीन का दिया जावे —

६ हत्या में डलियस आइन्द पंडित का भाग —:
इसने मिशन नौकरी छोड़ दी — पर भागो नहीं छोड़ता है बीते बरस और बन्दोबस्ती के समय में C.C. सेक्रेटरी ने छोड़ने को आज्ञा दी पर नहीं छोड़ा — इस बार और हम लोगों ने बोला था और छोड़ने को कहा पर उसने नहीं छोड़ा — कारण है कि मतलब इस घर से कसीदार के साथ निकाला जावे —

७ जुनास बाखो जिन फेल सेकेन्ड मास्टर —
बाबू जुनास बाखो कोरेया स्कूल में रहते समय १९३६ ईस्वी में हत्या के निकट पुकारी आंगन पर मिशन बांध के नीचे वाली नाला को ३० एकड़ आदि बहर के बन्दोबस्ती में मिलाकर नया निश्चल मालिक के साथ — कुछ सलाहें किया है और बिलायत — ता० २० Diapmo देवाय २०) रु० लिया है पर वेतन वाली दरखास्त है — मालूम मिलता। कारण है कि इस मास्टर को अलग किया जाय और वह आसानी पर और पेन का हिसाब देखने को पक्का बन्दोबस्त ले लेवे —

८ सुलेमान मोंगरा —
यह एक सहायक भाई है। जो हत्या के किनारे के मिशन बांध (देखो नम्बर 6) के उन्हीं जगह के नाला को बन्दोबस्त करते रहता है इसका में अन्दाज़ — ९५२; है और उसने १००) रुपैया सलामी देने का उसी मंजूर किया है। कारण है कि उतना रुपैया में उस को उसका हक दिया जावे।

IV मिशन खेत २३-२४-२५ तारीख —
हम लोगों ने — मिशन पोरलक के बाद सदस्य हम लोग — और सब पंचों के साथ — खेतों को देखा — इस रीति से वहां का — बन्दोबस्त हुआ —

A
(अ) मझिआस टोला बोन —
यहां का जमीन — मिशन जनों को मिला गया है ... के लिये —

१ पाउ- समुएल हेमरोम- रघुनाथ- पतरस तोपनो- इसरकस मुंडा और मारटिन मुंडा-

(ख) देव बांध और महुआ चौवरा और मिश्र बड़ा बांध पैनवारी- स्कूल को दिया गया-। नोट——:

B

(१) गांव वालों ने मोकाम देना न चाहा इस कारण से किसीने भी खेत का बन्दोबस्ती नहीं लिया-

(२) बड़ा बांध के पैनवारी- नाला को मुहाना को बांध बांधना दरकार है जो कितना बरसों से टूटा हुआ है इसमें अन्दाज- २०० रुपैया खर्च होगा सिफारिश है कि उसके लिये- २०० दो सौ रुपैया मंजूर किया जावे और १९६६ इसमें बांधा जाय-

V गोविन्दपुर इलाके का खेत उसमें [illegible]

हम लोगों ने इलाका चेयरमैन पाण्डुलुकस तोपनो- और मण्डली- पंचों के साथ- खेतों को देखा——

इस रीति से बन्दोबस्ती हुआ ५ बरस के लिये-

A

(क) नदी किनारे का देवर बांध और दोन रकबा ३ एकड़ २५ डी० यह खेत कई बरसों से बांध के पैन के गड़हा हो जाने से- खेती के लायक नहीं था- इस साल हम लोगों ने ४ मोसादुइयों के साथ- इस खेत का बन्दोबस्त किया-। इस शर्त पर की- वे पैन और आर आदि मरम्मत करेंगे- और खेती करेंगे—— पहिला बरस का पैदाइश उन्हीं के पूरा भोग में होगा इसके बाद पैदाइस का- $\frac{2}{3}$ बाकी- ३ बरस का पैदाइस बहिसा बराबर होगा-

(ख) गुसा टोली मसिहदास और मुरहारी—— बीते बरस जैसा प्रेसिडेन्ट ने बन्दोबस्त किया वैसा ही रह गया

(ग) आर सोखता दोन- रकबा १०५ एकड़ ७९ डी० को- ५ बरस लिये- ५५ आर चान पर ५ जनों को दिया गया- जिनके नाम ये हैं १ सीता मुण्डा २ मुंगलु उरांव- ३ भोलु उरांव- ४ लोदेया उरांव- ५ बन्धा उरांव.——

(घ) मुसहर का खेत—— जुनस मुण्डा को यह खेत दिया गया- बीते बरस के- ऐसा। यह खेत उसके नाम से आबादवारा परचा हुआ है ——

(ड.) निलाम का खेत ——

(क) यहां के खेतों में से — किसान खेत — इन लोगों के नाम में आबाद पड़ा हुआ है —

१ खाता ८५ मनसिंह मुण्डा वल्द मंगरा मुण्डा कौम मुण्डा साकिन रकबा — ५ एकड़ ६० डिसमिल — आबादी — आबाद में खेत — खेतो खटना किसान रैयत देता है। भोलाल मुसा डाडी रैयत को मालिक — निशान निकाल कर लेता है — । आमीन खाता ५१) आना — रैयत किया है। —

२ - खाता ८६ — होड़ु मुण्डा को समुएल मुण्डा को — मोहन मुण्डा को मंगल मुण्डा पेशराम मंगरा कौम मुण्डा साकिन — आबादी — आबाद वराह मय खेत — | रकबा ६ एकड़ १ डिसमिल — आमीन (बिना ६ा) आना रैयत किया — है। —

३ खाता — ८३ — मोहन मुण्डा वल्द मंगरा मुण्डा — कौम मुण्डा साकिन — | आबादी — आबाद वराह मय खेत | रकबा — ६२ डि० आमीन (बिना १) रुपैया रैयत किया है। —

४ खाता — ८७ — जुसउ मुण्डा वल्द तिकुन मुण्डा कौम मुण्डा साकिन नौकराना — वेतनमान —— रकबा १ एकड़ २५ डि० खाता III नम्बर

ड. (१) निलामी का खेत जो — किस के नाम पर पड़ा हुआ है सो ये हैं और इन लोगों को — आबाद में बन्दोबस्त हुआ है। ——

(१) सनिका मुण्डा ३ किआरी —(२) मैशा मुण्डा ८ कियारी —(३) मोहन आइन्द — ६ किआरी —(४) समुएल · मंगल · हरदुगान १ किआरी —
(५) मनसिंह आइन्द ६ किआरी —(६) हरदुगान मुण्डा ८ कियारी —
(७) मनसिंह मुण्डा ६ किआरी —(८) मोहन आइन्द २ किआरी —
(९) पवराल मुण्डा २ किआरी —(१०) समुएल मुण्डा २ किआरी —
(११) मैशा मुण्डा ९ किआरी —(१२) समुएल मुण्डा ३ किआरी —
(१३) मंसुरब मुण्डा ७ किआरी —(१४) मोहन वल्द वाडो २ किआरी —
(१५) मैशा मुण्डा ३ किआरी —(१६) सन्तोष मुण्डा २ किआरी —(१७) समुएल मंगल हरदुगान — ३ किआरी —(१८) मतियाल खेतवना रहा है
(१९) मंगल मुण्डा ६ किआरी —(२०) समुएल मुण्डा १ किआरी —

(२१) सन्तोष मुण्डा ६ किस्तदारी — (२२) अभिरदास मुण्डा २ किस्तदारी —
(२३) मानसिंह मुण्डा ११ किस्तदारी — (२४) मनसुख मुण्डा ६ किस्तदारी —
(२५) लोधरा मुण्डा — ६ किस्तदारी —

ग — सिमगाड़ा —

सिमगाड़ा का रवेत — राज के नाम पर परती पड़ा हुआ है
५ जनों को आबादी पर बन्दोबस्त हुआ है —
१ गुड़ुआ मुण्डा २ बाड़ो मुण्डा ३ चम्बार मुण्डा ४ बेरा मुण्डा
५ राम मुण्डा —

B ध्यान देने जोग्य बातें। —

१ जिन रैयतों के नाम पर आबादी का पट्टा हुआ है उनके ऊपर कानूनी — बन्दोबस्त जल्दी सुसमय में किया जावे क्योंकि — बन्दोबस्त का समय कानून के मोताबिक — बीत जायगा और सब दिन के वास्ते नुकसान होगा — देखिये A का ब. ड.
२ कितने मालेकार अनुचित तरीके से इनकार करते — जो अभी जिनके नाम पर पट्टा किया हुआ रैयतों को जोतते हैं — ऐसा हो के जो — इनकार करते हैं जिन को — नाम पर आबादी पट्टा हुआ है —
आरज है कि कोई तरह का उचित बन्दोबस्त उन पर की जावे —
३ (a) सारोली के मुंडारी जमीन का मालगुजारी मुंडारदारों से ठाकुर को दिया जाता है। इस साल में आगे — बरसों में राज ठाकुर को दिया जाता था — मालूम होता है कि वे अपने — मुंडारी जमीन का दखल करने मांगते हैं। आरज है कि — कागजात पत्र देखा जाय — कि किस तरह रवेवट खतियान बना हुआ है याद रहे कि सब कागजात — पुरुलिया कोर्ट आफिस में हैं। —

L. Jojowar
Treasurer.

D. Tapno Tahsildar
7-5-1945 —

F. 63

9
8-12-44

To

The C. C. Secretary
G. E. L. Church Ranchi

नमस्कार महाशय—

आपसे मेरी अरजी है कि कृपा कर के मेरे घर भाड़ा माफ कर दिया जाय— काहे कि हमारे घर में मुण्डा आदमियों का आना बहुत रहता है— हम दूसरा आदमियों से तकलीफ रहते हैं— इस लिये हम घरवाला का अपेक्षा है कि कृपा कर के जो हमारे नाम से महिनवारी १) एक रुपैया घर भाड़ा लिया जाता है— उसे माफ कर दिया जाय— अभी हमारे जिम्मा में ६) रुपैया बेन बाकी पड़ा है—

आशा आप लोगों का

विश्वासपात्र—

Seen (sgd)
K.J.
27.11.44

Daniel Topno.
Tahilwar
Ranchi

27. 11. 1944.

F. 63

To.
The C. C. Treasurer G. E. L. Church
Ranchi
11-4-1944

[illegible]-

[illegible] P. N. C. Topno
[illegible] N. 504
Treasurer [illegible]
[illegible]

[illegible] 1942 [illegible] 12/
1943 [illegible] 24/
1944 [illegible] 6/
42/

[illegible] 1942 [illegible] 8 4/
1943 12/ 6/
1944 3 11/
11/
2॥/
14/

[illegible] 2॥/

D. Topno.
11-4-1944

Tour Dairy D. Topno Tahsildar November 1944—

23-11-44—रांची से खूंटी—गया—था—एक बजे सांझ को पहुंचा—

24-11-44—खूंटी में रहकर [illegible] लड़कों के [illegible] का रजस्टर [illegible] संवत—२०००, २००१ का मालगुजारी देखा और [illegible] सरकारी [illegible] पर हमारे पास रसीद [illegible] [illegible] [illegible] है [illegible]

२[illegible]-11-44—रांची से गोविन्दपुर गया—सांझ को पहुंचा—

28-11-44—गोविन्दपुर में रहकर [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] साल [illegible] [illegible]

29-11-44—गोविन्दपुर से [illegible] गया था—[illegible]

30-11-44—गोविन्दपुर में रहकर [illegible] [illegible] संवत—२००१ का मालगुजारी [illegible] [illegible] संवत—२००१ का [illegible] और [illegible] रांची में [illegible] [illegible] महाराजा [illegible] मालगुजारी [illegible] [illegible] [illegible]

D. Topno
7.12.44.

विशेष रिपोर्ट—

(१) गोबिन्दपुर इलाका में धान— इस साल ठीक रकबा में हुई—
नया कटवाने का काम होगा—
गुड़गुड़— निकियाया गाड़ाराया— और कारखेलवा—

(२) कारोंजो— बाजार पर्टीकुल ईसवी— से— दूर बनवाने का
मेराप्रद स्थान है—

(३) भैया का देह बांध— और डाहू चौबरा लगाना अच्छा है
उसके लिये में रखना है।—

(४) हमों का कारोबार स्थान का हरेक माल आते हैं उनको
कमिशन— सैकड़े— स्थान लिया जायेगा और स्थानीय से
समान— रुपैया— लिया जायेगा। इतना साथ ही हम स्थान
बिक्री से समान— कोई भी कोकोला— मिला को रुपैया—
देते चाल जाने हैं। पर अब— हम— स्थान— और
कैसा कमिशनदेने होगा— इनको इस कानून वाला मिलना
चाहिये—

५ भैया बांध पेदारी को— भैयारस्कूल के— हेडमास्टर
Rev. Samuel Hemrom स्कूल के नाम— से मांगता है—
वो मुहल्ला तक— बोलता है— जो लड़को को— उपयोगी काम का
ज्ञान— सिखायेंगे—

६ गोबिन्दपुर में नदी किनारे— कारखाना— कई बरसों से पड़ी
पड़ा है— वहां से— बालू— रैयत— नहीं— निकलते हैं—
कोई उपाय— किया जाना—

D. Topno
7-12-55

F. 63

Khuti-toli.
8.12.44

सेक्रेटरी महाशय — आपका पत्र —
धन्यवाद — हम अपना नोवेम्बर
महीना का T. A बिल और रिपोर्ट
भेजता हूं। हर रिपोर्ट को आप अपना
रजिस्टर में T. A बिल पास करा कर रिपोर्ट
और T. A बिल मिशन पत्ता के पास
पूरा लिखा भेज दीजियेगा
स्कूल खोलने में बाधा ~~रुप~~ 100) रुपैया का
नहीं जोड़ा गया है यह मिशन चाहता
है — हम को रहना बहुत ही दरकार है
खर्चा बढ़ाने का चोरा में जोड़ना होगा
Rev. M. Topno. को डांगी खाईहार
बहुत इज्जतदार और होशियार — उनका
इरादा आदिवासियों आगे बढ़ने का
इच्छा ही रहेगा सो जानियेगा

D. Topno
Tahsildar

[illegible]

F. 63

३८

महामान्यवर

गोसेवा कार्य की मिल के निकट

- मुख्य आश्रम-दास देवशरण लोहार का आवेदन पत्र -

आप निवेदन है कि ता. ३-८-१९४४

होने से जब से आप मिस्टर नायडू जी ने विशेष कर के मिस्टर गांधी के मिस्टर खेतों को अपने निज अधिकार में रख और अपने तरफ से खेती करने का विचार कर चुके हैं और ऐसा ही हो रहा है। फिर जंगलों को साफ करना और अन्य २ कामों का भार है। विशेष कर के खेती, और खेतों को देखने का काम मेरे जिम्मा कर दिया जा रहा है इससे मेरे लिये कुछ अधिक काम बढ़ गया है जो अधिक समय भी मुझको लगेगा। फिर महाराज आजकल का समय भी है — सो हुजूर से मेरी प्रार्थना निवेदन है कि मुझ आश्रम, और गरीब दास को आप कुछ और थोड़ा कृपा की दृष्टि होवे कि जिससे मैं और अधिक बल पाऊं और यथा शक्ति काम कर सकूं — सो मेरी आशा है कि आप अपने दास को महावारी १५) रुपया देने की कृपा करेंगे —

फक्त.

आपका कृपाकांक्षी

देवशरण

द: मुख्य आश्रम-दास

२१.८.४४

[illegible] ता. २८-७-१९४४

[illegible]

R.W. L. [illegible]
Vice Chairman
2/1/[illegible]

Koronjo F 63

श्री मान सेक्रेटेरी 21-7-1944

महासाय, आप को मेरा चोयूसहाय
हम आज काल कुशल मंगल मैयाव
आप सभों का कुशल मंगल का
खबर नहीं जानते हैं. आगे आप को
जनाते हैं कि. खुंटीरेंजी के लिये
जंगल चौकियदार प्रेमआनन्द तोपनो
को ता. 12-7-44 ई. से बहाल किये
हैं. हम और पाद्री M. Topono.
और पाद्री D. Soreng के साथ—
रहके आप को जनाते हैं.
दुसरी बात भी कोरोंजो में आये हैं
इलियास. ~~हम~~ आदि घर और खड़
का नहीं छोड़ता है. आदमियों के पास
[illegible] है को खड़ और घर हमारा
12 बरस से जेयादा का दखल है.
हम को कौन निकालेगा- हम तो
रैयत हो गये हैं शरेरके लिये हम

लोगों को अपील करता हूँ
होना जरूरी है सबसुबे
से घर नहीं छोड़ेगी
तीसरी बात — कि — बाद आयस
तापनो का घर नहीं मिलता है
उस को घर और बाड़ी मिलनी
वाजिब है। जोना लक पतरास
मास्टर के घर मे रहता है।
उस को आरजू है कि हम को
भी घर और बाड़ी मिले
कारोंजो के मास्टरों का कहना है
कि C. C. कलीसिया आइन्दा को
घर और ... से किराये
आगे ... D. Topno

POST CARD

KARANJO

BUY NATIONAL SAVINGS CERTIFICATES

DELIVERY ADDRESS ONLY

24 JLY 44
5 - PM.
RANCHI

The C. C. Secretary
G. E. L. Church
Ranchi
Dist Ranchi

Khuti-toli
25/8/1944

श्रीमान् महाशय—

आपको मेरा यीशु सहाय—

[illegible] आदेश है आप लोगों का

[illegible] — आगे

आपको याद होगी है कि हम

[illegible] अपने [illegible] दूसरी

[illegible] आया है और अपना

[illegible] बाहर जाते

जाते हैं। हम [illegible]

मुझे [illegible] पहुंचेगी

आपका प्रेम [illegible]

D. Topno. Tahildar

POST CARD

BUY NATIONAL SAVINGS CERTIFICATES

DELIVERY 28 AUG 44 3 - P.M. RANCHI

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE 9 PS

To. The Secretary

C. C. Ranchi

G. E. L. church

~~Ranchi~~ P. O

F.63

Khutitoly
29-7.1944

मन्यावर महासाय

सेक्रेटरी साहेब आपको पेरा प्रानुसलम—

हम कुशल मंगल से हैं। आप सभों का कुशल मंगल सदा चाहते हैं। आगे मैं कोरांजा से खुदाई टोला और आये हैं। मैं रोपा के वास्ते हर खोजरहे हैं। २ रोज तो रुको हर नहि खोजने सके आज काल सब कोई अपना रोपा इत्यादी में लगे हुए हैं। सब से कठिन हर खोजना। चारो मसकील लग रहा है!! सब से अन्दर हर के उपर में है। बोहा तैयार हो रहा है तब और चौकीदार सिर्फ हर खोजने के फिक्र में रहेंगे

(२) अहरा बांध का पैन ता. २२-६-४४ ई को निकला है। बांध कमजोर ही दिखाई पड़ता है। पानी के समय बताकर हम देखने आते हैं — बाद ओहार लो। आप तक काम कर रहे हैं पर रुपैया सेनसन वाला खबर नहीं पर है अहरा बहुत लम्बा है।

(३) रीपोर्टमेजते हैं। T.A बिल को तैयार हो के Panna के औसत पास पास कर जल्दी रिपोर्ट के साथ भेज दिया भेजियेगा जिससे T.A वाला रुपैया हमार पास भेज सके रुपैया आने से खींचा खा रहे हैं जन को देने सके—

४ हम जो पहले रिपोर्ट किये हैं कि अगर बांध से २०००० एकड़ पड़ जमीन दोन बनेगा तो उसके लिये भी तो रुपैया का दरकार है जमीन बनाने-भादो कुआर महीना से शुरू कर दिया जावे। अब इस साल का बांध पैन से पानी निकालने का प्रयास पड़ में जाता है तो पानी से कुछ आमदनी नहीं है जमीन बनाने के बारे रघुबीर सिंह आप लोग आदिवासी लोग सब कोई आने से ठीक होगा

५ अब हम को इंचार्ज रहना कष्टदायक लग रहा है

६ हम जयपाल साहेब के पास कुछ रुपैया M.O. भेजने चाहते हैं और उस रुपैया से नई मौजा मालगुजारी इन्कम इस्टेट में देना होगा। इंचार्ज तहसीलदार लोग नहीं हैं सब रांची में हैं

७ सिमडेगा S.D.O. अपना सर्किल का तमाम मौजा का चौकीदारी टैक्स माफ कर दिया है। जिसके लिये आप लोगों को धन्यवाद देना जरूरी है।

८ हमारे घर वाले अब तक हमारे पास एको चिट्ठी नहीं भेजे हैं।
इतना लिख कर अन्त करता हूं

D. Toppo
Tahsildar

हम आप के पास अरजी करता हूं कि आप M. E. School.
के हेडमास्टर बाबू Saban Toppo. को लिखिये कि
बोर्डिंग के लड़के लड़कियों को रांची में ३ रोज C. C. के
गोलेतार खेती रोपा करने में सहायता करें।
पादरी M. Toppo. ता. १९-६-४४ ई. को कुडुख जा रहा है।
वह रोपा के रोप जाने के पीछे खुरियोली लौट आयेगा
खुरियोली के पादरी S. Sorang बिमार कमजोर हैं। दुबले हैं।
खुरियोली के प्रचारक बाबु बिमार हो कर घर चला गये आ-
और सुनते हैं कि बिमार और है।
अब रोपा के लिये सब बन्दोबस्त हम अकेला हैं।
आप को लिखते हैं। C. C. के खिलाफ खुरियोली के सब
से बड़कार आदमी लोग हैं। रांची जा कर आप को नाम
बतायेंगे। फिर भी आप को लिखते हैं कि खुरियोली
का तकलिफात — रोपा रोप कर लिखु देंगे। पहले तकलिफ
करेंगे। — खुरियोली सिमडेगा के नजदिक के हैं। मिशन के गांव
में रैयत लोग खुरियोली के आपस्थे नहीं हैं। मिशन के गांव
वाले तासिल में जाये के खर्चा खोड़ के ४५/ रुपैया कमआई
है। फिर भी चारोंजा वारशिल के जा रहे हैं। रुपैया
तो C. C को रोपा रोपने के लिये भेजना नहीं होगा।

फिर भी आप को याद आती है। की कोरोजो के
मालगुजार लोग – बहुत से खेतों को जोत करते हैं।
जो कि कोरोजो मालगुजार के घर से पश्चिम तरफ है।
वे लोग उन खेतों को आकुलियत – लिखे मालगुजार
एक २ जोड़ी रखे – और बाकी को साझा देवे –
थो आप खैरान – कोरोजो मालगुजारों को लिखिये –
हमारे कोरोजो मे रहने के समय – और
हमारे कोरोजो से लौट आने से आप का कागज
पहुंचेगा तो कोई काम नही होगा हम कोरोजो
में आप को चिट्ठी के आसरा – मे २५-६-४७ ई. तक
रहेंगे –

फिर भी आज काल – रघुरतोल का आहरा बांध
आज काल नहीं – कुछ लोग जोड़ रहे हैं। आहरा
बांध फूट गया था पर बन्धा गया है।
फिर भी लिखता हूं कि आहरा बांध का पानी
पैन निकाल के किसान का बड़ा खेत में
पानी निकालता है पर पानी – के फैदा होगा
इस साल – जानकर नहीं बतला सकता है – इसी
साल आहरा से कुछ फैदा नही हो सकता है
आगे कुशल saban Topam. को और

—कोरोजो मजूरो को जल्दी भिजइयेगा।—

मैं आप कौ जल्दी चिट्ठी पाने का आसरामें
रहेंगे — । फिर आज काल सिर्फ
थोड़ी पानी है और पानी नहीं है
गोलवार खेत उतार तरफ का आर बहुत
बिगड़ा हुआ है । और जोर से मरामत
करना होगा और फिर गोलवार के
उतार बड़ा कियारी में नदी का नाला छोर
कोड़ दिया है । उस को निकालना है
आप देखें नाला निकालने सकते हैं
अथवा नहीं — नाला कुदारी से निकालना
पर ठूठ मिलना कठिन है — खेती
के लिये — अपना हल बरध नहीं रखने में
भारी तकलीफ है — अपना हल बरध रखने से
खेती करने हारे अपना इच्छा मोताबिक खेती कर
सकता है — आगे प्रेम से —

D. Topno. Tehrilwar.
Khuntoli.

Khutitoli Thd.

मन्यावर सेक्रेटेरी साहेब 18-7-1944

आप को मेरी येशुसहाय — हम आदि है।

आप का चिट्ठी जिस को आप ने १२ जुलाई को लिखे थे उस को हम पाया और १८ जुलाई को कोरेजो जा रहे हैं। आप को मालूम होवे — की हम कोरेजो नहीं गाये हैं। कमडाह से २६ जुलाई को खुटीटोली लौट आये हैं। रुपैया वासिता का के-आप को देखिया जनाते हैं। कि बाड़ा १२ तारीख जुलाई को खोल गेया है। बाड़ा तैयार होने के लिये १ महीना समय लगता है। सो ८ अगस्त के पहले नहीं हो सकता है। —

फिर खुटीटोली में हर मिलना कवि कठिन है। आप के शुरिन गोसार वाले — जुसई शुरिन का ३ हर काड़ा बैल थे — रोग से मर गाये अब उस का एको हर नहीं है और अब तक रोग है। — गांव के फिर भी रैयत लोग ८-८ के बिस्कुट ची देखे कैसा खेती करेगा, आप को मालूम है की खुटीटोली के हर रैयत लोगों का सोकड़ों जमीन नहीं मिला है। उन लोगों का पत चेंठ है सो हर वा दाम गस्त हल का फी हर ॥) आना और गरा हल का ॥।) आना से अमला में मत देयो करते हैं। बाड़ा के रोज तो चावल दाल खरीद करा मालदिया गेआ था —

फिर भी आप को याद आवे है की पाड़ी मनसिद तिपनोका १०) दस रुपैया कोन दिया गेया था — वह रुपैया पाड़ी के । A बोल से रुपजनियो साहेब चार लिया है अपना बाड़ी से रखा। लिखियेगा — पाड़ी खुलासा नहीं बोल सकता है।

D. Topno.

F63. 18/7/44

Khuti Toli
8.7.1944

नमस्कार महाशय

सेक्रेटरी साहेब आप को मेरा [illegible]
हम आरहे हैं आप सभों का कुशल मंगल
चाहता हूं। आगे आप का भेजा हुआ
चिट्ठीयों का पावन और कुल समाचार मालुम
किये आगे आप को मालूम होवे इधर [illegible]
पड़ा [illegible] का धान [illegible] रुपया हुआ
और [illegible] धान [illegible] रुपैया [illegible]
[illegible] ट्रेनिंग [illegible]
[illegible] प्रेसिडेन्ट को
रुपैया दे दिये हैं आगे मैं M. Topno.
से [illegible] १२०/ रुपैया और
[illegible] ६०/ रुपैया दे कर आज
ता० ८-६-४४ ई० को मैं [illegible] जाता हूं
और [illegible] मैं १४- तारिख १६ जुलाई को [illegible]
लौटूंगा, मैं अपना रिपोर्ट [illegible]
हूं- एक आप का और १ [illegible]
का है और [illegible] A.
Bill भी भेजता हूं आप पास [illegible] साथ- रिपोर्ट

और T.A. बिल जो पन्ना के पास भेज दिये गए
जाकर आपके बिना पास किये हुए मुझे पन्ना से
पास भेजना नहीं बनता है।

दूसरी बात यो मेरा पांचवां लड़का [illegible] बेकार
मालूम हो रहा है जो रोल आप लोग कर रहे हैं।
मुझे लिखा था वहीं [illegible] पर मेरे पास आता है
और [illegible] मेरा लड़का [illegible]
लिखा भी नहीं जाता है। जो यह छोटा High
school में पढ़ता है। जिसके लिये मेरी स्थिति
आपके हाथों में पड़ी है और मेरे [illegible]
का [illegible] नौकर हमारे [illegible] का किया है
अभी तक नहीं आया नौकर रखा हमारे [illegible]
को [illegible] नहीं किया है। वे लोग सारी
[illegible] में हैं। सो आप इस [illegible]
मेरे लड़के को [illegible]
[illegible] हमारे [illegible] भी लिखियेगा
इसी रोटी के लिये [illegible]
मालूम करना होगा। इस [illegible]
[illegible] के लिये ता. [illegible] को
१२ तारीख [illegible] किया गया है। आपका प्रेम से D. Topono.

F-63

पोगोलोया

ता: १४-८-४४

मन्नाबर

सेक्रेटरी साहेब आप को मेरा

प्रभुसहाय—। हम आटघ हैं

रुनुयेटोलो का रोपा १२-८-४४

ई० को खतम हो गया— पर

मैं पोगोलोया आया हूं १३ ता.

को हम को खबर मिला को हमारा

लड़की जिस को हम पोगोलोया

में सादी किया हूं भारी बिमार

है लड़की गमवाती है उत्तमाल

से भारी बिमार है आपने से उठने

बैठनो नहीं सकती है ज्वार चौंद

रन बांद— झाड़ा— गम बिमारी जोर

से है बिलकुल दुबली पतली है

आदमी सब को पहिचानता है।

हम को देख कर रोती है।
उस को छोड़ना हम को
मसकिल होता है। लड़का
का मा रांची मे है श्री
आप कृपा कर के १४ अगस्त
से २० अगस्त तक छुट्टी
दिजिये तो हम अपना
लड़का का सेवा मे रहुंगा।
आगे हमारा सब चिज खुंटी
रांची मे है। यहां से लौटकर
खुंटी होते [illegible] बिरमित्रापुर
हर हालत रांची आऊंगा।
D. Johno. Tahilwar

POST CARD
REPLY.
ADDRESS ONLY

BUY NATIONAL SAVINGS CERTIFICATES

9 PS INDIA POSTAGE 9 PS

To
The C.C. Secretary
G.E.L. Church
Ranchi

Tour Dairi D.Toppno Tahsildar Julai 1944—

१-७-४४ गुमला में रह कर पाद्री ट्रेनिंग स्कूल मेरा लियाकत सोखता— खरीदा—

२-७-४४ गुमला में रहा—(sunday)—

३-७-४४ गुमला में रहा— ठीका रुपैया— ९३३) रुपैया कबूल— [illegible] और प्रेसिडेन्ट साहब को— सोखता— का— रुपैया— और— बाकी रुपैया के लिये नोटिस— जमा— ३०३॥) आना— का हफ्ता— रसीद— दिया— और बरसात जेयादा— रहा—

४-७-४४ बरसात के कारण गुमला से— दुसरी बेला निकलना पड़ा— और रास्ता में बैसिकल बिगड़ जाने से— कोलेबीरा में रहना— हुआ—

५-७-४४ बैसिकल के बिगड़ जाने से— कोलेबीरा से— बोंगराम गया— वहां का— एक आदमी— और [illegible] से— दिन का बैसिकल मरम्मत कराया— वहीं ही रह गया— रात बिताया—

६-७-४४ बोंगराम से खूंटी रोड आया— बड़ मुश्किल से १२ बजे खूंटी रोड पहुंचा—

७-७-४४ खूंटी रोड में— रह कर— और कामरेड जोजफ (१०) मन लोड़ा कराया— बड़ मुश्किल से—

८-७-४४ खूंटी रोड में किसान बेला ३) मनवाद लोड़ा [illegible] सिमडेगा बैरी साल [illegible] गया— और बैसिकल का पेडेल— बो [illegible] और [illegible] ठिकनेल का रास्ता आया— रास्ता में पानी रहने से— इतना [illegible] हुआ— की १० बजे रात— पानी रहा— सबाह खूंटी रोड [illegible] पहुंचा—

९-७-४४ सबाह खूंटी रोड से— ठिकनेल— १० बजे पहुंचा—(sunday)

१०-७-४४ ठिकनेल से— करमडीह गया— (जोरों की बरसात [illegible])

११-७-४४ करमडीह में मालगुजारी तहसील शुरू किया—

१२-७-४४ करमडीह और साल्वा और [illegible] गांव का मालगुजारी तहसील हुआ—

१३-७-४४ }
१४-७-४४ } मालगुजारी तहसील हुआ—

जो दे [illegible] बतायेंगे—

15-7-44 सिमडेगा से कुरडेग आया चौकीदारी टैक्स के लिये तहसीलदार
साहेब बोला कि S.D.O. साहेब सिमडेगा चौकीदारी टैक्स माफ
कर दिया [illegible] आया [illegible]
[illegible] 10 बजे रात [illegible]
16-7-44 [illegible] में रहा (Sunday)
17-7-44 को [illegible] आया [illegible]
[illegible]
18-7-44 [illegible] में रह कर [illegible] हुआ
19-7-44 को [illegible] से कोरोंजो गया
20-7-44 कोरोंजो में रह कर [illegible] हुआ
21-7-44 को कोरोंजो से [illegible] गया और [illegible]
[illegible] हुआ
22-7-44 कोरोंजो में रह कर [illegible]
[illegible] हुआ और बड़ा बंगला में हेडमास्टर साहेब P. Dundung
से भेंट किया
23-7-44 कोरोंजो में रहा (Sunday)
24-7-44 कोरोंजो में रह कर [illegible] गया और [illegible]
[illegible] हुआ
25-7-44 कोरोंजो के समाचारों से [illegible]
26-7-44 कोरोंजो से [illegible] आया
27-7-44 [illegible] में रह कर सिमडेगा S.D.O. के पास गया [illegible]
[illegible]
28-7-44 [illegible] में रह कर [illegible] के पास गया [illegible]
[illegible] और [illegible]
[illegible]
29-7-44 [illegible]
30-7-44 [illegible] में रहा (Sunday)
31-7-44 [illegible] में रहा [illegible]
और [illegible]
[illegible]
[illegible]
सिमडेगा S.D.O. [illegible] चौकीदारी टैक्स माफ कर दिया

बाहरी [illegible] हिसाब — आमदनी —

[illegible] से —	१४।।।)
[illegible] से —	३३)
कमिटि [illegible] से —	१६२१।-)
कमिटि [illegible] से —	१३२)
कमिटि बाहरी —	५)
[illegible] —	२६४≡।।।
[illegible] से —	४० ≡।।
[illegible] से —	४२१)
[illegible] से —	११५।
	५३३।≡।।
[illegible]	१००)
॥ [illegible]	३३)
	६६६≡।।

खर्च —

चिट्ठी — [illegible] में	६≡।।
प्रेसिडेन्ट साहब को —	२०३।।) [illegible]
[illegible] में	५≡
[illegible]	६≡
[illegible] कमिटि	२६)
कमिटि [illegible]	१२)
[illegible]	२)
[illegible] M. Topno	६०)
[illegible] Rev. [illegible] M. Topno को	४०)
	४५८≡।।

D. Topno

विशेष रिपोर्ट —

(१) हमारे पास [illegible] रुपैया [illegible] M.O. [illegible] रुपैया [illegible] हैं

(२) [illegible] है [illegible] होता है

(३) हम पहले रिपोर्ट दे चुके हैं — २५०० एकड़ [illegible] बांध बनेगा तो — [illegible] से बांध बनाने के लिये [illegible] रुपैया का [illegible] है — [illegible] रुपैया से — बांध — नहीं बन सकता है — [illegible] बांध बनाने के लिये ४००) रुपैया तक — बांध बनाने — खर्च — लगेगा — इस के बाद — [illegible] में [illegible] रुपैया — [illegible]

D. Topno
31-7-55

ड्रेर मैंजा। करेजी।

ખાનાં। કેળાઈરાં ગ (

પિરર નામ્નાર . ૧—

२

+ +

D. Tapino
26-7-1944—

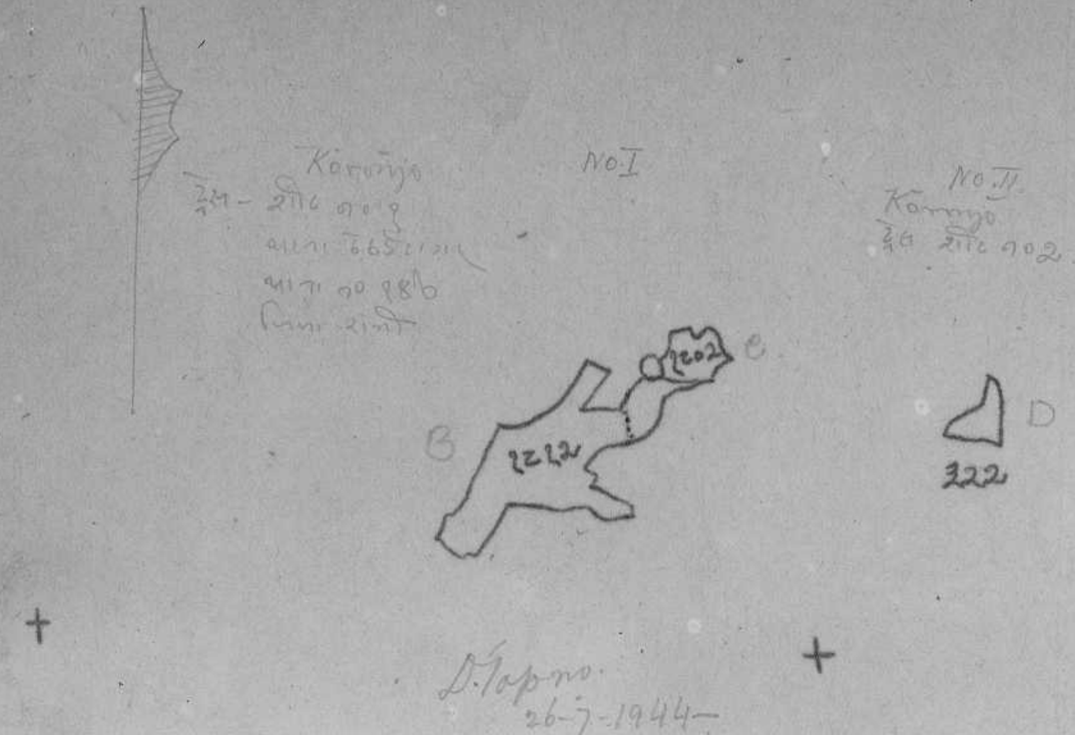
No. I
No. II
B
C
D
26-7-1944

कोरोंजो मौजा का रिपोर्ट—

मैं ने कोरोंजो ता० १९-७-४४ ई० को गया था और २६-७-४४ ई० को खुद देखा और आया—

१- कोरोंजो में दो मकान गिरे पड़े हैं अर्थात १ मकान मस्जिद— इलियास साहेब— बल्कि देवाल— उत्तर पूर्व— का खास गया है— और १ मकान— मूल— गोरखा सिंह का— रक्खा था— यह भी देवाल— आया तरह खास गया है और दो गिरने के हालत में है

२ कोरोंजो— में मालगुजारी दाखिल किया— रैयतों से— १३३॥≡॥
कोरोंजो छीला से— १९४३ ई० का — ३६१)
कोरोंजो बाग छीला से— १९४३ ई० का — २६५)
३१९८॥≡॥

खर्च—

३- चरैया— २— आदमियों— २१)
३ कुली. चढ़ा दिन आमानतों में — १≡)
१ तलाशी— खाना— ॥≡)
जंगल मौजा का वन— अगास्त— १२)
१९४३ से जुलाई १९४४— तक का—
कोरमाल मौजा की मालगुजारी २००० साल २)
खुद रोज लाने कुली— कोरोंजा से खुद रोज— ॥)
रास्ते का खर्च ३ रोज— ॥≡)
१८।≡

आमदनी— ३१९८॥≡॥
खर्च १८।≡
हाथ में ३००।≡॥

४(१) प्लाट नम्बर १९५४ चाय के नाम से खाता नम्बर २४ में रांची डिस्ट्रिक्ट II खतियान में दर्ज है— यह जंगल— खड़िया— उस को दान— बना लिया है और खेती करता है— जोतने नहीं छोड़ता है और धान बराबर नहीं देता है— मालगुजारी नहीं आता है— नाराज होता है— इस पर कचहरी से लगाया है— C.C. सेक्रेटरी आफिस को देखा है—

(b) प्लाट नम्बर १९१२ चाय— के खाता नम्बर २१ में जिरात— दोनों (वा) ओकारी दर्ज पाया है यह क्षेत्र में देखा जा गया है— देखा है— उपर हिस्सा खतियानी— १६ डिसमील— डोडो खड़िया— जोत करता है— और प्लाट नम्बर १९०२ भी दोनों (वा) १२ आनी— ५६ डिसमील को डोडो खड़िया जोत करता है— यह नम्बरान को अभी सरजमीन जा कर नक्शा खतियान मिलान कर देखा गया— तब मालूम हुआ पहले कोई नहीं जानते थे— डोडो खड़िया नहीं छोड़ता है—

1) [illegible] ३२२ [illegible] २ [illegible] १३ [illegible]
[illegible] २१ [illegible] हुआ है— इस [illegible] को [illegible]
[illegible] है— [illegible]
[illegible] को छोड़ देने के लिये कहा गया है— और [illegible]
[illegible] छोड़ देगा—

५ बाकी के— कोरोंको [illegible] रैयत लोग— [illegible]
को [illegible] है— [illegible]
[illegible] है— और [illegible] है— [illegible]
[illegible]
[illegible] है— [illegible] रैयत लोग [illegible]
[illegible] है— [illegible]
[illegible] कोरोंको [illegible]
[illegible] है— [illegible] उसके
होगा—

६ बाद— कोरोंको [illegible]
[illegible] है— [illegible] उसका [illegible]
[illegible] है— [illegible] है— [illegible] १.२० [illegible]
उसको मालगुजारी [illegible]
रैयत— १) [illegible] है—

७ मैं ता. २६-६-४४ ई. से कोरोंको [illegible]
[illegible] रहूंगा—

८. [illegible] को [illegible]
को मालगुजारी दे देगा— कोरोंको [illegible] छोड़ [illegible]

९ [illegible] S.D.O. [illegible]
[illegible] है— [illegible] S.D.O. साहेबको
[illegible] चाहिये—

Bapu
27.7.44

F 63

To.

The. C. C. Secretary

G. E. L. Church. Ranchi

11-4-1944-

[illegible]

D. Topno. Tahsildar

To

The C. C. Secretary G. E. L. Church

Ranchi 11-4-1944

[illegible]

... Assistant manager ...

... Assistant manager ...

[illegible]

पादरी इमानुएल कुजूर कातिकिया
का नकल—आप लोगों को पादरी परिवार [illegible]
तूं—ता॰ २८-११-४३ को बाद पादरी D. Kujur
को तहसीलदार साहेब—Daniel Toppo
मेरे पास आये—जो [illegible] स्पेशल
माल गुजारी लोगों [illegible]
[illegible] है मेरे भाई [illegible] मेरा हालत
[illegible] ~~[illegible]~~ [illegible] रुपैया दे नहीं सकते हैं
और [illegible] मैं रुपैया देऊगा [illegible]
[illegible] रुपैया [illegible] देऊगा—

Rev. D. Kujur
19-11-43

हुजूर [illegible] के बाद [illegible] W. Toppo.
[illegible] को मैं [illegible] पादरी
इमानुएल—कुजूर से [illegible]
[illegible] रुपैया देऊगा [illegible]
[illegible] देता—[illegible] मेरा रिपोर्ट है कि
आप लोगों [illegible]
[illegible] पादरी
इमानुएल—कुजूर का [illegible] भाई
[illegible] कुजूर से [illegible]
[illegible] है—[illegible]
[illegible] है— आप लोगों का सेवक
D. Toppo Tahsildar.

Khuti toli F.63

18-12-1944

मान्यवर C. C. [illegible]
[illegible] को मेरा [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] P. Dundung [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

POST CARD

9 PS　9 PS

INDIA POSTAGE

ADDRESS ONLY

C. C. Secretary

G. E. L. Church

C. C. Office

Ranchi

G. E. L. Church ke Jamin Bandobasti Programme, 1945.

February,	13, 1945	----------	Gumla pahunchna.
,,	14, 1945	----------	Bahaldam Chatti aur Cheter.
,,	15, 1945	----------	Gumla se Khutitoli jana.
,,	16, 1945	----------	Khutitoli men kam
,,	17, 1945	----------	Do
,,	18, 1945	----------	Bishrambar Khutitoli men.
,,	19, 1945	----------	Koronjo pahunchana.
,,	20, 1945	----------	Koronjo men kam.
,,	21, 1945	----------	Do
,,	22, 1945	----------	Koronjo se Simdega lautana.
,,	23, 1945	----------	Marcha pahunchna.
,,	24, 1945	----------	Marcha men kam.
,,	25, 1945	----------	Marcha men thaharna (Etwar).
,,	26, 1945	----------	Marcha men kam.
,,	27, 1945	----------	Govindpur pahunchana
,,	28, 1945	----------	Govindpur men kam.
,xxxxxx29,xxx45			
March	1, 1945	----------	Do
,,	2, 1945	----------	Do
,,	3, 1945	----------	Do
,,	4, 1945	----------	Govindpur men girja.
,,	5, 1945	----------	Ranchi Pahunchna.

L. Tirjawar
Treasurer,
G. E. L. Church
Ranchi.

D. Tappo
Tahsildar.

Ranchi, 12th February, 1945.

Forwarded to The Secretary C. C. Ranchi
for information.

L. Tirjawar
Treasurer.
12.2.45.

12/2/45

No. 211/45/F- 63.

February 10, 5.

The undermentioned document is forwarded to the Tahasildar Daniel Topno for information and guidance.

for. Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the ~~Officers~~ minutes of the Officers' meeting held on the 5th February, 1945.

Item No. 1.

" Land settlement :-

(a) Resolved that the Market at Koronjo be leased out to the Koronjo Ilaka at Rs. 120/- p.a. as rent for three years i.e. from February 1,1945 to January 31, 1948.

(b) Resolved that the lands of the following villages, whose lease has terminated be given on adhbatai for five years by Registered deed. The expenses of executing and registering the deed will be born by the lessees.

(1) Lands at villages - Nindhua, Garatoli, Busur and Katsembla be given to any perons or persons other than Pracharak Jaiphal Hemrom of Urikel.

(2) Lands at Marcha :- Held by the Rev.Dh.Guria, Eliazar Munda, lands at Bandhpenari, and Dahu Chaura and all the tanr lands.

(3) Lands at villages Chetter and Bahaldam Chatti.

(4) Lands at Koronjo be settled with any body other than teachers and raiyats who held on adhbatai last year. These lands can be settled with them only on previous payment of 1/4 share which they have now already taken unjustifiably.

Tanr lands which are in the hands of teachers must be settled on adhbatai.

Don R.S. Plot No. 1855 be taken back from Zacharia Kharia and be kept as khass possession.

(5) Land at Tujur be allowed to stand as settled by the Rev. M.Manki in 1944.

P. T. O.

(6) Lands at Sarnatoli be allowed to stand as settled by the Rev.N.Mundu last year.

(7) Lands at Govindpur and Gusatoli.

(8) Lands at Khutitoli be settled on adhbatai only for one year.

(c) Resolved that the C.C. Treasurer and Tahshildar D.Topno be authorised to settle the above market and lands at an early date. "

BBMINZ/2C.

To,

The. C. C. Secretary
G. E. L. Church
Ranchi

Tour Dairy D Topons Tahsildar September 1944

१०-९-४४ (Sunday) रांची से सरनाडीह गया। बाइसिकिल से — सांझ को पहुंचा

११-९-४४ सरनाडीह में पाया — नथानियल मुंडा के साथ — दो रुपैया (चैत्र)
के दर से — ९८/ रुपैया का धान बिक्री किया — गाहक न मिलने
के कारण [illegible] बाजार गया —

१२-९-४४ सरनाडीह में पाया — [illegible] के साथ — वहां का कोनजमीन —
जिसमें सामाजिक खेती किये हैं देखा — खेती पाय आया है
और दूसरी बेला धान बिक्री — १२८/ रुपैया का — और धान
बिक्री के सामान का खर्चा — हुआ — धान पासी के लिये —
और बहालियान — सांझ को — किया — [illegible] कुलियों का — रसोद —
चौकीदारी टैक्स — — — — २/ १॥ ॥= ३।-

१३-९-४४ बिसाकोल में पायलाजी के साथ — धान बिक्री किया — दो रुपैया
के दर से — १२३॥= आना हुआ — खर्चा —
मालगुजारी दिया २००० २॥
{धान हिफाजत — बोझा — २॥
[illegible] धान [illegible] ॥
[illegible] के पास M.O. २॥

१४-९-४४ तोरपा पोस्ट ऑफिस में ३६०/ रुपैया — जमा
किया — खर्चा हुआ — कमिशन — ४॥= आना —
और — कोरोतलाक — पैदल — गया —

१५-९-४४ कोरोला से — १ कुली के साथ — पोड़ेगोर होते हुए — तुंजुर पहुंचा —
बहुत — खराब रास्ता — है। —

१६-९-४४ तुंजुर में रहकर वहां का — खेत — का खेती — देखा — खेती कई ग्रामों का
बहुत — अच्छा है — और [illegible] का — सोंथा [illegible] के
कारण से — बांध लग गया है — और वहां का सब जमीन में खोल
[illegible] धान — बुनना — चाहिये — और [illegible] नीचे भाग में पानी होने से
नहीं पहुंचता है —

१७-९-४४ तुंजुर में रहा — (Sunday) —

१८-९-४४ तुंजुर में रहा — बाजार गया — धान बिक्री का भाव देखने — और
गाहक — खोजा — पर मिला — नहीं —

१९-९-४४ तुंजुर में रहा — कारसाजी पायी Tour गया था — खेती खाता
का — बाहरी का भी — [illegible] के लगान गया था — जिसके कारण
हम को मदद मिल हो गया —

२०-९-४४ तुंजुर में पायी मनसुर माल की — रोताप — धान जो पायी बिक्री किया
था — उसका हिसाब — किताब — किया — १०२/ रुपैया का धान
बिक्री किया था — और हाल खरीद मोरा [illegible] का हीरा रुपैया
दो पैसा के [illegible] — बिक्री किया — २०/ रुपैया —

२१-९-४४ तुंजुर से पोड़ेगोर आया — क्योंकि — कारो नदी में पानी बेसी था —

२२-९-४४ पोड़ेगोर से तपकारा आया — और १२५/ रुपैया मनिआर्डर किया —
और बड़े मसकूल रहो — आ गया — — खर्चा कमीशन १॥=
और [illegible] की जाली [illegible] — १/ रुपैया दिया —

२२-६-४४ मैना — आना — और वहां आदमियों को [illegible] किया —
२४-६-४४ और [illegible] २२ रुपैया — [illegible] किया —
(Sunday)
२५-६-४४ मैना मे [illegible]
४४ रुपैया — [illegible] — और [illegible] गोविन्दपुर से [illegible]
[illegible] किया — [illegible]
२६-६-४४ [illegible] किया [illegible] २९॥
[illegible] किया — ७॥ [illegible]
२७-६-४४ मैना — [illegible] किया — ८३ ॥
[illegible]
२८-६-४४ [illegible]
रुपैया — १३० M. O. [illegible] ७॥
" [illegible] रुपैया — [illegible] १४०० } १)
२००० }
" १००० ॥)
[illegible] २००० २५)
४)

२९-६-४४ गोविन्दपुर [illegible] Lucas Topno के
[illegible] नहीं किया है।
[illegible]

३०-६-४४ गोविन्दपुर [illegible]
[illegible]

विशेष रिपोर्ट

I मैना [illegible]
[illegible] किया है —
[illegible]
[illegible] नहीं [illegible]

II [illegible]
[illegible] होता है और [illegible] होता है [illegible]
नहीं मिलता है —

III मैना [illegible] —
[illegible] है — [illegible]
[illegible] होता है [illegible] है —
[illegible] है और [illegible]
है — [illegible] है —

गोविन्दपुर

IV गोविन्दपुर के [illegible]
[illegible] है — [illegible] नहीं [illegible] है — [illegible]
[illegible] है — [illegible] है
[illegible] है — [illegible]
है —
D. Topno - Tahsildar

24/9

Barda
22/9/1944

[illegible]

[illegible] L. Gojiwar [illegible]

[illegible]

[illegible]

D. Topno.
Tahnilwar.

BUY NATIONAL SAVINGS CERTIFICATES
DELIVERY
24 SP 49
RANCHI

POST CARD

ADDRESS ONLY

9 PS 9 PS
INDIA POSTAGE

Mr Thedor Surin
Secretary G.E.L. Church
Ranchi

To,
The C.C. secretary
G.E.L. Church Ranchi.

Tour Dairy of. Topno Tahsildar August 1944—

१-८-४४ खुटीटोली में रहकर सोमारखेत जोतवाया — और दूसरी बेला — मोराजार बनुआ — और खेल करीया —

२-८-४४ बुधवार — बाजार —

३-८-४४ खुटीटोली हल जोतुवाया — और दूसरा सिमडेगा S.D.O. के पास गया था — सोमा सोपान के बावत — और — पैसा तलासवावल —

४-८-४४ सिमडेगा गया था — ५०) पचास रुपैया का — बैंग माही — से — ले आया —

५-८-४४ खुटीटोली में हल जोतुवाया — और दूसरी बेला कुम्हरियों से मोराजार बनुवाया —

६-८-४४ खुटीटोली में रहा — (Sunday)

७-८-४४ खुटीटोली में रहा — सोमारखेत जोतुवाया — बीड़ा उखड़ाया — और डांगा का हिसाब किया — और बीड़ा बोहवाया —

८-८-४४ खुटीटोली में रहकर — स्कूल लड़कालड़कियों से सोमा सोपोया — लगभग १५० तक जाता है —

९-८-४४ खुटीटोली में रहा — सोमासोपान के लिये बनिहार नहीं मिले — तमाम तलाश रहे —

१०-८-४४ खुटीटोली में बनिहार खोजकर सोमा रोपवाया — पर बीड़ा नहीं पूरा —

११-८-४४ खुटीटोली से — बिरुगोमा — राजा का तालाब देखलवा के पास — खुटीटोली — कोरा — गोवा — और बड़ाव पानी दब आंबा आम का — शामला — ३००० शाल का — सालगुणों के बेचल किया —

१२-८-४४ खुटीटोली में रहा — २ नर बीड़ा आभास पानी से खरीदकर सोमा रोपवाया — और सोमारखेत का निरीक्षण —

१३-८-४४ खुटीटोली में १ बेला रहा — (Sunday) दूसरी बेला पोगो लोटोगाना —

१४-८-४४ }
२०-८-४४ } पोगोलोटोया में रहकर बिमारी कोठरी में थे —

२१-८-४४ पोगोलोटोया से खुटीटोली आया — और प्रारम्भ १९४६ खरदवारोगल के जनित पूर्वतरफ एसोसिया पुरा जोत किया — और प्रारम्भ १९४६ के जानिब — पश्चिम तरफ — सासुव पुरा — जोत किया है — और सारखू का दरखत बहुत है —

२२-८-४४ खुटीटोली में रहकर समाचारों से एक साला कबुलाजात लिखवाया —

२३-८-४४ बुधवार — बाजार —

D. Topno.

२४-८-४४ ખુરોટોલી મેં રહા- ઔર સોમાર ખેત કા હિસાબ- કિયા ઔર સ્કૂલ લડકા લડકિયોં કા સમાચાર- ઈડમાઈ બાબૂ Saban Top ... કો ૩૨ રૂપૈયા દિયા ગયા-

૨૫-૮-૪૪ ખુરોટોલી સે [illegible] લિખા પઢી કિયા ઔર સિયોમા આના થા- વહ રાસ્તા બિગાડ ગયા થા- ઉસ રાસ્તા મરામત કરાના- [illegible] મજદૂરી [illegible] ૨ રૂપૈયા દેના પડા ઔર સાંઝ કો ખુરચટ્ટા મેં ડેરા કિયા- પાની ગિરા-

૨૬-૮-૪૪ ખુરચટ્ટા સે પાની રહતા- લોહમાઈ નદી બહુત પાની ગયા- થા- [illegible] નદી [illegible] લોહમાઈ કે પાસ- જંગલ ઘાટ મેં ડેરા કરના પડા-

૨૭-૮-૪૪ લોહમાઈ સે ૮ બજે દિન- કો- લોહમાઈ નદી- કો- બડ મુશ્કિલ સે પાર હો ૧૨ બજે સોયાખુડા પહુંચા-
(Sunday)

૨૮-૮-૪૪ કો સોયાખુડા મેં રહ ગયા- ક્યોં કિ નદી [illegible] બહુત પાની આ ગયા- ડોંગા [illegible] નદી મેં નહીં હૈ

૨૯-૮-૪૪ સોયાખુડા સે બડ મુશ્કિલ સે [illegible] ગયા- પાર ગયા- ૧- સ્ટેશન [illegible] બજે રેલ મેં [illegible] ઔર બિશુનપુર કે Daniel Barla કે ઘર મેં રહના પડા-

૩૦-૮-૪૪ બિશુનપુર મેં રહ ગયા- સાંઝ કો રેલ સવારી કિયા ઔર ૧૧ બજે રાત કો [illegible] પહુંચા-

૩૧-૮-૪૪ કો [illegible] પુર સે ૧૨ બજે [illegible] સાંઝ પહુંચા-

ખેતી- [illegible] સોમા કા કુલ ખર્ચ-

(૧)	બીડ઼ા બાકી [illegible] ૧૩ [illegible] મય- [illegible] ખર્ચ-	૯૯।
(૨)	[illegible] સોમાર ખેતોં કા-	૪૬॥
(૩)	[illegible] ખેત- કા [illegible] ઔર [illegible]	૧૨
(૪)	બીડ઼ા [illegible] ઔર [illegible]	૧૦=
(૫)	[illegible]	૧૯॥-)।।।
(૬)	[illegible]	૨।=
		૧૮૯।।।≡

(७) घोड़ा ठरवड़ने का दाम — — — १२६।।।=

(८) सेपने का — " — — — ४६ ।।।

(९) कहरा में माहो देना — — — १=)

(१०) घोड़ा खरीदा गया — ।।)

४५ १७ ।।।

कोसा१५ — पैंतालिस रुपैया — पांच आने तीन पैसा —

विशेष रिपोट —

११ खुरीरोली में इस साल — १३ आठ घोड़ा का सौदा रोपा गया — और कई रैयतों से अब्बदार आग बटवारा मिलेगा — ऐसा आग रखने का जगह नहीं है — कहां रखा जायेगा

१२ बंगला से स्कूल लड़कों को निकाल दिया जाये तो जगह होगा — पा लड़कों के लिये होस्टल बनाने होगा —

१३ — अब्बदार रैयत लोग जो कि सेवा रोपे हैं उन लोगों का कहना है कि आग आरने ऐसा कम — का मुनाफा होने पर का आग से मिलना चाहिये कहे कि सेवा में रखा जाता है —

१४ खुरीरोली गैर मजरूआ खाता — ७४ — के प्लाट नम्बर ४५६ बड़ा जंगल रकबा — २५ कड़ इक डिसमिल — के पूर्व — तरफ — का — सेवा जंगल — रकबा — ... ... जोत लिये है — इन रैयतों ने — बिना हुकुम जोत रहे हैं — गाछ — तरफ का आगे — बढ़ता है — इन लोगों के उपर कारवाई होना — चाहिये — नहीं तो सबुरा रखंग जंगल को रैयत लोग जोत लेंगे —

(१५) और भी — गावों के रैयत लोग अपने खेतों के किनारे के पत्थरों को — हर साल ... ... अपने खेत में मिलाते हैं — ऐसे हर साल आगे से तो मालिक रखाने हो जायेगा —

(१६) इस मौजा के — कई रैयत लोग — माल ... बहुत गाछ रखते हैं — जैसे — के ... ... वगैरह —

(१७) केवरा होरो — इन लोगों का प्लाट नम्बर ५६८ के पश्चिम — ३ डिसमिल तक — अपना प्लाट नम्बर ५६९ में आर सिमाना मिला लिया है —

इस प्रकार Mr. Panna हुकुम दिया था कि ए. ए. सेक्रेटरी
आदमी — आरसीगाड़ आने के लिये हुकुम देंगे या अपने-अपने
गाड़ी आरसीगाड़ — सुनि का — हुकुम नहीं मानते हैं —

(१८) खुरसेला — बड़ा बंगला वाला के पश्चिम — जंगल के अन्दर —
बड़ा २ अहाता वाला बहुत भारी है। उसी पहरा के करीब
१०० सागु गाछ अराव के लायक हैं — उन गाछों का बिक्री
करने का अधिकार मिलना चाहिये था — हवा में गिरने से
गाछों को निकालने से बहुत रुपया लगेगा —

(१९) खुरसेला में सरकार ने डिस्ट्रिक्ट बोर्ड से सड़क बनाया
गया है — उस सड़क से — माल निकाला गया है — इन —
महल्ले रिपोर्ट दे चुके हैं कि २६००० रुपया से बन सकेगा —
तो उस रोड बनाने के लिये अफसरों को खुरसेला का
बहुत जरूरी है — ताकि जमीन बनाने के लिये रैयत लोगों
को बहुत जरूरत है —

(२०) खुरसेला में खेती करने के लिये — आम रास्ता —
को २६२ बैल — पर रोड़ा खरीदने का — बहुत ही जरूरी
है — इस खरीद का खेती करने में बहुत ही मुश्किल
है — और रुपया — लगाना — होगा —

(२१) गुमला में आदि भाइयों को — आबाद — किया गया है
तो भी कुछ — आदमी आबादी से अलग — वह आम कहां रखा
जायगा — बड़ा बंगला में भी नहीं रखा जायगा —

(२२) नवनगर टिका वोरा जमीन — रैयतों को आबाद किया
गया है — वहां भी — नहीं रखा जायगा —

(२३) मौजा करोंजो का मजिस्ट्रेट — भाइयों को और भाई लोग
और भी रैयतों को आबादी में बोर दिया गया है
वहां का आम नहीं रखा जायगा — वहां करोंजो में मुख्य
गोरखा — सिंह बाबू — कोरवाइयों पड़ा हुआ है — हमारा
सामना होती — वहां का — आम — वहां करोंजो में रखा जाय —

आप आदिवासियों का सेवक — D. Toppo.
9-9-1944

Khuti-toli
7-8-1944

महाशय

आप को मेरा प्रेमपूर्ण नमस्ते। हम अच्छे हैं। आगे आप को मालूम ही है कि इधर अर खोज करने में लगे हुए हैं। हर खोजना बनाने खोजना बहुत ही कठिन है पर हम बहुत मेहनत कर के हर कुछ जुटा ही देते हैं। आज ता. 6-8-44 ई. को बड़ा उत्पात ने शुरू किये हैं पढ़ाकरने को बच्चों बड़ा ही मसरूफ है। क्योंकि कापा कर मिलना कठिन है। गरु हालू से पैसा आना कठिन है। आज ही पापा चांदास कुजुर, और मंगल तुहम पुरती इस्पेक्टरीन और चर्च के नायक हम बिड़ा उतार रहे हैं। बनिहा और का तो लूटपाट है — बोल आगा पानी रोकेगे न करे तो स्कूल लड़का लड़कीयां लग भग 200 तक हम को मिलेगा — पर चाहिये

उन का वाकिफ़ है। हाल की बाढ़ी है
ई रुपैया कमाई हुई — और फिर
आठ — खराबे है। और खेत के
दिन बाढ़ होने और हरवा
और मिसरेस मालूम का
बाल जाल को — प्रबंध किये हैं
पर आदमी के बारा से खेत में
नुकसान होगा — और मालूम
है कि नदी किनारे का खेत
है नदी का उतार होने से
खेत डूब जाता है अपने बंध
हो जाता है बहुत खेती का
नुकसान होता है — D. Tapno.

POST CARD

9 PS — INDIA POSTAGE — 9 PS

ADDRESS ONLY

BUY NATIONAL SAVINGS CERTIFICATES
DELIVERY

The C. C. Secretary
G. E. L. Church Company
Ranchi

To

The. C. C. Secretary

G. E. L. Church

Ranchi

Tour Dairy of Tahsildar: D. Topono for

March-1944-

४-३-४४ रांची से लोहरदगा आए और लोहरदगा [illegible] (मैं) [illegible]
कुडु [illegible] को महासभा के इन्तजाम के वास्ते (ब. मो० २००) [illegible]
[illegible] किया—

५-३-४४ (Sunday) लोहरदगा से कुडु आए और शाम को [illegible] गए

६-३-४४ को मौजा [illegible] में रहकर (महासभा के [illegible] के वास्ते — [illegible] ३० [illegible]
[illegible] कुडु [illegible] के वास्ते — [illegible] किया—

७-३-४४ को [illegible] से [illegible] आए — और [illegible] दूसरे [illegible]
मौजा [illegible] में मालगुजारी तहसील किया—

८-३-४४ को [illegible] में रहकर (मालगुजारी तहसील किया — और शाम
को रांची आए—

९-३-४४ को रांची में १४ बोरा चावल रखने के वास्ते — [illegible]
[illegible] — कुडु गए—

१०-३-४४ को कुडु में रहकर (बोड़ला [illegible] (सबका [illegible] और
[illegible] २००० [illegible] कुडु थाना [illegible] का मालगुजारी
[illegible] तहसील [illegible] (सादे
[illegible]—

११-३-४४ [illegible] में रहकर ([illegible] से [illegible] — [illegible]
और दूसरे [illegible] बोरा [illegible] — [illegible] ३० [illegible] पैला
[illegible] में [illegible]—

१२-३-४४ (Sunday) [illegible] से कुडु आए — [illegible] के लिये—

१३-३-४४ को — कुडु में गाड़ी आई — ले [illegible] (जो [illegible] गए — और
चावल बोरा गाड़ी) में [illegible] कुडु-गाड़ी [illegible]
आए—

१४-३-४४ को — कुडु से लोहरदगा आए — और महासभा के लिये —
[illegible] — इन्तजाम किया

D. Topono. Tahsildar

30-3-1944-

મૌજા માલ્ટી ગાંવ કે બારે વિશેષ રિપોર્ટ —

ખેવટ

		માલ	શેશ	રકબા
૨/૧	ઠાકુર નાગપુર બૈંકર્જાગ ઇશ્વાકુ શરણ - બીમોરેહ	૬૪॥	૧૦૩।૩	—
૨/૨	ટી-વોર્ડ્સ ઑફ ... ઑફ ટી- ગૌશાળા ... પ્રોપર્ટી —	-	-	૧૬૮-૨૦ ડી.

મૌજા માલ્ટી ગાંવ-કા માલગુજારી મેં શેશ — શામિલ ખેવટ નમ્બર ૨ મેં દર્જ કરાયા ગયા હૈ — ઇસકે બારે — કાલગ માલગુજારી-કા શેશ અલગ કે બાબત — કાયદા-સે — રજિસ્ટ્રેશન ખારીજ કરાને બાબત કરવાઇ કિયા જાય —

ખાતા નમ્બર — ૧૪ ગુરુદાસ પાઠક — બલદેવ પાઠક — કૌમ બ્રાહ્મણ — સા: ટે — રકબા — ૧૮ ડી. માલગુજારી ।।।।। — કાશ્ત કરતા હોતા હૈ — નિલામ ખાતા — હૈ ઉસ પર કારવાઇ કે લિયે — હુકુમ દિયા જાય —

ખાતા નમ્બર — ૩૬ વેલનાથ — દુવે બલદેવ નાથ દુવે કૌમ બ્રાહ્મણ સાકિન ટે — (રકબા ૨ એકડ ૪૨ ડી.) કાબિલ લગાન ખાતા દાયર હૈ વેલનાથ દુવે — આઠ સાલ મૌજા કા માલિક — કા કરતા — ૧૨ મહીના હોતા હૈ અર ગયા — ઇસ ખાતા કે બારે ભી ઉસ પર કાનૂની હુકુમ દિયા જાય — યહ મૌજા મુનાસિબ હુકુમ — હો

ખાતા નમ્બર — ૪૦ મોહનલાલ — શ્રીરામ — ઉરાંવ દુખી ... ઉરાંવ કૌમ — ઉરાંવ — સાકિન ટે — કઈ વરસોં સે ઇસ ગાંવ મેં નહીં હૈ — ખાતા નમ્બર — ૪૦ કે બારે — કાનૂન ... લિખ દિયા ગયા — ... સાહેબ ... ... કી ... સાહેબ ... સહી ... ઇસ ખાતા કે બારે ઉસ પર કારવાઇ કિયા જાય — ઇસ ખાતા પર કારવાઇ કે બાબત હુકુમ કે લિયે પેશ હૈ —

D. Toppo 30-7-1944

1485/44/F- 63. 12th July, 1944.

To

Babu Daniel Topno, Tahsildar.
C/O The Rev. ~~M. Topno.~~ D. Soreng.
G.E.L.Church, Khutitoly.

Tahshildar D.Topno,

Main ne June mahine ke apke report ko paya. Report aur Bill Mr.D.M.Panna ke pass bhej diya gaya hai.

Agar bera taiyar ho gaya hai athwa tin-char roj men taiyar hoga to ropa ko rop kar ke Ranchi ana. Jaisa maine pahile hi kah chuka hai ki Goletar ki kheti koi bhi halat men in sal hona hi chahiye C.C. ke taraph se.

Ap ke ghar ka bhit tor diya gaya hai aur do khunta gara gaya hai, bhandia ko sambhalne ke liye. Is ke bad ek gaj chaura aur ek gaj mota pillar uthaya gaya hai. Pillar xxxxxx ke sukh jane se donon khunta nikala jayga. Bhit ke baki inton se ek traph kuchh diwal bhi uthaya gaya.

Koronjo ke Bungalow ghar ke sab chadra ko jama kariye aur Headmaster ke ghar men ginti ke sath rakh dijiye. Ginti ke samay aur rakhne ke samay Padri xxxxXlakexRanchxxxx Headmaster aur ~~auna~~ anya Parish yah Ilake Panch bhi rahen aur un se sahi thepa lijiye. Ek bhi chadra na khoya jay aur koi bhi kisi kam men chadra ko na lagawe.

Idhar udhar log chadra ko le gaye hain. Un sab chadraon ko khoj khoj ke jama kariye aur uprokt bat motabik ek jagah rakh dijiyega Ek bhi chadra kisi ke hath men na chhora jay.

Headmaster ko boliye ki ghar jis men wah abhi rahta hai pura maramat kare, usne likha hai ki Post Office tak maramat huwa hai. Wah Post Office ke purb bhag ko bhi marmat kare, agar khapra adi nahin hai to isi chadra se is barsat bhar ghar ke us bhag ko bhi banawe. Kisi bhi halat men ghar barbad hone ke liye na chhora jay. Usne apke Koronjo jane ke bad mujhe likha hai isi se apko pahile yah hukum main dene nahin saka aur yah ab dobara kam ho gaya hai, so ap Koronjo phir jakar in do kamon ko kxrixxxx ~~ke~~ kar ke aiye.

Ap ka bishwast,

Th. Surin

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

BEMINZ/2C.

1430-31/44/F-63. 1st July, 1944.

To

Tahsildar D.Topno,Khutitoli.
Rev.M.Topno, Khutitoli.

Main ne ek chithi Gumla bheja hun Headmaster Kerketta ke hath men. Sayad apne us ko paya. Main ne dusri chithi dak se Rev.M. Topno ke nam men Khutitoli bheja hun.

Goletar:- C.C. men phaisla huwa hai ki is sal Goletar ka kheti C.C. se howe, chahe jitna bhi kharch ho. Kam ap dekhiyega.

Jaungal Choukidar :- Khutitoli ke liye ap Rev.M.Topno ke sath bahali kar dijiye. Bahali ke din se us ko talap milega mahwari Rs. 3/- (tin) ke dar se.

Kabuliat :- Kabuliat ke bare yahi phaisla huwa hai ki ji jis gaon men phus danti, ityadi adhbatai men lene ki pratha nahin hai, wahan wahan ye shabd chahe bakya kat diya jay, so ap kat kar kabuliat likhwaiye. Tanr bhi un kabuliat men likha jay agar we jotte hain.

Bandh :- Chitra band ko bandhne ke liye ap kahte hain ki Rs. 430/- kharch hoga jis men 2/3 Government aur 1/3 Church degi. Yah kharch C.C. dene ko kabul karti hai aur Rs. 70/- bhi jo nahar khodne ke liye apne diya hai wah bhi C.C. se manjur ho gaya hai. Ap apne tahshil se kharch kariye aur uska hisab dijiye, C.C. men. Ap ko aur rupaiya jab darkar hoga tabhi bheja jayga nahin to nahin.

Resolution pichhe bheja jayga.

Ap ka bishwast,

[signature]

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

BBMINZ/3C.

No. 1378/44/F.63

27th June, 1944.

To

Babu Daniel Topno.
Tahsildar.

Babu Daniel Topno,

1. Goletar koi kisim se kheti howe. Padri M. Topno kheti karne ke liye Rs. 60/- (sath) mangta hai, so ap usko Rs. 60/- de dijiye chahe uske sath ap log khetti kariye. Padri kahe Rs. 60/- mangta hai uska hisab wah bhi aur ap bhi rakhiye.

2. Isi hapta 30-6-44 ko C.C. Executive baithegi usi ke bad apka ghar maramat hoga.

Ap ka bishwast,

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Copy to Rev.M.Topno, Khutitoly.

BEMINZ/3C.

F. 63

To

The C. C. Secretary G. E. L. Church
Ranchi

11-4-1944.

[illegible] Rev. John
Kujur Kondra [illegible]
[illegible]
[illegible] Assistent mana
ger [illegible]
[illegible] C. C. [illegible]
[illegible]

D. Topno. Tahsildar.

F. 63

To. The. C. C. Secretary G. E. L.
Church - Ranchi

11-4-1944 —

[illegible]

[illegible] - D. Topno [illegible]

F-63

To The C. C. Secretary G. E. L.
Church Ranchi

अरज गुजारिश है कि [illegible] [illegible] के [illegible]
[illegible] [illegible] जिले में पहले [illegible] [illegible]
[illegible] को लिखा है वह बहुत बेमतलब
है और उस का [illegible] [illegible] [illegible] हुए
[illegible] [illegible] गया है उसमें बहुत [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] देना [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] है और [illegible] [illegible]
[illegible] और [illegible] का मतलब [illegible]
[illegible] है [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] है कि [illegible] [illegible] के
[illegible] [illegible] [illegible] देना [illegible] [illegible]
[illegible] और [illegible] को [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
आपका [illegible] [illegible]

D Topno.
Tohrilour -
1-3-1944 -

F. 63

To

The C. C. Secretary

G. E. L. Church

Ranchi.

Tour Dairy of Tahsildar D. Toppo for December 1943

६-१२-४३ को रांची से सरनाटोली गये और खरिहान जा कर गंज धान का हिसाब किया—
१ जयमङ्गल का — ३ गंज — १ बोरा —
२ कुशल " ३ गंज — १ बोरा —
३ रपुस्ता आनन्द का ४ गंज —
४ प्रभुदास का ४ गंज —
५ पादरी नथानियल मुंडू ३ गंज — १ बोरा —
६ " " ३ गंज मिसा गया —
७ पुरान प्रसाद ४ गंज था मिसा गया —

७-१२-४३ सरनाटोली में रह कर पुरानप्रसाद मिसा हुआ को ओसा कर बरवाद किया — जिसको १० मन २१ पैला मिला —

८-१२-४३ खूंटी में रह कर कचहरी जा कर मधुपहान वाला झगड़ा खड़ का प्रचारक — इसाइअन वाला का सो सरजमीन जा कर देखा — तो पता लगा हुआ जगह से — और जोत आपना हिसाब का किया है नाप का हिसाब ठीक है — और Rev Jojwar के बात १ कुछ ठीक किया —

९-१२-४३ खूंटी में रह कर Rev जोजवार को — आसाम देखा कुछ … साफ कर रात को पहुंचा —

१०-१२-४३ खूंटी से सरनाटोली और गोविन्दपुर गया —

११-१२-४३ गोविन्दपुर में रह कर प्रेसिडेन्ट और Rev जोजवार से पादरी क्लास के सामने बोरडिंग का पैसा चावल भरने के बारे बात विचार किये — यही बात ठीक हुआ कि भरसा का चालू जो १९४३ ईस्वी का बरवाद मिलेगा उसी को चावल कर के भने का कहा गया —

१२-१२-४३ गोविन्दपुर में रह कर जरियागढ़ जा कर मालगुजारी लिया गया

गोविन्दपुर सम्बत —	१९९९ १९९९ १९९९ २०००	४॥।) ९ शेरा =)॥		२०॥।-)
गुसाटोली का	२०००	- - - - - -		७९॥=
गुसाटोली का	२०००	- - - - -		४३ ≡॥।
				१४३ ॥≡ ॥।

— D. Toppo.

१३-१२-४३ गोबिन्दपुर से मौजा मुसुर गया — वहां का मालगुजारी बार
जुनस मुन्सी से झगड़ा — था —

१४-१२-४३ मुसुर का मालगुजारी — समवत १९९९ / २००० } २५।)।।

" सिमगाड़ा " समवत २००० ।

और जरिया गाँव से कमड़ा — और गराई गेला का एक महाल का मालगुजारी देने का तहसीलदार से भेंट नहीं हुआ। दरियाफ्त से मालूम हुआ कि विरदेहात चला गया —

१५-१२-४३ मंचा में रह कर मालगुजारी तहसील किया — और गाँव लोगों का हाल माल देखा —

१६-१२-४३ मंचा में रह कर फैला वाला समाचारों — से ध्यान मालूम किया —

१७-१२-४३ मंचा से दिमाकेल — आया — और वहां का ध्यान का हिसाब मिला — १ इलियाबाद पाहन से २२ क्वार २६ पैला
२ सोमा पाहन से — १४ क्वार १७ पैला,

३६ — क्वार २ पैला

१८-१२-४३ सरनाटोली का ध्यान का हिसाब १ — ५० क्वार ३० पैला —

विशेष रिपोर्ट

II जलमा मिशन रोड के बीच में १ नाला है जो के हर बरस को इधर उधर रोड को खराब करके गिराकर बड़ा नाला बनाते जाता है।

III रोड को बचाने का कोई विशेष उपाय न किया जाय तो रोड बहुत बरबाद हो जाने का डर होजायगा। इसलिये एक उपाय यह है सो मिशन रोड पश्चिम में १ नाला कोड़ दिया जाय — और जो नाला है सो बंद कर दिया जाय — दुसरा नाला करने से २५०) रुपैया खर्च — हो सकता है —.

IV दुसरा उपाय — यह कि सरकार के — अफसरान लोग, गवर्मेण्ट और अफसरानों से विशेष बात चित करके डिस्ट्रिक्ट बोर्ड के रोड में १ बड़ा पुल बनवावे तब नाला से जाने का पानी का रास्ता होगा — तब इतना हानि नहीं पहुँचेगा —

D. Tapno
10-1-1944.

Tour Progaram—ferrowary 1944—

१२-२-४४ को - रांची से - गोविन्दपुर जाना खेत बन्दोबस्त वास्ते मैलिया—

१३-२-४४ गोविन्दपुर में रहना—(sunday)

१४-२-४४ जरिया गढ में मालगुजारी देना और कमड़ारा में रुकसो का मालगुजारी देना—

१५-२-४४ मरचा में रहना खान कुआं नापना—

१६-२-४४ मरचा से तुपुर जाना—

१७-२-४४ }
१८-२-४४ } तुपुर में रहना खेत-आबाद करना

१९-२-४४ तुपुर से दिया कोल लौट जाना—

२०-२-४४ दियांकोल में मालगुजारी देना खेत देखना

२१-२-४४ दियांकोल से रांची लौट जाना—

२२-२-४४ रांची में रहना—

२३-२-४४ }
२४-२-४४ } मान्डर में बाहकिलाद करना—

D Toppo—
12-2-44—

63

Tour Programme of the Tahsildar
D.Topono for the month of September, 1943.

6-9-43 Ranchi to Jingi

7-9-43 }
8-9-43 } at Jingi to supervise the church land

9.9.43 Jingo to Gumla

10-9-43 Gumla to Chainpur

11-9-43 at Chainpur to emquir about the Church land

12-9-43 Chainpur to Gumla

13-9-43 at Gumla to obtain copy of the papers reg: the Samsera case and pay the rents to the jamindars concerned.

14-9-43 Gumla to Lohardaga

15-9-43 at Lohardaga to serche for the land records of defferent places from the Lohardaga Ilaka Chairman.

16-9-43 Lohardaga to Ranchi.

D. Topono.
Tahsildar
G.E.L. Church Properties.
6-9-43.

63. Champi
16-10-1943

મહાત્મા—

[illegible] સેક્રેટરી સાહેબ—કો મેરા
[illegible] હમ—આ ગયે હૈં.
આપ લોગોં કા— [illegible] મંગલ ચાહિયે
આપ કો માલુમ હોગા [illegible] સે લગભગ
૧૪-૧૦-૪૩ તક— [illegible] મેં
મેરા [illegible] કો લકડી [illegible]
[illegible]
[illegible] કિયા હૈ —
[illegible] પ્રોગ્રામ [illegible] હૈ.

તા. ૧૫-૧૦-૪૩ [illegible]
[illegible]
૧૬-૧૦-૪૩ [illegible]
૧૭-૧૦-૪૩ [illegible] (દયાલપુર)
૧૮-૧૦-૪૩ [illegible]
[illegible]
૧૯-૧૦-૪૩ [illegible]
[illegible]
[illegible]

૨૦-૧૦-૪૩ [illegible]

[illegible]

૨૧-૧૦-૪૩ [illegible]

૨૨-૧૦-૪૩ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

J. M. Pannu ... T. A. ... [illegible]

POST CARD

9 PS 9 PS

INDIA POSTAGE

ADDRESS ONLY

19 OCT 43

8 30 A.M.

C.C. Secretary

G.E.L. Church

Ranchi

Champi 63

16-10-43

महाशय

Rev. L. Gojwar साहेब को

सेवा में — [illegible] — हम आया हूँ।

आप का [illegible]

[illegible] आप का [illegible]

[illegible]

[illegible]

सांची नं. - - - - 20)

गोविन्द (नं. I 200)

" II 200)

पिछला बाकी [illegible] ३३३।)।।

७४३।)।।

[illegible] ६०३।।।)।।।

१४८।=)।।। बचत

मालूम आप को [illegible]

[illegible]

Jappmu.

Tahnilwa

BUY DEFENCE
SAVINGS CERTIFICATES

POST CARD

19 OCT

8 30 AM

ADDRESS ONLY

9 PS

INDIA POSTAGE

JARIAGARH B.O.

14 OC -30

Rev.

L. [illegible]

C.C. office

Ranchi

Sub Ranchi

63

Tour Programme of the Tahsildar
D.Topono for the month of September, 1943.

6-9-43 Ranchi to Jingi

7-9-43 } at Jingi to supervise the church land
8-9-43 }

9.9.43 Jingo to Gumla

10-9-43 Gumla to Chainpur

11-9-43 at Chainpur to emquir about the Church land

12-9-43 Chainpur to Gumla

13-9-43 at Gumla to obtain copy of the papers reg: the Samsera case and pay the rents to the jamindars concerned.

14-9-43 Gumla to Lohardaga

15-9-43 at Lohardaga to serche for the land records of defferent places from the Lohardaga Ilaka Chairman.

16-9-43 Lohardaga to Ranchi.

D. Topono.

Tahsildar
G.E.L. Church Propertie .
6-9-43.

4/12 63

Tour Programme of Tahsildar D. Topomo

for December, 1943.

6-12-43 7-12-43	Sarnatoli	Adhbatai dhan ka dekhbhal aur prabandh .
8-12-43	Kadma -Khunti...	Kalisa ke jamin ko dekhna ki bete sal wala rayat jamin ko chora ki nahin, aur Tr. ke liye ek kulm ka prabandh karna.
9-12-43 10-12-43	Diyankel... ..	Adhbatai dhan ka dekh bhal aur prabandh aur Jamindar ko malgujari dena.
11-12-43 12-12-43	Marcha	Adhbatai dhan ka dekhbhal aur prabandh aur Jamindar ko malgujari dena.
13-12-43 14-12-43	Govindpur......	Thika mal aday karna aur kalisha ke jamin ko dekhna aur Padri Camp ke samay ka Paincha chawal lautana.
15-12-43	Ranchi.	

No 69/43

copy submitted to
Secretary, C. C.

Norman Toppo
Asst. Manager.
4-12-43.

D. Topomo.

Tahsildar, G.E.L.
Church Properties.
4-12-43.

[illegible] 1/11/43 [illegible]

C.C. Secretary

G.E.L. Church

Ranchi

Tour Diary - September 1943

६-९-४३ रांची-से- कुडु-और कुडु से सिसई गया—

७-९-४३ सिसई में रह कर वहां का [illegible] जमीनों को-सरजमीन जाकर देखा- खेती- अच्छा है—

८-९-४३ सिसई-से- 20 मरियों को कुडु चावल दिलाया— और सांझ को लोहरदगा गया—

९-९-४३ लोहरदगा में चेयरमैन के साथ- वहां इत्यादि कागजों को खोज- कर कागज लेने का- रसिद चेयरमैन को दे कर कागज रांची रांची लाने के लिये सिपाही दिया— और सांझ- को घाघरा गया—

१०-९-४३ घाघरा से चैनपुर गया—

११-९-४३ चैनपुर में चेयरमैन के साथ- वहां-~~का~~- लांड जमीनों को सरजमीन जाकर देखा— और सांझ को- [illegible] आया—

[illegible]-९-४३ [illegible]-में रहा- (Sunday)

१३-९-४३ [illegible] से गुमला आया- [illegible]—

१४-९-४३ गुमला में रहकर [illegible] पैसा [illegible]- किया— और [illegible] माल गुजारी दे दिया और [illegible] गांव-का [illegible] दिया—

१५-९-४३ गुमला से [illegible] आया- और [illegible] का सरजमीन जाकर देखा खेती ठीक नहीं है

१६-९-४३ लोहरदगा से रांची- आया- [illegible]—

D. Topno.

नम्बर २०१०-१२/८३/म-४

फ़ारम नम्बर १२ का जवाब—

I.A. मैं ता॰ ११-६-४३ई० को चैनपुर हाला कमपौंड का सरजमीन-
जांच किया जांच में सही पाया गया— प्लाट नम्बर २६१ हाला
कमपौंड - है जिसके पूरब की ओर चेयरमैन के हुकुम से —
जद साल में सड़क बना गया है और सड़क के बचाइस के
लिये गोबहला और गोड़ा बना गया— था— चेयरमैन का कहना
था कि इस साल बना गया है— सो मैं— और २६ ला का में
कोरां जो अभी— ईट का ... चेयरमैन लोगों को कहना
रहता— है— २६१ नम्बर में रखवा करने रहे—
१ पश्चिम रोया गोबहला और गोड़ा बना— है—
२ किसान गोड़ा बना है—
३ मिट्टीदार गोबहला बना है—

II प्लाट नम्बर २६१ में अमरूद दरख्त बना है—
" गोबहला बना है—
" कुदरत का पानी ... किया है—

III २६१ बगान— है— बगान में जो चेयरमैन के हुकुम से कुड़ा—
सौतिया मड़वा गोबहला और गोड़ा बना है—
बगान वहां का जगह में नदी किनारे में है—
सही जगह है— कुछ हासिल पैदा नहीं होता है—

B का जवाब

चैनपुर जो— इस यदि— मिनिसिपल आफिस का बैठकी-
का नकल—

मेम्बरों की उपस्थिति-

1. मान्यवर फादर जोहन टोप्पो- (चेयरमैन)
2. बाबू एम केरकेट्टा-
3. " पाउल टोप्पो-
4. " एम मिंज-
5. " एम बरवा
6. " एस लकड़ा

(क) मिशन कर्म ~~चारियों~~ स्वजातियों को- वर्तमान कठिनाइयों पर ख्याल करते हुए कमिटि फैसला करती है- कि 22 मन चावल जो भी बचत हुई है वह कर्मचारियों के बीच में बाजार दर (चार सेर की दर) बिक्री कर दिया जाय-

(ख) चावल बिक्री से पैसा होगा वह होस्टेल मकानों की मरम्मती में खर्च किया जाय-

(ग) होस्टेल के लिये स्टैंड वगैरह जरूरी सामग्री इसी पैसा से बना लिया जाय-

J. Toppo
Chairman

12-6-43

M. Kujur Secretary

M. C.

12-6-43

चावल बाबत
१९४२ का—

1 पाद्री जोहन टोपो— ३ मन— 30/
२ सब इन्सपेक्टर स्कूल— ३ मन 30/
३ हेडमास्टर ५ मन 50/
४ पण्डित दाऊद टोपो ३ मन 30/
५ बाबू एम बरवा ३ मन २४ सेर 36/
६ बाबू एस लकड़ा— ३ मन— 30/
७ मिस्चार्लस कुजूर १ मन— 10/
८ दाऊद कड़ही— ८ सेर 2/
९ जेहेमिया कड़ही ८ सेर 2/

220/

ता १४—६—४३

प्रेसिडेन्ट साहेब— ३—४ जून को चैनपुर आये हुए थे— तो प्रेसिडेन्ट साहेब को भी चावल बिक्री करने बारे कहा गया—था—
प्रेसिडेन्ट साहेब— बोला कि— मिशन में [illegible] सुप. बैजार को भेज— दीजिये—
जौन तारीख को चावल बिक्री किया गया था उस के पहले बाजार ४ सेर के दाम से बिक्री हुआ था—
चैनपुर और डाड़ गांव बाजार में चावल बिक्री होने बाद बाजार ३ सेर बिक्री हुआ—

ं बाबर और उसके ओड़े ही बिना पोधे लोटसे शाहेर
और सांधी रतनैया से उसेर का घर था

बोरडिंग के लड़कों को चावल — जो पहले परिवार — किये
थे — उन लड़कों को — उसेर के पास से चावल — लौटाया
गया है —

जैनपुर थाना जाकर बसीगा का इंस्पेक्टर से बरआमद —
जांच — किया — सही सबूत — मिला को जून — ४-५-६ को
चावल का था ४ सेर का कब्जा में था —
११ — १२ जून को उस से चावल बाबा में था —
२४ जुलाई डाड़ गांव कब्जा का था २ सेर था —
मेरा विचार के मुताबिक — चावल — बिक्री लोकेहार
विरोध है — क्योंकि — वे लोग — प्रेसिडेंट साहेब
जैनपुर गये — थे — उससे भी — उन लोगों चावल
देने का बात में अनुमति लिये थे —
मालूम होता है — C. C. मेंबर (David Turki
जोशी से बराबर जान बूझते हैं — इस
कारण से C. C. मे रिपोर्ट किया है
बड़ा किशोर रिपोर्ट

जौनपुर का फोन का तार

६८ एकड़ [illegible] — [illegible]
रियासत सेटलमेंट में [illegible] — महासभा
के — [illegible] — में चले गये —
जिन रैयत लोगों को [illegible] दे दिया गया है
[illegible] के रूप में [illegible] (रैयत
देना होगा — [illegible] — यह सब गलत था सेटल
मेंट के समय में ठीक नहीं देखा गया —
क्योंकि इन रैयत लोगों [illegible] से कबूलियत
रजिस्टर्ड नहीं है — यह बात [illegible] नहीं
था —
१ [illegible]
२ [illegible]
३ [illegible]
४ [illegible]
५ [illegible]
६ [illegible] —
सिलाहदार इन लोगों का [illegible] —
इनको [illegible] से हटा देना चाहिये
इस बात को [illegible] में [illegible] नहीं देना —
चाहिये — D. [illegible] 29-10-47

Tour Dairy of The Tahsildar
D. Toppo — for the month oktober 1943

१५-१०-४३ जरियागढ़ में मरसुकार कश्यागड़िया से ठीका रखपैसा मा०
वसूल किया— और सुगुर गया— था— मालगुजारी
देने पर कश्यामि— से मुलाकात नहीं हुआ— परिपादूत
रामानुम हुआ— फिर गाव— चला गया—

१६-१०-४३ मौजा चामली में १ बेला लगा— था— और दुसरी बेला—
मौजा चला गया— और रात को पहुचा—

१७-१०-४३ मौजा में रहा— Sunday—

१८-१०-४३ मरचा से ठीका रखपैसा— वसूल— किया— और मालगु
जारी को वसूल— किया— और गाँव लोगों को देन—
था— उस को भी— दे दिया—

१९-१०-४३ मौजा से तोरपा आया— और तोरपा में मौजा मौजा का
चौकीदारी पैसा भी तहसीलदार को दे दिया
और बिचाकेल गया— और बिचाकेल (पताराउपुर
का मालगुजारी— ले लिया—

२०-१०-४३ बिचाकेल से— सरनाटोली पैदल आया— बैसिकल बिगड़
गया— है

२१-१०-४३ सरनाटोली में पाकुरी तथा निस्पल मुण्डू के साथ— सरणानैल
में जा— कर खेती— देख— भाल— किया— खेती अच्छा
है— जोत गुना कम— और अच्छा है— आसा का कुना—
कोन— उतना अच्छा नहीं है— सोना में किस्तार जगह
बाढ़ी— मर गया— है— पर तौभी अनुमान— बीते बरस से
कम— नही होगा— सरनाटोली से रघुरी पैदल आया
और सांझ का तोरी से रात आया—

D. Toppo
Tahsildar
30-10-43

प्यारे भाई Lucas
Topno [illegible]
के साथ खुदीराम से ता० १४-६-४३ को
[illegible] से [illegible]
रास्ता में २ रोज हुआ
२ रोज [illegible] में
२ रोज [illegible] का है
२१-६-४३ ई० [illegible]
[illegible] से आय
सुरू होगा [illegible]
[illegible] है [illegible] से [illegible]
[illegible] समय [illegible]
जायेगा [illegible] के लिये

POST CARD

ADDRESS ONLY

9 PS 9 PS

INDIA POSTAGE

18

c/o

The C. C. Secretary

G. E. L. Church

Ranchi

63

Khunti
17-6-43

To
The C. C. Secretary
Ranchi

महाशय

आपको मेरा सोशलहाय-
आगे मैं आप से अरजी
करता हूं कि हमारा छुट्टी
ता. 18 जुन से लगायत 20 जुन
तकौं की छुट्टी मंजुर किजिये
क्योंकि हमारा प्राइभेट मोकदिमा ~~[illegible]~~
मरजस वाले छुरवहर के साथ
खूंटी इलाका में पेश किया
गया था महासभा के समय में
शिरस्त का ता: 16 जुन इतवार
को रखा गया था उसमें
मोकदिमा को इजहार देने के

63

G. E. L. Church,
Kuru.
2-8-43.

Manjawar Sercretary Sahab ko mera gishusahay. — Ham kushal ke sath 31st july ko kuru pahunche aur 1st August ko jingi chale gaye. Reja logon se ham chawal napa lia. Jama chawal 21 man 25 ser liva. usko 10 bora men do, do, man aur ek bora men 1 man 25 ser band kar ke Kuru chale aye. 11 bora ke liye 22 cooly ka darkar hai Gaon men ropa bharkhar lag gaya hai so kahan bhariya milna muskil hai. 1st August men main jingi girja men girja ke bald bhaiyon ko chawal kuru pahunchae dene ke babat men bole. unhon ne jabab dia ki do roj men arthat 5 aur 8 August men kuru pahunchane ka bole hain. Lekin muskil ki bat phir yah hai ki bhariya logon ko dene waste hamare pas change nahin hai. Jahan kuo jane

par, bhi nahin milta hai, aur jis lorry men hain aye us lorry wale bolten hain ki phe bora do rupaiye lenge. is se kanti men nahin ilenge.

Emmanuel Ekka engineering babu jo Hirhi men raha hai uske ~~sath~~ pas tarikh 3rd August sam ko Kuru Candidate ki babakizath pahan cune ko kosis karenge, aur us se bat chit karenge agar woh lorry bandobast karna sakta hai. Ap log jo D. C. ke pas Chawal le jane ka permission sambandhi darkhast likhe the us ka kya jabab hai, agar manjur hua hai to assistant manager ko Kuru bhejiye akela men bara jhanjhat malum ho raha hai. ya ap log jaisa Chahte hain waisa khabar bhejiye.

Age Shubh Prem se—

Daniel Topno
Tahsildar

24
7-ℓℓ
15-6-43.

देश मौजा खुरोयेली सीटन २
नाम थाना सिमडेगा —
थाना नम्बर ७८
जिला रांची

[illegible]
२१- [illegible]

बहुजूर जनाब मनेजर ओ सेक्रेटरी ओ ई. एल चर्च प्रोपर्टी

छोटा नागपुर और आसाम मोकाम पुरुलिया

ता. १-६-१९४३ ई.

Copy forwarded
C.C. Secretary
Ranchi

महाशय —

लिखने का बहुत विशेष बात यह है मौजा रुगड़ीटोली थाना सिमडेगा का खाता नम्बर ४२ को रैयत पतरस उरांव का था — ४ बरस होता है फिर बड़ा करतोवाई कर के धनि के बरबाद में लाये हैं — और उस खाता को १९४०, १९४१, १९४२ अदालत मालुलियत लिखा कर Rev. Lucas Topno को दिया गया था अब चर्च सेक्रेटरी के हुकुम से Rev. Daud Sorang को खाता मालुलियत लिखा कर सितम्बर १९४३ ई. में दिये गये हैं —

मेरा रिपोर्ट के साथ एक नकसा शामिल नत्थी कर भेजता हूं नम्बर ५६८ चौथा का दोन खेत का रकबा ४३ डिसमिल का है — नम्बर ५६८ केवरा होरो मुण्डा को दोन जमीन है काला लकीर a. b. c. d दोन का निशाना है लेकिन केवरा होरो लाल लकीर में थोड़ा मजबूत आर बना कर अपना प्लाट न. ५६८ में शामिल कर लिया है १९४० ईस्वी में फिर पहुंचा डिगरीदार के सरजमीन जा कर अपना गरीब गुनियाके साथ जैसा नकसा में देखा है ताकेबार पत्थर गाड़ दिया था केवरा होरो मुण्डा पत्थर को उखाड़ कर फेंक दिया और अबतक केवरा होरो के दखलमें है। ता. ३०-५-४३ ई. को सिमडेगा S.D.O. के पास प्राइवेट बात चित कर सुनाया था तो बोला कि तुम भी पादरी के साथ केवरा को बुला कर समझा देव — जनाब S.D.O. के हुकुम — मोताबिक केवरा होरो मुण्डा को बोलाया और पूछा तो बोलता है कि जमीन को पतरस रवतखोरी से खरीद ले लिये हैं १ गवाह को १) रुपैया लेकर और मैं उसका कागज का नकल भी शामिल आप के पास भेजते हैं। बड़ा फिर करतोवाई के साथ भी एक करतोवाई किया है — मालिक इस खाता को खास करने का सकते हैं — आप किसि तरह से किसी प्रकार का उजुर केवल इस बारिश तक उजुर पेश रहे [illegible] उसका क्या जवाब उजुर नहीं किया अब देखलाता है — रागल —

केवल मुआ ता॰ 31-5-43 मनमानस गुसाकर पुछा कि
गीत लगाए - नौ कुछ - जमीन थीं में सामिल कर लिये हो चाय नो
लिये छोड़ देना - केवला होतो मुआ जवाब - लिया रे मैं लिखी -
रैयत से लिया हूं - नहीं छोड़ सकता हूं - |
केवल मुआ नहीं मानता है - मिलत के बाद कुछ महासभा के सामने -
साम केवला आप को हम - को अभी बाउंड्री - सोर्टिंग - को Mr. P. D. Kandulna
को बात - मिला - के सामने - केवल के बारे बात लिखी का
स्थूरी होती जोखा में संव - से पवना रैयत केवला होता है
को यह मालिक रैयतों को गलत करने बात - ~~[illegible]~~
को उठाता है | जब - से हम ताह लिखा कहता हूं है
केवल के अथ २ महत्व सोमवार कोर्ट में मजबूरी वह
रुपैया कायम - किय के बाद - फिर भी मालगुजारी - ढालना
बाकी - रहता है / बाकी मंगल के - डिपार्टमेंट के लिये - आप
को यह जमीन रैयत के लिखा हो जावे से साहब से छोर
जाना - हमारा अब - तक - डिपार्टमेंट जाती है हमार
दम - रहेगा जबतक - डिपार्टमेंट - न - हो सिंबंध -
मामला - तरह से पुन - आवेगा की हम का हमारा -
जवाब - हमारे हमार रखी मिलिये अभी बाउंड्री सोर्टिंग
के C/O में भी को
फिर भी लिखते हैं कि [illegible] के सामने [illegible]
रुपैया [illegible] हो जाये है
आपको आपका - सेवक

Daniel Topno.
Tahsildar

साटी पतरस खलखो १६ मन-धान १) रुपैया ले-कर साटी कर दिया—

श्री साहेब—

द: गोमत
एक्का ता. ५-२-३३ ई०

लिखं पतरस खलखो-बल्द-स्वर्गीय जोहन खलखो मोलाहा— जात उरांव— पेशा खेती— साकिन खुदीटोली— मुगामा पिस० बेरासापुर थाना को- [illegible] परगना सिमडेगा जिला रांची का हूं आगे मैं केवल मुण्डा- बल्द- पतरस मुण्डा मोलाहा जात मुण्डा पेशा खेती साकिन के मुगामा को [illegible] से एक मन धान और एक रुपैया- आगे १६ मन धान व १) रुपैया लिया— और अपना निज- रैयती- जमीन- जिस का प्लाट नम्बर ५६८ है उस मेसे आधा- एक डिसमिल आर सिखा करने के वास्ते आपने भगवी [illegible] होरो को दे देता हूं। और सिमाना भी देखला देता हूं। मेरा भगवी ... उस को आपने दखल में ला कर आर सिखा कर लेवें। इसमें हम को न हमारे वारिसान वालहा मोक्तारगान को किसी किस्म का उजुरदावी नहीं होगा और रहेगा। इस वास्ते किसी के बिना कहलाये- समझाये मन की खुशी मिजाज से यह कागज लिख देता हूं- की वख्त पर काम आवे—

साखिद

गोमत एक्का—
ता. ५-२-३३ ई०

केवल मुण्डा से जो पतरस खलखो दिया है उस का नकल है
D. Topno

Mr. C.A. King. गो. साहेब महोदय सा०
(ब्रह्मपद) ५-२-३३

गो. Barnabas Purti
5/2/1933

૬૩ ખુરીરોલી-

મહામાન્યવર ૩૧-૫-૪૩

સેક્રેટરી-સાહેબ-કો મેરા [illegible]-

આપ કો માલૂમ-કરાતે હૈં કિ બલરી જંગલ

કા [illegible]-આજ તક-નહી હુઆ હૈ।

હમ-તા. ૧૫-૫-૪૩ ઈ. ખુરીરોલી પહુચા-૧૬/૫/૪૩

કો [illegible]- આપ કા ૧૬/૫/૪૩ કા [illegible]

કોઠે મેં હાજિર હો ગયે- આપ-સાહેબ-ને

બલરી જંગલ [illegible] કા તા. ૨૧/૫/૪૩-૨૨/૫/૪૩ ઈ.

રખા-ગયા-થા- આપ હમ કો બોલા-કિ

બોલો કિ-રાસ્તા હૈ કિ બલરી ગાંવ પહુંચો

બૈરાગ બોલા- ~~[illegible]~~ બોલે કિ ગાંવ મેં જા

હમારે સાથ-હૈ- ઔર બલરી કે નજદીક-હૈ.

સાથ હૈ-ઐસા બોલા-હમ-ખુરીરોલી-સે

૧૯-૫-૪૩ કો [illegible]

૨૦-૫-૪૩ કો સાંઝ-કો હમ-બલરી ગાંવ-

પહુંચ ગયે-આપ કા આજ્ઞા ૨૧-૨૨

તારીખ-દેખા-પર આપ સાહેબ-

બલરી ગાંવ-નહી પહુંચ સકા-હમ-તારીખ

૨ બાજે બલરી-સે [illegible] કા રાસ્તા પકડ઼ા

૨૪-૫-૪૩ [illegible] સાંઝ કો પહુંચ ગયે

રાસ્તા [illegible]-હો જાને કે કારન ઔર

[illegible] કે કારન મેરા તબિયત ખરાબ હો ગયા।

[illegible]

Daniel Topno. Takrilwa

POST CARD

ADDRESS ONLY

9 PS

INDIA POSTAGE

To

The C. C. Secretary

G. E. L. Church

Ranchi

19(a) 63

Kinkel
1-4-1943

मान्यवर

सेक्रेटरी साहेब आप को रिपोर्ट द्वारा जनाता हूं
कि किंकेल मिशन हाता के दखिल में
मिशन का यह के दो सिमाना में मरसल कुजुर उरुफ
गौंका उरांव कुआं कोड़ चुका है. पानी पहुंचा
दिया है लेकिन अब तक नहीं पटाया है
हम सरजमिन जा कर देखा मिशन यहां
२ हाथ. खाया गया है जेबाकी जाग मसल
कुजुर उरुफ गौंका उरांव का अपना हिस्सा
में कुआं कोड़ चुका है. इस लिये आप को
पास रिपोर्ट देता हूं। ~~किन्तु~~ जब तक आप का
कोई आडर न आने तक कुआं कोड़ने को
पारवाने से रुक दिया हूं
जल्दी आप केवरा लागा प्रचारक के पास
जवाब लिख भेजिये — D. Lakra

19(4) 63

Kinkel
1-4-43

[Thakur 5/4/43 Sherring?] महासय

आप को मेरा पेयुसम्मान- हम इन दिनों मे अच्छे हैं। आप सज्जनों का समाचार मालूम नहीं है- आगे आप को जनाते है कि- हम कोरोंजो मे २८ मार्च से लगायत- ३० मार्च तक कोरोंजो को- उस समय रैयातोग को सुने है कि- बिरु राजा के तरफ से ताहसिलदार और १ अमीन जायेगे कोरोंजो मौजा- और जंगल घुम कर देखेंगे- और जंगल का नक्सा को नोट कर के अपना राजा सिरिस्ता में रिपोट करेंगे- और कोरोंजो जंगल धीन लेने के बारे मुकदिमा दायर करेंगे इत्यादि॥ हमारे विचार में आता है- कोरोंजो मौजा का पट्टा हमों के पास है उस पट्टा का नकल राजा सिरिस्ता में नहीं है- जिस समय मनेजर से राज वापस मिला सब कागज पत्र को मनेजर ले गिया गया। कोरोंजो का हमों का हाल्ता कम्पौंड भी ठीक से घेरा नहीं हुआ है- हम सोचते है की कोरोंजो हाल्ता कम्पौंड देखने के लिये आप को कोरोंजो आना बहुत जरूरी समझते हैं। महासभा के पीछे आप कोरोंजो आते तो अच्छा होता है। हम अपना प्रोग्राम असिस्टेन्ट मनेजर के पास भेजे हैं। आप को मिल गया होगा

Daniel Topno Tahsildar

To
The C. C. Secretary, Ranchi. प्रोग्राम Dilopno Tahsildar का—

Recd 30-3-43

१२-३-४३ से लगायत २४-३-४३ तक L. Jogwar के साथ टारानगर झारसुगडा व मधुपुर के जमीन खरीदने के कारबार में था—

२४-३-४३ झारसुगडा से राउरकेला— रेल यात्रा

२५-३-४३ बिरमित्रापुर से सोयामुण्डा यात्रा पैदल

२६-३-४३ सोयामुण्डा से कोरोंजो यात्रा पैदल

२७-३-४३
२८-३-४३
२९-३-४३ } कोरोंजो तहसिल करना व जिमीदारों का मालगुजारी देना—

३०-३-४३ कोरोंजो से किंकेल यात्रा पैदल

३१-३-४३ किंकेल में तहसिल करना—

१-४-४३ किंकेल से कमडीह यात्रा पैदल—

२-४-४३
३-४-४३
४-४-४३ } कमडीह में तहसिल करना जिमीदारों का मालगुजारी देना व चौकीदारी टेक्स देना—

५-४-४३ गड़ियाजोर का तहसिल करना—

६-४-४३ झनकाझपर ''

७-४-४३ किंकेल लौटना— तहसिल करना

८-४-४३ किंकेल से खुटीटोली पैदल लौटना

९-४-४३
१०-४-४३
११-४-४३ } खुटीटोली व कोराना बड़ाबाबू का तहसिल करना जिमीदारों का मालगुजारी देना

१२-४-४३ खुटीटोली से [illegible] वापस लौटना [illegible]

C. C. Secretary G.E.L. 63

Church.

महाशय आपको मेरा आशीर्वाद—
मैं आशा हूं आप सभों का कुशल
मंगल चाहता हूं।— आगे इस (को)
चर्च का मौजों का तहसिल में किया
जिम्मेदारी का देन मैं चुका दिया हूं
कोरोंजो मौजा का मालगुजारी -
जिस रकम चर्मीजिल [illegible] देव इस
साल में नहीं लिया— [illegible]
में २२ [illegible] डिपाजिट कर दिया हूं।
दुसरे [illegible] में २६ का खाता नम्बर
२२ - २६ को जुस्ता [illegible] का
था— जिसके लिये मैं आप को
पहिले [illegible] रिपोर्ट पेश किया
था— पर आपने कोई जवाब नहीं
दिये— मैं इन दोनों खाता को
[illegible] [illegible] लिये दोनों—
[illegible] को जो [illegible] हुआ।

को सिर्फ १९४३ ई० के
लिये अखबार में दे दिया
हूं। — अच्छा अनुलिपत —
[illegible] — रखाता
२२ का [illegible] — १५ ०५ [illegible]
[illegible] का है — [illegible] —
[illegible] — १ — [illegible] का है —
बाकी [illegible] है —
[illegible] अवलक रहा
हुआ है — [illegible] बंद हो
रहा है। मैं रेलवे से जाऊंगा। —

POST CARD

ADDRESS ONLY

11 45 A.M.

INDIA POSTAGE 9 PS

To

The C. C. Secretary

G. E. L. Church

Ranchi

22/2/43.

Khuntitoli
P.O. Simdega
18.2.43

To,
Tahsildar Jr. for report
Church Council
Mission
Ranchi

Church Council
Received letter
Register No. 110
Date 22-2-43
File F. 163
Reply No.

Dear Sir,

I am really sorry to let you know that Parulus Hemrom and others of Khuntitoli had approached the Tahsildar for Sakhua trees for building their houses on payment but they were flatly refused whereas one Mr. Andrias Hemrom was given by the said Tahsildar some 18 trees at Rs 15/- only. This is nothing but favouritism

This sort of behaviour by a christian is not desirable and should be discouraged.

An Enquiry to this ~~effect~~ effect may kindly be started at the spot and the Tekedar punished.

Yours Truly
sd.
Keorattao (Keora Arao.)
Khattitoli
PO Sisai [illegible]

POST CARD

9 PS INDIA POSTAGE 9 PS

JOIN THE A.R.P.
DELIVERY
ADDRESS ONLY
27 FEB. 43
11 40 A.M.
RAN[illegible]

RANCHI

Mr Theodore Surin
Secretary Church Council
G. E. L. Mission
Ranchi

6/1/43

Church Council
Received Letter
Register No. 21
Date 6-1-43.
File F 63
Reply No.
Date

To

The Secretary, C.C.
G.E.L. Church, Ranchi

Subject :- 4 Simar trees cut at Dokad :-

According to your order I saw Jamindar Rijhu Mahto of Harmu on 5.1-43. regarding the four Simar trees at Dokad. His statement is that he has arranged with Lalldeo Mahto of Rupru, thana Angara, to cut the trees of his own Hakiyat on adh batai rate. But he has not asked him (Lalldeo) to cut trees from the Church land. Rijhu Mahto's statement is that perhaps Lalldeo has cut the four Simar trees by mistake. Now Rijhu Mahto does not claim these trees in question and requests the Church authorities to finish up the matter locally with Lalldeo in a friendly way.

Naeman Toppo
6.1-43
ASSISTANT MANAGER,
GOSSNER CHURCH ESTATE,
CHOTANAGPUR AND ASSAM.

To

[illegible]. Secretary Ranchi

Date 4.1.1943

[illegible]

[illegible]

Asst. manager to see if the matter can be settled amicably by the Zamindar Rights Mahto and Laldeo Mahto; if not case be filed in the court. Please submit report by 6-1-43

Th. [illegible] 4-1-43
Hony Secy.

S. Tapno Tahiloar

Tahsildari

To

The C. C. Secretary Ranchi

महाशय

१ खुरीटोली मौजा के २ खाता जमीन बाबत हुकुम

२ " " १ निर बांस खाता बाबत हुकुम दखल करने बाबत

३ दलकी जंगल बाबत डिमारकेशन बाबत हुकुम

४ लाली मौजा का खोन खड़ं "

५ डोकाद " " "

६ मौजा माल्या के डिग्रीदारों पर इजराय

७ मौजा मालटी के डिग्री शुदा रैयतोंपर इजराय

८ समसेरा मौजा का डिग्री नकल लेकर इजराय करने का हुकुम

Daniel Topno

Tahsildar

22.12.1942.

To The C. C. Secretary Ranchi Tahsildar's

Tour Diary for November 1942

२१-११-४२ रांची-से टकरमा गया-, लोरी गाड़ी मचरमा तक का २/
और- मौजा बरसोली- गया- बाबू- ~~स्व~~ हेसान हेरेन हेडमास्टर
और- गुसाफ़ धोरी प्रचारक- के साथ- गाछू सारखू- का-
३ गाछू कटा हुआ- को देखा- देखने से मालूम- हुआ-
के- मालिक का- रोड प्लाट नम्बर ४८६ के मालिक उत्तरवाला
मेंड पर कटा- गया- देखकर टकरमा वापस- आया-

२२-११-४२ टकरमा में रहा- (sunday) धार्मिक पर्व मनाया- और
३ बजे- समय- दिन- बरसोली गया जहां-की- ३ तारीख-
कटा- गया- था- उन्हों से कई गन- हाजिर आये-
और बात किया- कि उन्हों ने- गाछू- का बाद- और
मेरा- लोरी गाड़ी आने जाने का देखा- इस- से उन-
लोगों- के- [illegible] मोटा [illegible]- नहीं दिखा- और- इस
बात- का- मालिक [illegible] तो बतलाते हैं- [illegible]
रिजल्ट- सेटलमेंट का नहीं है-

२३-११-४२ टकरमा से- खूंटी आया- ५ बजे पहुंचा- और खूंटी- ही- में
रह गया-

२४-११-४२ खूंटी में रहकर कामता- गया- और कलमा का मधु पाहन
से झगड़ा था- उस रोड को माधो पाहन छोड़ दिया अपना
हिसाब जोत लिया- हम- लोगों- का- रोड- छोड़ दिया-

२५-११-४२ सरनाटोली पादरी- के साथ एक मेला- को [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]- किजिये- और खूंटी- से रांची
आया-

D. Topno. Tahsildar
2/12/1942-

To

The C. C. Secretary Ranchi

विशेष रिपोर्ट—

नम्बर २८९९/४२

बमोजिब हुकुम— तावेदार ता० २१-११-४२ रुकरसोंगागा—

और— सांगर— का रुकरा— का— हेडमास्टर— बाबू हेरानहेडेन और जुलाकू होरो प्रचारक— रुकरा— के साथ— बरटोली सरजामीन— गया— सरजामीन जाने— से पहले पाया— गया— कि— इसाकु का तोरवा— १२—१५ इंच— का काटा गया है— और काटने वाले गलती से काटे इस लिये— इन— लोगों के ऊपर नालिश— दायर नहीं किया— और उस रांड नम्बर ४८९ का— परचा भी नहीं है— और ये तोरवा साहू रिजिस्टरड सेटेलमेन्ट के समय— खोरा का— परचा में दर्ज भी नहीं हुआ— और मैं काटने वालों से गारद का दाम— और हमार जाने आने का तोसी नाडा भी ६/ छः रुपैया— कबुलवा कर छोड़ दिया—

१२ अक्टोबर १९४२ ई० रुन्दुरी सरजामीन का— रिपोर्ट

नम्बर २९२०/४२/F ६३

रुकरा— से लौट कर तावेदार ता० २४-११-४२ ई० को रुन्दुरी में रह कर मौका कहना— गया— सरजामिन जाने— से पाया गया को महतो पाहन— सिर्फ अपना रांड को जोत लिया— कालिराम के हिस्सा रांड को जोतने से छोड़ दिया— रुन्दुरी— का— प्रचारक— इराहीम कैला को पूछा कि— हमें का रांड को काहे नहीं जोतवाया— हो— प्रचारक— साहेब— बोला को काम— काल— दाम देने से— जोतने वाले नहीं मिलते हैं— तावेदार— रिपोर्ट देकर जना देता हूं— अब उस रांड को महतो पाहन— छोड़ दिया—

D. Topno

2/12/1942.

Pahnidar's file

copy forwarded

To The manager G.E.L.
Church Property.

D T Jo[illegible]

To

The C. C. Secretary Ranchi

Tour Diary for November 1942

२१-११-४२ रांची से टकरमा गया, लोरी गाड़ा मवरमालक का 2/
और—मौजा बरसोली—गया—बाबू ~~रत~~ हेसान हेड्रेन हेडमास्टर
और—मुसाफ घोरो प्रचारक—के—साथ—गाछ सारखु—का—
३ गाछ मारा हुआ—को देखा—देखने से मालूम—हुआ—
के—मालिक का—रांड प्लाट नम्बर ४६१—के—मालिक उतरवाला
में रम मारा—गया—देख कर टकरमा वापस—आया—

२२-११-४२ टकरमा में रहा—(Sunday) गाहनी पर्व मनाया—और
३ बजे—समय—दिन—बरसोली गया जहां—की—३ तोक्या—
मारा—गया—था—उस—से कई गवाह—हाजिर आये—
और बात किया—उन्हों ने—गाछ—का दाम—और
मेरा—लोरी गाड़ा आने जाने का दे दिया—इस—से उन—
लोगों—के—उपर मोकदमा—नहीं किया—और—इस
जमीं—का—मालिक रायड़ को बतलाते हैं—यह मामला
रिजिन—सरटेफिकेट का नहीं है—

२३-११-४२ टकरमा से—खूंटी आया—२ बजे पहुंचा—और खूंटी—ही में
रह गया—

२४-११-४२ खूंटी में रह कर आदमा—गया—और कमला का मजू माहतो
से झगड़ा था—उसी रांड को माथो मारता छोड़ दिया—अपना
हिस्सा जोत लिया—इन—लोगों—का—रांड को छोड़ दिया—

२५-११-४२ सरवादोली गाडी—के—पास रथ मेला—को आजवराइ
जान—ठीक—से मालूम—किजिये—और खूंटी—तोरपा
आया—

D. Topno Tahsildar
2/12/1942—

To

The C. C. Secretary Ranchi

विशेष रिपोर्ट—

नम्बर २४८८/४२

बमोजिब हुकुम— ताबेदार ता॰२१-११-४२ रुकरमा गया—

~~और~~ और साम्ह— को रुकरमा का हेडमास्टर—बाबू हेरालहेडेन और जुलफ होरो प्रचारक—रुकरमा के साथ— बरटोली सरजमीन— गया— सरजमीन जाने से यहाँ पाया गया कि— इसारबू का तोरवा— १२-१४ इंच का काटा गया है— और काटने वाले गलती से काटे इस लिये रु१—लोगों के ऊपर नालिश— दायर नहीं किया— और उस रांड़ नम्बर ४२१ का— पता भी नहीं है— और ये तोरवा रारबू रिलिजन सेटेलमेन्ट के समय— खेरा का— परचा में दर्ज भी नहीं हुआ— और मैं काटने वालों से गारद कराया— और रमार जान माने का लोरी गाड़ी भी ह्/ बाद रुपैया— कबुलवा छोड़ दिया—

१२ अक्टोबर १९४२ ई॰ खूंटी जामीन का—रिपोर्ट

नम्बर २१२०/४२/F ६२

रुकरमा के लोर का ताबेदा ता॰२४-११-४२ ई॰ को खूंटी में रह कर मौका कायम गया— सरजमीन जाने से पाया गया कि सबा पाहन— सिर्फ अपना रांड़ को जोत लिया— कलिशा के दिशा रांड़ को जोतने से छोड़ दिया— खूंटी का प्रचारक इशाहाक कैला का कुकुर कि— हमें का रांड़ को कोई नहीं जोतवाया—हो— प्रचारक साहेब बोला कि काम करने दाम देने से— जोतने वाले नहीं मिलते हैं— ताबेदार रिपोर्ट देकर मना देता हूँ— अब उस डांड़ को सबा पाहन छोड़ दिया—

D. Topno
2/12/1942.

Tahsildar's file

The Supr.
14-12-42
[illegible]

To
The C. C. Secretary
Ranchi

महाशय

आप को जनाया जाता है कि
मौजा खुरटोली का - २ खाता
ज़मीन जिस को Rev. Daud Sang
और Rev. Lucas Topno को ठेका
3 बरस के लिये दिया गया था
मियाद खतम है - इस के लिये
मुनासिब हुक्म दिया जाय

आप का विश्वासी
D. Topno.
14.12.1942

Th[illegible] 14-12-42
[illegible signature]

To
The C. C. Secretary Ranchi

महासाय

आप को जनाया जाता है की मौजा
डोम्बाद का दोन चंड़ 3 बरस के लिये
मेरा जयइल मुण्डा को दिया गया
था नियद रखता है। ~~लेकिन~~
~~वहां का जमीन रैयातों के साथ रिलिजन~~
~~सेटलमेंट में आबादाद रखता बना है~~
~~उहीं ह रैयातोंग से आबादबाई~~
~~दूसरे से कासुल आने के लिये~~
~~इस्तेमाल किया जावे~~

D. Topno.
14-12-1942

To [illegible] 14-12-42 [illegible]

The C. C. Secretary
Ranchi

महाशय

आप को जनाया जाता है कि मौजा लालो का खेत नं. प्राइ० इत्यादि त्रिड़ो को 3 बरस के लिये ठीका दिया गया था नियाद खतम है। मुनासिब हुकुम दिया जावे -

आप का विश्वासी
D. Tappo.
14-12-1942

[illegible] - [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] है

[illegible] हैं

[illegible]

[illegible] है - [illegible]

है - [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] - और [illegible]

[illegible] - [illegible]

[illegible]

और [illegible]

[illegible]

[illegible] है - [illegible]

[illegible]

POST CARD

ADDRESS ONLY

9 PS — INDIA POSTAGE — 9 PS

[illegible]

લખું છું. ભાઈ શ્રી [illegible] આપે પાટણમાં [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] ઈન્દોર [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] – [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] — લિ: [illegible] [illegible]
[illegible] — તા: ૨૬-૨-૪૩ ઈ:

63 Lohardaga

31-8-1942

सेक्रेटरी महासाय को मेरा
धन्यवाद — मेरा प्रोग्राम
कुछ लोगों कारण रांची देहात
में रैलियों से प्रोग्राम मेरा
विरुद्ध काम नहीं हो सकता
है — मेरे मौजा का चालविदुरी
हिन्दुस्तानी के स्वतन्त्रता के 1942 के
स्वराज्य आन्दोलन में लिया हूँ
में कारण 31-8-42 ई. को
गिरफ्तार होता हूँ अब यहां
जाने से नहीं होगा —

इसलिए आन्दोलन का रांची
जाएगा — आपका प्रेम-से —
Daniel Topno.

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE

9 PS

RANCHI

C. C. Secretary

G. E. L. church

Ranchi

To
The — C. C. Secretary Ranchi

Date
15-8-1942

महाशय —

(१) चाह बागान का — हर मजदूरों — का नाम

I उरेन बाबु — २६)
II इमानुएल टोप्पो — ३)
III नवरानपुरनो — १॥)
IV जोहरा गोड़ाइत १)
V सुलेमान [illegible] १)

२२५)

मास्टरों का नाम	तलब	मजदूरी
I हाकिम लोगा	२५)	२॥)
II मरकस साहेब	१५)	१॥)
III अभिराम साहेब	१५)	१॥)
IV प्रधान सवाइया	१५)	१॥)
V [illegible] साहेब	१०)	१)
	८०)	८)

(२) मजदूरों का — खर्चा — जो महावारी तारीख — होता है मास्टरों का तलब — और धरमशाला — और कर्मों का — खर्च — में खर्च होता है

(३) छोटा नागपुर [illegible] लोग [illegible] और ६०) का ३५) खर्चा मांझ का D. M. pana के पास भेजते है

53

To

The S. O. Secretary Ranchi

[illegible]

[illegible] — E. K. Vengra [illegible]

[illegible]

Daniel Topno. Tahsildar

Sanctioned
Th. Sasin
15/8
[illegible]

Bgf 39(b)
C.C. Ex.
Thd. 22-8-42

63

Tuur Programme of Tahsildar Daniel Topono.

Church Council
Received 15-8-42
Register No. 2
Date 15-8-42
File 63
Reply No.
Date

15-8-42	Dami
16-8-42	Do
17-8-42	Do
18-8-42	Bundu
19-8-42	Ranchi
20-8-42	Ranchi
21-8-42	Sero
22-8-42	Do
23-8-42	Murto
24-8-42	Dumri
25-8-42	Lohardaga
26-8-42	Gadripara
27-8-42	Lawagain
28-8-42	Jingi
29-8-42	Do
30-8-42	Maiti
31-8-42	Ranchi

D. Topno.
15-8-42
Tahsildar
G.E.L. Church Properties,

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
રાજકોટ
પો. ઓ.: રાજકોટ
[illegible] ગાંધી

POST CARD

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE 9 PS NINE PIES 9 PS

9 AUG [illegible] P.M. RANCHI

To, The Hon. Secretary
Lutheran Church Council
Ranchi
P.O. & Dist. Ranchi

રાજકોટ
તા: ૭-૮-૪૨

[illegible]
[illegible]

મહારાજ—

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ૧૨ [illegible]
[illegible]
[illegible]
૧૨ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

To.

The - [illegible] Secretary Ranchi

महाशय

खुखीटोली का जंगल बिक्री करने का हुकुम पास हो गया है। लालचन्द महवाड़ी सिमडेगा को मुताबिक दरख्वास्त के १२ गाछ साखू का दे देवें — जब ती यह हमों के बिक्री का जो रेट होगा उस दाम को कमार मंजूर रहेगा तो —

Daniel Topno
Tahsildar
Ranchi
15.8.1942

मौजा मरचा थाना तोरपा खाता नम्बर ८७

खाता नम्बर	रैयातों का नाम	माल	शेष	कुल जोड़	जमीन्दार सेदन	चौकीदारी	बकाया काबुल	बकाया काबुल	बकाया वापी	बौद्धिक [illegible]
१	२	३	४	५	६		७		८	
८४	लुथु दारा	११)	।।।	११)।।।				६।।।=।।	११)।।।	१९३९ से १९३७ डिगरी
८५	कलुआ पाहन	२।।)	७।	२।।७।			२।।७।	४=।। २)		१९३९ से १९३६ १९३६ २०-१२-४१ २।।७।
८६	मङ्गरा पानी	३।।)	=	३।।=					३।।=	
८७	मोहन पानी	३।।)	=	३।।=				६)	४।।=।।।	१९३९ १९३७ ४।।=।।।
८८	मेघु साहु	११)	।।।	११)।।।				८=।।	११)।।।	१९३९ से १९३७ डिगरी
८९	मेघु साहु	६=।।।	।	।)					४।।=	डिगरी १९३९
९०	पंजा कमेरा	।।।=	।।	।।।=।।			।।।=।।			
९१	पुशा दारा	१।।=।।	।।।	१।।=				८=।।	१।।=।	१९३९ से डिगरी १९३९
९२	~~[illegible]~~ पौलुश पाहन	~~[illegible]~~								
९३	बंधु पाहन	।।)	।	।।)।			।।)।			१९३९ से
९४	लोधो मुण्डा	१)	।।	१)।।			~~[illegible]~~		६=।।	१९३९ से १९३९
९५	शनी राजोहन	११)	।।।	११)।।।			११)।।।	१७।		१९३९ २०-१२-४१
९६	मधुरा साहु	११)	।।।	११)।।।				६।।=।।	११)।।।	१९३४ से डिगरी १९३९
९७	हाथ्य बड़ाइक	११)	।।	११)।।					८।।=।	१९३९ १९३९ ११)।।।
९८	बोधु पाक	११)	।।।	११)।।।					८।।	१९३९ १९३९ २)।।।
२१०	बहोरा बड़ाइक	११)	।।।	११)।।।				८=।।	११)।।।	१९३९ से डिगरी १९३९
२११	दाउद मुण्डा	७	।	७।				~~[illegible]~~	७।	१९३९
२१२	शुलाव साहु	११)	।।।	११)।।।			११)।।।			
२१३	मोहन रवल	२।।)	७।	२।।७।					१३।)।।	१९३९ से १९३९ १९३९ १०।।=। २।।७।
२१४	बुधरा कोंगाड़ी	।)	।	।)।					१।।।)।।।	१९३४ से १९३९
२१५	~~[illegible]~~ लोधो मुण्डा	११)	।।।	११)।।।			~~[illegible]~~ ४)।।।			
२१६	लाहुल बड़ा	११)	।।।	११)।।।			११)।।।	६।।=।।		१९३९ से डिगरी से १९३९
	रघु लोधा सपार	११)	।।	११)।।			११)।।			
	पौलुस पाहन	१५	।।	१५।।			१५।।	११)।।		१९३७ १९३९ १५।।
	इलिया सपार	।।।=	।।	।।।=।।			।।।=।।	।।।=।।		१९३९ १९३९ ।।।=।।
		३३५।	१५।	३४।।)।।			~~[illegible]~~ १२७।।	८२।।।।	~~[illegible]~~ ६९।।	४।।=।

~~[illegible]~~ ~~२४।।।~~ ३५।।)।।

Arrears of all of 1998. Except Khata Nos. 87, 898-97-98-213 and 214.
[illegible] 29/7/42

मौजा मझखाना लोहेपा थाना नम्बर ६१

मसिमपाल

खाता २०६	प्लाट नम्बर	धान १	धान २	धान ३	धान मिजान	रबी I	रबी II	रबी III	रबी मिजान	मोजान मिजान धान व रबी	
	४१७			५४							
	४१८		१-२६								पाण्डे Sharandasgiria
	४२३		८८								
	४२४		८९								
	४२५	२·३१									Only W.S Rs1/8/-
	४२७						१·८६				
	४१९		२९								धान शोक १॥/
	४२०	८०									मालिक लोहेपा
	८	३·२१	३·४२	५४	७·१६		१·८६		१·८६	९·०२	४२२ ३२/ ढोरा ४२१ आयबार
खाता २०५	प्लाट नम्बर ८६३	~~८६३~~		१२६							
	८६४	~~८६४~~		१५							
	८६६	~~८६६~~					१३				
	८७५	~~...४४~~ ४४									
	८७६	~~८७६~~	२७								लोहेरा पाहन
	५	४४	२७	१४१	२-१२		१३		१३	२-२५	आयबार
	२२२०			७८							४-७१
	२२२१							३३			~~२-२५~~ Rs 66॥/॥
	२४१३						४२५				६-९६ the price of paddy.
	२२४१			३४							
	२६०७	१९३									धान मालगुजारी
	२६०८	८७									१॥/
	१७६						८०				
	१७५						५७				
	१५७४			२२							
	१५७५							०६			इलियास पाहन =
	१०	~~१२८~~ २७८		१ ३४	~~१·२२~~ ४·१३		५६२	३९	६-११	~~१०·४४~~ १०-२४	ढोरा २॥/ रुपैया ले

/5.

नाम मौजा र्चा थाना लोरपा नम्बर र्दि

खाता नम्बर २१७ — जसुवा कोदरा देo कमडारा — २२-६० — २०)

खेसर नम्बर ६ — तरदिल

१२६६ — ११॥)॥ कैलाती माहे

कबाल — ६२)॥।×

१२६६ — ४॥)।

देरा — १०) जसुवा कोदरा
for Barod L.

देरा — ३२) मारिन से

देरा — २०) इलियाल से

माल विक्री से — ७०॥)॥×

र्चा से
२१६॥)।

जिनोदारो का देन — १॥)

नमिनाथ लेल — १॥)

गुरदास मनगनाम — १॥)

२१॥)

चौकीदारी टैक्स — २॥) इनसाफ ...

२४॥)

[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]			[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]	[illegible]
				[illegible]	[illegible]

Annual

Income from - Rents from raiyats - Rs 33/6/3

" " cess from raiyats - Rs 1/2/3

" From thika (Har Bandh) - - Rs 10/-

" From Majhias lands - }
Thika — } - Rs 32/-

" " Bhuinhari lands + - Rs 20/-

Rs 86/8/6

" from Adhbatai from majhias lands:-

" " " " Bhuinhari lands:-

[illegible signature]

मौजा जुनका छपर थाना कुरडेग थाना नम्बर

खाता नम्बर	रैयातों का नाम	माल	शेष	जमा लगान	कुल वसूल	बकाया वसूल	बाकी	
८७	डोडे उरांव	५।।/	≡	५।।≡	५।।≡			
८८	दानिएल उरांव	३≡	८।।	३।/।।	३।/।।			
८९	कुरजन चीक	३/	७।/	३९/।।	३७/।।			
९०	पौलुस उरांव	३।≡	७।।	३।≡।।।	३।≡।।।			
९१	बाबूराम उरांव	२७	७	२≡	२≡			
९२	बाबुराम उरांव	३≡	७।।	३।/।।।	३।/।।।			
९३	बुद्धु उरांव	४।।≡	३।	४।।≡।	४।।≡।			
९४	मुगमु उरांव	३/	५/।।	३≡/।।	३≡/।।	१≡		१८९९
९५	मसीहदास उरांव	१।।/	।।/	१।।/।।/	१।।/।।/	१।।≡।		१८९७
९६	मना उरांव	५≡	३।।	५≡।।	५≡।।			
९७	मंगा उरांव जोहन	१।।≡	७	१।।≡			१।।≡ for 1998	
९८	रतिया उरांव	१।।≡	७	१।।≡	१।।≡			
९९	सुना उरांव	३।।≡	≡	३।।/	३।।/			
१००	हाबिल उरांव	२≡	७।	२≡।	२≡।			
१०१	सोहरा उरांव	१।।/	।।।	१।।/।।।	१।।/।।।	३।/।।		
		४६।।≡	१।≡।।	४८≡।।	४६।≡।।	६/ ।।। 6/-/9	१।।≡	

Contributions for 87001

४६।≡।।
६≡ ।।।
५२।।/।

मालगुजारी ७।।

D. Tapono.

28. 7. 42

मौजा गड़ियाजोर (सांपर) थाना कुरडेग

खाता नम्बर	रैयतोंगका नाम	मफ्ल	शेष	कुल जमा	वसूल १९३९	बाकी	बाकी
३९८	एग्रेस उरांव	४॥।=)	=)॥	५)॥	५)॥		
३९९	इसाहक उरांव	१॥।=)	=)	२)	२)		
४००	करम कवर	४॥।=)	=)।	५)॥	५)॥		
४०१	छोटा कोनचे	~~२)~~	~~=)॥।~~	~~२)=)॥।~~	~~२)=)॥।~~		
४०२	कोनचे उरांव	६=)	=	६।=)	६।=)		
४०३	कुदरा उरांव	१।।)	।॥	१।।)।॥	१।।)।॥		
४०४	मोटल उरांव	४)	=)।	४=)।	४=)।		
४०५	मोका उरांव	॥)	।	॥)।	॥)।		
४०६	डोमेयो उरांव	४॥।=)	=)॥	५)॥	५)॥		
४०७	डोमेयो उरांव	२)	)	२)	२)		
४०८	तेम्बा उरांव	४)	=)	४=)	४=)		
४०९	तेम्बु उरांव	१॥।=)	)	१॥।=)	१॥।=)		
४१०	पाउल उरांव	१=)	।॥	१=)।॥	१=)।॥		
४११	पतरस उरांव	३)	=)॥	३=)॥	३=)॥		
४१२	फिलिप उरांव	१)	॥	१)॥	१)॥		
४१४	बोधा उरांव	४।)	=)॥	४।=)॥	४।=)॥		
४१५	बोधा उरांव	॥)	।	॥)।	॥)।		
४१६	मइनु	१॥=)	)	१॥=)	१॥=)		
४१७	मइनु उरांव	।।।)	॥	।।।)॥	।।।)॥		
४१८	कुनु उरांव	२)	)	२)	२)	४॥)	
४२०	मतियास तुका	१।)	॥	१।)॥	१।)॥		
४२१	मतियास उरांव	१=)	॥	१=)॥	१=)॥		
४२२	मादुइ उरांव	३)	=)॥	३=)॥	३=)॥	३॥)॥	
४२३	रतो बिसां मामी	१॥।=)	)	२)	२)		
४२४	रच्चा उरांव	२॥।=)	=)॥	३)॥	३)॥		
४२५	लेदवा उरांव	३)	=)॥	३=)॥	३=)॥		
४२६	लेदवा उरांव	२।=)	=)।	२॥)।	२॥)।	२॥=)।॥	
४२७	लेदवा उरांव	१॥)	)	१॥)	१॥)	।=)	
४२८	सिमोन उरांव	६॥)	=)।	६॥)।		)	१०॥)।॥
		६५॥=)	२॥=)।॥	६५=)।॥	६५॥=)॥	[illegible]	१०॥)।॥

१९३९
४॥)

१९३९

१९३९
२॥=)।॥

१९३९
।=)

१९३९
४)।

१९३९
२॥=)।॥

Checked & found right.
[illegible] 8.00

D. Toppo
28.7-42

मौजा गड़ियाजोर (सांवा)

खाता नम्बर	रैयतोंका नाम	माल	शेष	कुल	कारवाई	बाकी	बाकी
		८४ [illegible]	२ [illegible]	८ [illegible]	२ [illegible]	[illegible]	१० [illegible]
४२८	सिमोन उरांव-	[illegible]	[illegible]	[illegible]			११ [illegible]
४३०	शुकरद महतो	४ [illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		
		८९ [illegible]	२ [illegible]	८४ [illegible]	८६ [illegible]	[illegible]	१२ [illegible]

१८ [illegible]

१८ [illegible]

Daniel Toppo

28.7.42

[illegible]

१०४ [illegible]

63

To

the C. C. Secretary Ranchi.

Th.[illegible]
16-9-42
Hony Secy

Tour Diary August 1942

१२-८-४२ चाईबासा में रह कर कचहरी से मौजा तुन्तुर को
बेड़ा उरांव का सेटलमेंट नकशा खरीद किया
और वहां का पादरी C. K. Vengra से चाईबासा
मिशन कम्पाउंड का बेरव नाप लिया और पादरी
से वहां जा कर मंडलियों का [illegible] का
रोकड़ मंगा और सांझ को चक्रधरपुर आया

१३-८-४२ चक्रधरपुर में पादरी मरकुस तोपनो से वहां
जा कर मंडलियों से हिसाब मांग कर कागज
लाया और सांझ को लॉरी से रांची आया
और कागज जमा कर सेक्रेटरी साहेब को दे दिया

१४-८-४२ रांची से बानो गया और ज्ञान बिक्री के लिये
गाहक तलाश किया

१६-८-४२ बानो में रहा Sunday

१७-८-४२ बानो में रह कर १ मोरा ज्ञान बिक्री किया

१८-८-४२ बानो में रह कर ज्ञान बिक्री किया

१९-८-४२ बानो से रांची आया

२१-८-४२ रांची से नामकुम इस्टेशन गया और रात
को वहां ही रह गया

२२-८-४२ वहीं जा कर डुमरी गया असिस्टेन्ट मनेजर के
साथ पादरी इम्मानुएल कुजूर और उस गांव
समुएल कुजूर के पास रुपैया नहीं मिला

२३-८-४२ असिसटेन्ट मनेजर के साथ सुरतो गिणा गया
था — sunday गिणा के बाद — वहां के पंचों
के साथ — रांड़ जमिन — और सेमल गाछों का
घेरवा —

२४-८-४२ सोरो मौजा में मैं तो बिमार हो गया —
असिसटेन्ट मनेजर धान — बिक्री — किया —
ग्राहक — बहुत — कम — थे —

२५-८-४२ शोरो में असिसटेन्ट मनेजर धान बिक्री किया
और ग्राहक — नहीं — थे —

२६-८-४२ शोरो में रह — कर धान बिक्री — किया —

२७-८-४२ औजान — औजान —

२८-८-४२ सोरो में रह — कर ४ गरीबा खोज कर
बेआसी बाजार धान बिक्री — के लिये गये — थे —

२९-८-४२ सोरो में धान बिक्री खतम कर सांझ को
रेल से — लोहरदगा गया —

३०-८-४२ लोहरदगा में रहा — (Sunday)

३१-८-४२ लोहरदगा में रह कर — रुपैया मनिआडर
किया — और सांझ — को गडरी पाड़ा पहुंचा
बहुत — पानी — था —

१-९-४२ मौजा गडरी पाड़ा में धान — बिक्री — किया —
और दूसरी बेला — मौजा लावागांई आया —

२-९-४२ मौजा लावागांई में रह — कर धान बिक्री किया
और मौजा बिंडी आया —
३-९-४२ मौजा बिंडी में रह — कर ग्राहक न — मिलने के
कारण से कुड़ बाजार गया — धान बिक्री — का
भाव — जांच — करने — के — लिये —

४-९-४२ जिंगी में रह कर खाना- खिचड़ी- किया और दूसरी बेला
मन्दर आया—

५-९-४२ मन्दर से माल्दी गया— और मालगुजारी डिमारी
गुवा— का तहसिल— गया— और सांझ को
रांची— आया— लारी से—

D. Toppo
15-9-1942

To

The C. C. Secretary Ranchi

विशेष रिमार्क-

१ चाईबासा जिला घर छत- बेदी तरफ का-छत-
और खास बेदी का- छत- बिलकुल खराब- हो गया
जल्दी रिपेयर नहीं- होने से गिर जाने का खौफ है
बेदी तरफ का परदी- जाड़ जिस पर खपरा- है सड़
गया- स्थानिये- आदमी-से- थोड़ा थोड़ी खुचड़ा।
मरामत- होता- है। लेकिन जिला घर छत-को-
खोल कर मरामत करना- बहुत ही जरूरी है
क्योंकि- खपरा नहीं- ठहरता- है

२ खिड़की- जिसक खा के खराब हो गया- बहुत-
पुराना- होने-से- लकड़ी इत्यादी सड़- हो गया-
मरामत- करना- बहुत ही दरकार है-

३ बड़ी बाजार का २ मकान- प्राय: अच्छा- है लेकिन-
१ मकान- टूट गेया- आदमी रहने के लायक- नहीं है

४ चाईबासा छोटा बंगला का मोटोर गेरेज गाद्द जमीन-
नीचे खराब- हो गया- मरामत करने का अति दरकार है

५ चाईबासा छोटा बंगला जिसका ३५) रुपैया भाड़ा मिल
रहा- है- बांस का बाता बिलकुल सड़ गया- है-
खोलों भी- सड़ गया- है- मरामत- करने का-
बहुत- ही दरकार- है-

१ मौजा धामी में २०५ मन धान का प्रमाणक [illegible]
बतलाया — १२॥ सेर-का-१३ सेर के दर से बिक्री किया
यह आमदनी ४१६ रुपैया हुआ था — धान छीन-रा- नहीं
ऐसा भ हुआ था रसे कुछ धान सोकती हुआ

२ मौजा सेड़ो में ५०॥४ पैला धान था धान छीन-रा
नहीं ऐसा था कुछ धान खराब हुआ और
धान [illegible] के दर से बिक्री हुआ साढ़े १० आना के पैला
से ५१ रुपैया १२ पैला और ११। सावा ग्यारह आना
के पैला से १२ पैला और आधा धान १४ आना के
पैला से १६ पैला बिक्री किया जमा १४७। एक सौ
सैंतालिस रुपैया साढ़े चार आना हुआ था और
कुछ धान शोकती हुआ

३ — मौजा मुरलीबाड़ा एक आदमी [illegible] वहां का [illegible]
[illegible] प्रमाणक १० आना के पैला से ३ आठ रुपैया
धान लिया था धान हुआ था ६ [illegible] रुपैया
[illegible]

४ मौजा [illegible] १० आना के पैला से १६ सोलह पैला धान
का [illegible] ३१ रुपैया हुआ था
१० आना के पैला से ५१ रुपैया २० पैला के दर से
बिक्री किया ३६ पैला शोकती हुआ

५ — मौजा [illegible] का धान ३२ [illegible] बतलाया गया था
१० आना के पैला से २१ पैला के दर से बिक्री किया
कुछ धान शोकती हुआ

६ — मौजा [illegible] से [illegible] रुपैया ६२॥) + ७। = ६९॥)

N. Song के पास रुपैया वारिसदार किया—

१—	सेरी – गाय – का – ४० ई.	४)
२—	रानी रुपैया —	३०)
३ —	धानी —	५८)
४ —	सेरी – धे —	१४६)॥
५	गाड़ी भाड़ा से —	६।≡
६—	लावागाड़ —	३१)
७ —	गोंगी —	१३६।)
८	रांची उरावन लगाड़ी —	२॥)
९	राम साड़ी धान —	३)
१०	भाड़ी — किराड़ी २२०	६२॥)।
११	,, नाइरियल —	६)।
		४८९।।।)

खर्च —

१—	N. Song लगोसार	८०)
२	N. Toppo	४६) N. Song को मिला —
३	भाड़ा खर्च —	३१≡।।।
४	मालविक्री खर्च	८)।
५	मालगुजारी —	१३≡।।। – लगायत – गोंगी गाड़ी भाड़ा —
६	मोटर जल —	१॥।)।
७	चिजो का दाम —	१)
८	नकरा — का दाम —	२)
९	सामान भाड़ा	=)
		१६६॥≡।

४८८।।।)
१६६॥≡।
———
३२२)।।।

D. Toppo — तीन साव – बाइस रुपैया तीन पैसा वारिसदार हुवा

मौजा कोरोंजो
थाना बेडार यागर
थाना नम्बर १४७ जीला रांची
स्केल १६ ईंच १ माइल

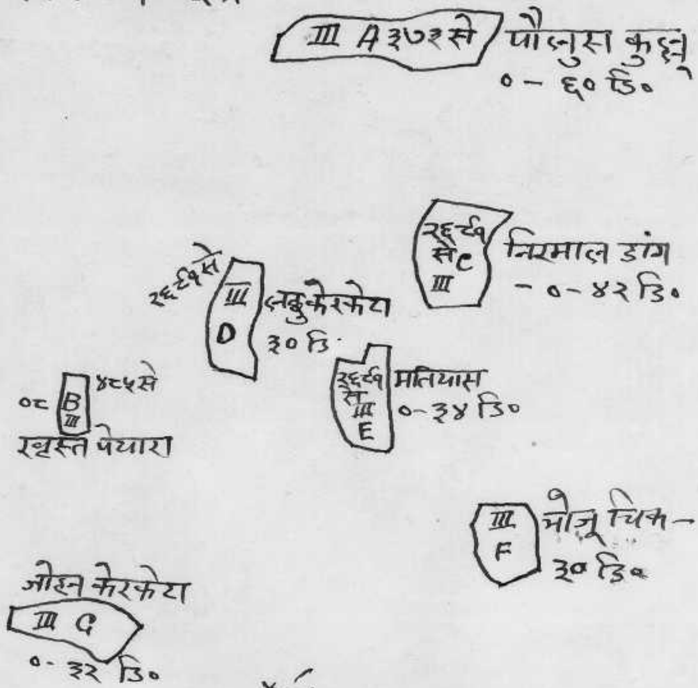

D. Topno.

- ६०
- ०८
- ४२
- ३०
- ३४
- ३०
- ३२

२ · ३ ६ टोटल रकबा

To

The C. C. Secretary Ramesh

Tour Diary for october 1942:

६-१०-४२ रांची से — खूंटी गया — रिक्सा द्वारा पादरियों का कार्यभाव लेकर ४॥ बजे — खूंटी पहुंचा — पानी बरसा १२ बजे रात खूंटी से — २ बैल गाड़ी खोज कर गाड़ीवानों को बैल — दिलाया —

८-१०-४२ ११ बजे — गोविन्दपुर पहुंचा गया — और गाड़ीवानों को १२) रुपैया — दे दिया —

खर्च — रांची रिक्सा कुली =)
" खूंटी से लोटे भाड़ा — ।।।=)
" लागेज — भाड़ा — ४॥=)॥
खूंटी से गोविन्दपुर बैल गाड़ी भाड़ा — १२)

१७॥=)॥

९-१०-४२ गोविन्दपुर से — उड़िकेल — गया — बाबू जयपाल हेमरोम प्रचारक — के पास — लेकिन — उस रोज — रुपैया — नहीं — दिया

१०-१०-४२ जरियागढ़ — का — ठिकेदार परसुराम बैध — के पास गया — २८) उन्होंने रुपैया — मिला — और उसी रोज — बाबू जयपाल हेमरोम — प्रचारक — जी — पादरी साहेब — जिनों लिया से ६४) रुपैया — मांग कर रुपैया — लिया — सांझ को गोविन्दपुर से रांची आने का — रास्ता था। रात को रास्ते में रह — गया

११-१०-४२ रांची पहुंचा —

२९-१०-४२ १२ बजे — गोविन्दपुर से उड़िकेल — गया — और उड़िकेल से मुरहू गया — गोविन्दपुर का — चेमा मैन — पादरी लुकस तोपनो के साथ — पर मुनसि — मुण्डा उस रोज — निराश में था —

३०-१०-४२ मुरहू गया — कई भाइयों के साथ — बहुत समझाने पर ६३=)३ का रसीद लिख — दिया — १९३९ से १९४२ तक का मुनसि मुण्डा के साथ — कई बरसों — से झगड़ा था —

તા - ૩૧ - ૧૦ - ૪૨ ઉડિકેલ - શે નામદાર - આપ - મહારાણા - સાહેબ - ના -
તાહશીલદાર - નો - માલગુજારી દેન - રકમ્મા હાલાકમ્માંઃ
ના - વાજબિત - તે માલુમ - હુકમ - તાહશીલદાર સાહેબ
રાખી આઈ છે -

D. Toppo

To

The . C. C. Secretary Ranchi

Tour Diary for November 1942

१-११-४२ [illegible] से [illegible] गया — (Sunday)

२-११-४२ [illegible] में रहा — [illegible]
[illegible]
[illegible] — और [illegible]
[illegible] २० [illegible]
[illegible]

३-११-४२ [illegible] से [illegible] गया — सांझ को पहुंचा —

४-११-४२ [illegible] में रहा — [illegible] S- Buge
[illegible] — और [illegible]
[illegible] — और [illegible]
[illegible] — और [illegible]

५-११-४२ [illegible] से [illegible] गए — और [illegible]
[illegible] —

६-११-४२ [illegible] में रह — [illegible] — पादरी Luther
Kongari [illegible] है — [illegible] — पादरी Luther Kongari
[illegible] — २० [illegible] — [illegible] है —

७-११-४२ [illegible] — और [illegible]
[illegible] है — [illegible]
[illegible] है — [illegible] —

८-११-४२ [illegible] में रहा — (Sunday)

९-११-४२ [illegible] में रह — ३ [illegible]
[illegible] है — [illegible] — और [illegible] —

१०-११-४२ [illegible] में रह — ४ [illegible]
[illegible] है — [illegible] —

११-११-४२ [illegible] में रह — [illegible]
[illegible] L. Kongari [illegible] —
[illegible] —

~~१२-११-४२~~ — [illegible] से [illegible] — [illegible] S-D-O [illegible]
[illegible] —
[illegible] —

१२-११-४२ स्कूरी टोली को कमडारा जाने के लिये स्कूरी टोली
बंगला से सड़क आये पर उस रोज लारी ही
नहीं गया था लगा हो के दिन बंगला लौट
आये —

१३-११-४२ स्कूरी टोली से कमडारा आये सांझ को कमडारा
पहुंचा — लारी से रांची आना [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] परिचय में है

१४-११-४२ कमडारा से दिन [illegible] [illegible] [illegible] पर कहां
से [illegible] [illegible] [illegible] कि — रांची आई —

१५-११-४२ (Sunday)

१६-११-४२ को इतवार के कारण लारी नहीं पकड़ने सका —

१७-११-४२ ई० कमडारा से रांची आये — [illegible] रांची पहुंचे —

D. Topno.
19-11-1942.

To The C-C. Secretary Ranchi

વિશેષ રિપોર્ટ—

ગોવિન્દપુર ઇલાકા—કે મુરુર ગાંવ— કા— જમીન-ધાને-વો ચાંદ ૨૨-સ્ટ્રીટ
મૈત્રિકેલ-સાહેબ- મુકદ્દારી જમીન- ખરીદા- હૈ— જિસકા- માલગુજારી
સબિજ્ઞ- શ્રેટલમેન્ટસે રિમોન સેટલમેન્ટ તક- જરીયા ગઢ કે-ઠાકુર સાહેબ
કો-કો માલગુજારી દિયા-જાતા-હૈ— / લેકિન- રિમોનલ સેટલમેન્ટ
ખેવટ- ઇસતરહ- બન-ગયા-હૈ-કી— વોઇ બોર્ડ ઘ્રાસાઇજ- મુનાસમુન્ડા
કો— માલગુજારી વો-એક-દેવે— ઔર મુનરા મુન્ડા- ઠાકુર
સાહેબ-કો દેને-કો લિખા-ગયા-હૈ— ઇસ કારણ સે માલગુજારી
બાકી રહ ગયા— થા— ઔર-

ખાતા— ૨૦— મુનરા મુન્ડા ૪-એકડ ૦૨ ડી— આબાદ રાઇ
" ૨૧ રામા " ૪ " ૬૧ " "
" ૨૨ સોમા " ૧૨ " ૬૨ "
૨૨ — ૨૨

મુનસ મુન્ડા— રામા મુન્ડા— વો સોમા મુન્ડા-સે આબાદ રાઇ ચાલ લેતા
રહા— ઔર ઇતના સમય— રિમોનલ-સેટલમેન્ટ સે અબ-તો ચાલ
આબાદ રાઇ— નહીં દેતા રહા— ઔર માલગુજારી-કા રસિદ ભી—
નહીં દેને ચાહતા-રહા— રસીદ ગાંવ- પંચ- ઔર મોબા નમને કે
માનસિંહ આઇન્દ- ઔર પટોરકે- ગુસ્સે અનુકુલના કઈ ગાંવો કે—
સાથ— પંચનામા-વા પ-બરસ કા— માલગુજારી લેકર - રોઇર સાર
કા રસિદ લિયા— [illegible] વર્દીયા-સે-સમવત-વર્દીય તક-સલિયાના
માલ ચૌદમાઇ ઔર શ્રેસ- ૩॥) ચોપાઇ— જમા— હુઆ— દ૩ ≡ રુપાઇ—
અબ મુરુર-કા— ઝગડા— સાફ— હો ગયા- અબ-સલિયાના ૧૬॥)૩
બરાબ દેવે જાને હોગા— પંચનામા-મેં રહા- હુઆ— ૩/ રૂપૈયા

રકસમા- હાતા- કમ્પૌડ-

રકસમા- હાતા કમ્પૌડ- આગે નાગા- મહારાજા સાહેબ-કો ચા) માલગુજારી
દેને કો હૈ— પર- ઇરાદા- પાના હમાર પાસ- નહીં હૈ— સુનને મેં
આયા હૈ— રકાના બેબા (મેન- Rev. S. Kula) કે પાસ હૈ— તીનબરસ
હોતા હૈ મત સેક્રેટરી N. Tapno [illegible] ઇનકા માલગુજારી દેન વો તાહસિલદા (હિસાબ-
કા લિયા— ૯ બરસ કા માલગુજારી— ઇન-દેને નાહી ૩ બરસ કા માલગુજારી
નહીં લિયા— કારણ કો તાલિગ મેં ઉસ ૩ બરસ કા— તાલિમ કા સમાન
પાને રૂપૈયા ગુમલા મેં દાખિલ કા લિયા— અબ-ફિર ૩ બરસ કા બાકી હૈ
પર માલગુજારી દેન જાત હો તો તાહસિલદાર સે મુલાકાત હોના હી હોતા હૈ

मौजा - खुरीटोली थाना सिमडेगा थाना नम्बर 68

विशेष रिपोर्ट

खाता नम्बर 28 माल - 1=)|| शेष =)|| — 1) रकबा - 14-07 डिसमिल

खाता नम्बर 29 काबिल लगान — रकबा - 22 डिसमिल

ये दोनों खाता रिविजनल सेटलमेंट में जुसल खड़िया वल्द अमुस खड़िया साकिन खुरीटोली के नाम से खाता बना है — करीब 5 बरस होता है — जुसल खड़िया निसन्तान मर गया और मालगुजारी 3 बरस से बाकी पड़ा है —

कुरसी नामा —

अमुस खड़िया

1 बालक [illegible] 2 जुसल 3 मो० लेंगी सनतोसी —

नम्बर 1 बालक [illegible] व नम्बर 2 जुसल निसन्तान मर गये — नम्बर 3 मो० लेंगी सन्तोसी खुरीटोली में है जनानी है — [illegible] हुई थी — उसका पुरुष भी जान से [illegible] आई है और अपने दामाद कलेश्वर खड़िया से [illegible] होता है — 1969 साल का मरजाली मो० लेंगी सन्तोसी के नाम से रसीद दिये हैं — हम कलक्टर [illegible] साहब मंगा लो नहीं देंगे बोले — हम को याद है 63 व 31 साल के लिये हजूर लोगों के पास रिपोर्ट पेश किये हैं पर कोई जवाब नहीं मिला — हमारे ख्याल में तो ऐसा है [illegible] यह [illegible] वारिस नहीं पा सकती है — यह जैसे आप लोग हुकुम देंगे वैसा करेंगे — मालगुजारी तो मांगने से देगी मगर सिमडेगा कोर्ट के वकील लोग मालगुजारी देने से मना किये हैं — उन्हीं का सलाह है [illegible] जारी करो —

કોરોંજો નયા હાતા બનાને બાબત—

કોરોંજો— નયા હાતા ઘેરા બનાને— કા— હુકુમ— હુઆ હૈ—
જનવારી— ૨૨-૧-૪૨ ઈસવી કો— હમ— ઓ— અસિસટેન્ટમનેજર કોરોંજો
ગાયે-થે— ઉસ સમય— ચૌન્ધરી— હમ-લોગ તિનો જન મિલકર ઘેરા
સુવિધા-દેખા— વૈસા-કિયે-હૈં ઉસ-કે— મુતાબિક— કોરોંજો ચેયાર
મૈન— Rev. L. Kongari કરીબ— ૨૦ જરીબ તક— ખોડ઼ાર પગાર બુલવા
કર કે— મોરમા સેયા-હૈં— ઔર મોરામા ભી—ગો-ગયા—હૈ— લેકિન—
અભી— પગર બનુવાને— બહુત બાકી હૈ— કોરોંજો હાતા ઘેરા
યહ ખાગા બનાને મેં રૂપૈયા— કા જરુરાત—હૈ— બેગારી-સે નહી
બન— સકેગા— ।—
સેક્રેટરી મહાસય— સે હુકુમ— બનાનો મિલા થા— કી— કોરોંજો બાંધ
કો— હાતા કે ઘેરા કે— અન્દર હો જાવે— મગર કોરોંજો ચેયારમૈન—
કો તાબેદા સામાનિન જાકર દેખા— તો હાતા ઘેરા કે અન્દર
નહી બનતા—હૈ— કારણ—કી— બાંધ-કે— ઉપર-સટા હુઆ રૈયાતોં
બડ઼ા સા ટાંડ઼—હૈ— ઔર બાંધ-કે દખિન— જુનલબાગે સેકેન્ડ માસ્ટર
ફિંકેલા-કે— ઔસિલ-રખાના મેં રૈયાતી બચ્ચોં બાલા રૂપૈયા દાખિલ
કિયા—હૈ— પા અબ તક— ૩૪ રૂપૈયા બાકી હૈ—
કોરોંજો બોરડિંગ ઘર-કે— દખિન— તરફ જંગલ— કો પલી—હૈ—
ઉસ બન સકતા—હૈ— ઔર કોરોંજો— હાતા સે પચ્છિમ તરફ
જંગલ-કો ઘેરા કા— નિશાન— કિયા— ગયા હૈ— જનવારી હી મેં
અસિસટેન્ટ મનેજર કે સાથ ઘેર-કે— ઔર બાલા તક— નહી બનેગા
કારણ કી— બીચ—મેં રૈયાતો કા— દોન— જમીન— હૈ— દોન—
કે કિનારે— હો સકતા—હૈ— કોરોંજો નયા હાતા બનાને-કે
બાબત મેં C. C— સેક્રેટરી સાહેબ— કોરોંજો જબ જાયેંગે
ઉસ સમય— ખુદ— સરજામીન— જા કર— છાન બીન— કરલે
ઔર જહાં ર રૈયાતોં કા— દોન— કો ટાંડ઼ પડ઼તા—હૈ— ઉસ કે
બદલે દુસરે જમીન— દેકર બન— સકતા—હૈ— રૈયાત લોગ
મંજુર કરને પર— બનેગા— વૈસે નહી હો સકેગા——

કોરોંબો- રિપોર્ટ જંગલ કાટ જાને બાબત-

બમોજિબ હુકુમ- કે- કોરોંબો ગાયે- હમારે સાથ- કમિશન મેં પાદ્રી- સમુએલ બાગે- કો કોરોંબો હુકુમ- હુઆ- પર- નહીં- ગયા- હમારે પાસ ચિઠ્ઠી ભી- નહીં ભેજા-

કોરોંબો ચેયાર મેન- પાદ્રી- L. Kongari- ઔર હમ- જંગલ જા કર દેખા- તો 6 રૈયાતોં- ને- જંગલ- કાટ- કર ઉદિત- બુને- હૈં- હમ- ઉસ- કો સરજમીન મેં જરીબ ચલા કર પૈમાઇશ કિયા— જિસકા નકશા બનાકર રિપોર્ટ- કે- સાથ- નથી- હૈ- પ્લાટ જંગલ- ન.· ૩૯૨ સે B/1 પૌલુસ કુજુર ૬૦ ડિ૦ જંગલ નમ્બર ૪૮૪ સે B ખ્રીસ્તાપેયારા- ૦૮ ડિ૦ જંગલ પ્લાટ ન. ૨૬૮૧ સે C નિરમાલ ડાંગ ૪૨ ડિ૦ જંગલ- પ્લાટ ન. ૨૬૮૧ D લધુ કેરકેટ્ટા- ૩૦ ડિ૦ જંગલ- ૨૬૮૧ સે- E મતિયાસ ડાંગ ૩૪ ડિ૦ F ભોગુનિક- ૩૦ ડિ૦ G. જોહન કેરકેટ્ટા- ૩૨ ડિશમિલ ટોટલ- રકબા- ૨ એકડ ૩૬ ડિશમિલ- ઇસ સાલ- જંગલ- કાટા ગયા- હૈ-।
યહ ભી જંગલ- ઘુમને સબુત મિલા- કી- ઔર રૈયાત લોગ ભી- માન- કે- બાદ- કઈ- દો ચાર જંગલ- કાટ કર બનાયે હૈં-।- ફિરોબ કર ઇન ૭ રૈયાતોં- કો- ચારે ગોરોં સે બાત ચિત- કિયા- ઔર સમઝાયા- તો રૈયાત લોગ- છોડ દેને કો- ઔર આઇન્દે જંગલ- નહીં કાટને કો- મુંહ- સે કહતે હૈં- પર- ઉસી બાત- કો લિખ- કર માંગા ગયા- તો વે લોગ- નહીં લિખ- દિયા- ઔર- ચાર ભી બનાયે હૈં- ઉસ- કા ચાર રેટ મુતાબિક- માલગુજારી ભી- નહીં- દેને ચાહતે હૈં-

ખતિયાન પાટ II કા ઇન્દરાજ-

III

ગૈર મજરુઆ જમીન કો આબાદ કરને કા હક- ઇસ મૌજોમેં આબાદ કરને- કા- કિસકા- હક- હૈ- કિસ સર્ત પર આબાદ કિયા- જાતા- હૈ-	ખ્વાત જંગલ કો છોડ કર- ગૈર મજરુઆ જમીન સે ચાર ઇસ દોન- બનાને- કે- લિયે- મૌજા હાતા- કે- રૈયાતોં કો ઔર હુકુમ- માલિક- સે- લેને કો- જરુરત નહીં હોતા હૈ- ચાર કે લગાન કા- કોઈ રેવાજ નહીં હૈ- કોડકર કા- માલ- તારિખ શુરુ સે- તીન બરસ તક- નહીં લિયા જાતા હૈ- ઉસ કે બાદ- ગાંવ- કા- શરહ માલ- દોન કા પુરા- વસુલ હોતા હૈ- શલામી- નહીં- લિયા જાતા હૈ- અગર રૈયત- તીન બરસ તક- દોન નહીં બનાવે- તો કોઈ માલ- નહીં લિયા જાતા હૈ- રૈયાતોં- કો- ગૈર મજરુઆ જમીન- આબાદ- કરને કા- પહિલા હક- હૈ-

कोरोंजो गांव के रैयत लोग अगर इस तरह का जंगल काट कर
राई बनावेगें तो १० बरस के भीतर में जंगल साफ हो जायगा

कोरोंजो से लौट कर सिमडेगा S. D. O. के पास गया
और जंगल काट जाने वगैरह बातचित किये S. D. O. साहेब
बोला कि जब हम कोरोंजो जायेगें तो सब रैयतों
को बुलावेगें और उन को कई किसिम से समझा देने
को बोले है। पर S. D. O. साहेब भी बोला कि खतियान
पार्ट II में इस किसिम का इन्दराज है तो मुश्किल
बोलता है।

फिर भी बोला कि पंच कौंसिल सेक्रेटरी कोरोंजो
चेअरमैन को लिखे कि जब हम कोरोंजो जायेगें
उस रोज हाजिर आवे और रैयतों का नाम बतावे
इस लिये C. C. सेक्रेटरी साहेब कोरोंजो चेअरमैन
L. Kongari को लिख भेजे

D. Topno
20-11-1942

G. E. L. CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Secretary : Rev. J. J. P. TIGA, B. D.

Ranchi, (Bihar) India.

The............................*194* .

No.

12th October, 2.

2120/42/F-63.

The undermentioned document is forwarded to Babu Daniel ᴸopno, Tahsildar for information and guidance.

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the C. C. Executive Committee held on the 31st August, 1942.

Item No. . 33.

" Khunti land encroachment :-

Tahshildar to resume the land after the ~~xxx~~ hearvest in 1942."

BBMINZ-2C
12-10-42.

Daniel Tofko Tahsildar (21) 63

Tour Progerem June 1942

30/5/42 - रांची से खुटी टोली आया।
31/5/42 - खुटीटोली में रहा (Sunday)
1/6/42 - खुटीटोली में दो बजे तक रहा तब ठेठईटांगर में रह गया।
2/6/42 - ठेठईटांगर से कोरोंजो गया, जांच जा कर केउन्द गांव का इनकुवारी किया।
3/6/42 - कोरोंजो से सिमडेगा आया और मोशोदा बनवाया।
4/6/42 - सिमडेगा कोट में फौजदारी मुकदमा दायर किया।
5/6/42 - सिमडेगा से कोरोंजो आया।
6/6/42 - कोरोंजो में रह कर मालगुजारी तहसील किया।
7/6/42 - कोरोंजो में था 3 बजे दिन तक (Sunday) और खुटीटोली आया।
8/6/42 - खुटीटोली से किनकेल आया।
9/6/42 - किनकेल से करमडीह आया।
10/6/42 - करमडीह में रह कर मालगुजारी तहसील किया
11/6/42
" " " "
12/6/42 - सँवां जायगे।
13/6/42 किनकेल जायगे
14/6/42 - किनकेल में रहना (Sunday)
15/6/42 - किनकेल से खुटीटोली जाना।
16/6/42 - खुटीटोली में रह कर मालगुजारी तहसील करना और गुमला जाना।
17/6/42 - गुमला में रहना।
18/6/42 - गुमला कोट में इजहार का तारिख है।
19/6/42 - गुमला से खुटीटोली लौट आना।
20/6/42 - केउन्द डीह जाना
21/6/42 - केउन्द डीह से खुटीटोली लौटना (Sunday)
22/6/42 - सिमडेगा कोट कोरोंजो फौजदारी मोकदमा का तारिख है।
उसी रोज कोट अमीन का खर्चा दाखिल करना।
23/6/42 - सिमडेगा से रोयां मुन्डा जाना
24/6/42 - रोयां मुन्डा से दलकी जाना।
25/6/42 - दलकी जंगल डिमरकेशन
26/6/42 - दलकी से रोया मुन्डा लौटना
27/6/42 - रोया मुन्डा से सिमडेगा लौटना।
28/6/42 - खुटीटोली से मारी आना (Sunday)

29/6/42 - मरचा में रहना धान बिक्री करना
30/6/42 - मरचा में रह कर मालगुजारी वसूल करना
1/7/42 - मरचा से दियांकेल जाना
2/7/42 - दियांकेल में धान बिक्री करना और सरना टोली जाना
3/7/42 }
4/7/42 } सरना टोली में धान बिक्री करना।
5/7/42 - सरना टोली से खूंटी और टोकाद जाना।
6/7/42 - टोकाद से तुजर जाना
7/7/42 - तुजर में धान बिक्री करना
8/7/42 " " " " "
9/7/42 - तुजर से टोकाद लौटना।
10/7/42 टोकाद से रांची लौटना।

Daniel Tapno Tahrilwar
11/6/1942

63

टोकाद
१०-७-४२

मन्यावर सेक्रेटेरी को
यीशुसहाय ।

हम अच्छे हैं आप लोगों का कुशल मंगल चाहिए ।

आगे मैं कुंजुर जाकर धन बिक्री किया । पादरी मनसुख मड़की के साथ । धन का दाम ३०४) रु० हुआ था और जंगल का जो तकरार था उरूड़ीग मुन्डा के साथ । पादरी ओ हम और कई एक पंच सरजमीन जाकर और सर्विक सेटलमेन्ट ओ रिभिजन सेटलमेन्ट का नकशा से मिलान किया । मगर तकरार जंगल मिशन के खतियान नकशा में नहीं पाया । उरूड़ीग मुन्डा के गैरमजुरवा खाता में पाया गया इसलिये हम लोग छोड़ दिया ।

तुःजुर से मैं बोजुलाई को
लेकर आया लेकिन लोरी
न मिलने पे फारसा आज
तक रहा आखिर को N Sy
से मुलाकत हुआ मुआलिक
२६(७)२० के दिन मैं खुटी
में उतर कर सरतायेली धन
बिक्री के लिये जाऊगा फिर
वहां से लियाकेत का धन
और मरचा का धन और
तहसील और कमडारा भी
हेडमास्टर के पास पहुचूंगा
मरचा मान्ध का रुपैया मागने
आजे कल दौहाल का काम
सिर्फ एक बेलो होता है
और पानी नही गला से
बहुत रोकायेक होता है
मैं नही जानता हूं कि कब

मैं रांची तो देखा
आपके लिफाफा में २ चिट्ठी भेजता
हूं १ तो हमारा घर भेजा दिजिये
आप
Damiek Toppo Tahsildar
१ चिट्ठी को आप राउरकेला भेजेंगे।
आपका ——

મહાશય સેક્રેટરી સાહેબ આનંદ - [illegible] ૩-૭-૪૨

આપકુ માલુમ હોય - હમ આપકે હેં [illegible] સેવા [illegible]

રહતે હેં -।

હમ રજુવાડી રાજ કા [illegible] - પહુચે હેં [illegible] ઓ હમ [illegible] જાત રહે હેં - વહાં [illegible] [illegible] - [illegible] નહી - [illegible] [illegible] કા [illegible] - [illegible] - [illegible] - [illegible] કા [illegible] હેં - [illegible] [illegible] - [illegible] [illegible] - [illegible] - [illegible] [illegible] - [illegible] સે પૈસા માંગ [illegible] [illegible] - [illegible] સે [illegible] જાયેગા

[illegible]

Daniel Topno

[illegible]

POST CARD

ADDRESS ONLY

BANDGAON
4 JUL 42
SINGHBHUM

INDIA POSTAGE
9 PS NINE PIES 9 PS

To,
The Secretary
G. E. L. Church
Ranchi

आपका भेजा हुआ आगे Birsa
जो कि लिखा
मनोहर- D. Topno. 23.6.42

सेक्रेटरी- साहेब- जो- मेरा प्रेम
[illegible]- हम- आच्छे हैं। आप
सभों का कुशल मंगल- चाहिये
आप- को मालूम-
हो कि- समसेरा मौका का जरूरी
भेजिया- ता. २२- २६ जून- जो या
हम- को हमारे गांव लोगों का
इनार- जो जोरा- हुआ बहाल
जो तारिख- ९- 6. ४२ हैं। जो- है
बहाल के रोज हम को गुमला जाने
नहीं होगा- बहाल जो दूसरा भी-
ओरियर को- देकर रखुरो होगा
आगे हैं। II ता. २२ जून- को-
कोरोजो [illegible] भेजिया जो- राजो
नाम- हुआ- मुखाले लोग २४ जून को
20/ रुपैया- 5. 8. 0 के पास दारिया
को ले भेजिया रुपैया- [illegible] जो
दाम- 20/ २२: हम जो मिलेगा-

III [illegible]

[illegible]

IV [illegible]

[illegible]

POST CARD

ADDRESS ONLY

25 JUN 42

RANCHI

INDIA POSTAGE

9 PS NINE PIES 9 PS

Mr. Th. Surin

Secretary of C.C.

G.E.L. Church comp.

Ranchi B.N.Ry

Karamdih
10-6-1942

63

मन्नावर

महाशय आप को मेरा येशु सहाय । हम अच्छे हैं। आप का सदा कुशल चाहते हैं। – इधर धूप बहुत ही तेज हैं। विशेष ६ बजे से ३ बजे तक बहुत धूप हैं। रास्ता चलना बहुत कठिन है। कोरोम्बो मौजा के हिन्दु जमिन्दार जाने का – ४-६-४२ ई. को सिमडेगा कोट में फौजदारी मोकदिमा दायर किये हैं। – जिस का ता. २२-६-४२ ई. दो हैं। मोकदिमा दायर करने रोज का – खर्च – ४॥७॥ हैं। हमारे गोवा लोगों का समान रखा था। ता. २२-६-४२ ईस्वी को दखिल करने को है। – और दलको जंगल डिमारकेशन बाबत कोट अमीन का खर्चा दखिल करने का ता. २२-६-४२ ई. ही को है। – और अमीन के बारे – सिमडेगा कोट में ६-२-४२ ई. को दरखास्त पेश किये हैं। सिमडेगा से कोट अमीन के साथ २३-६-४२ ई. को निकलेंगे – ता. २४ जुन सांझ को दलको मौजा पहुंचेंगे – ता. २५ जून से डिमारकेशन होगा – उस के बाद – हम देरी से पाल्को आवेगा तो – विशिवाप्पर से का रांची तरफ लौटने का विचार है अगर लारी बंद नहीं होगा तो सिमडेगा से लारी होते हुए भज्या, खिजरी और सानिया होल और कुमुर का चाल फिरी कर के रांची जायेंगे। और यो सिमडेगा – कोट – फौजदारी मोकदिमा का – दिन दुसरा तारिख देव होवता है – इसी प्रोग्राम मोताबिक – बाद कदाचित – देरी हो सकेगा होगा।

१ प्रोग्राम का कागज भेजता हुं

आगे आप का सेवक – D. Topno. Tahsildar

G. E. L. CHURCH IN CHOTANAGPUR & ASSAM.

Secretary : Rev. J. J. P. TIGA, B. D.

Ranchi, (Bihar) India.

The 194

G. E. L. CHURCH SECRETARY RANCHI.

No.

10th August, 42

1771/42/F-63.

The undermentioned document is forwarded to Babu Daniel Topno, Tahsildar for information and guidance.

Hony. Secretary,
G. E. L. Church.

Extract from the Minutes of the C. C. Executive Committee held on the 25th July, 1942.

Item No. 40.

" Application for help from Mr. Daud Tirkey C. C. member of Tigawal :-

Tahsildar to give his opinion."

BBMINZ.
10-8-42.

To

The C. C. Secretary Ranchi

Date
6-8-1942

महाशय

आप - गुजारिश है कि [illegible] को 4 रोज की
छुट्टी [illegible] 10 अगस्त से 13 अगस्त तक की [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

Leave granted for four days viz 10th to 13th Aug 1942.
[signature] Tahsildar

[signature] 10-8-42
Hony Secy

To The C. C. Secretary Ranchi

Copy forwarded to E. L. Church Manager properties

Tour Diary for May 1942

१३-५-४२ रांची से मरनो गया- मरनो का मसोद प्रकाश बड़ा प्रचारक को- गुमला गोवाही आने से रोकने के लिये—

१४-५-४२ मरनो में रहा- (स्वर्गारोहण पर्व था) सांझ को लारी से गुमला गया—

१५-५-४२ गुमला में रहा- मोहलत लेना पड़ा—

१६-५-४२ गुमला से कुडु आया- और कुडु हाता कम्पौंड का ५ बरस का मालगुजारी दे दिया- २४॥)॥ - और सांझ के लारी से रांची लौट आया—

२३-५-४२ जोन्हा हाता गया- का कामीसरीद मतीन के साथ— उस रोज कोई काम नहीं हुआ—

२४-५-४२ डोमाय गेला- (Sameday पन्तीकोस्ट पर्व)- गोरखा के साथ- कुडु-महुर के पारा गया- कामीसरीद मतीन के साथ- बालकिसा- किसान- घोड़ा जानेव- कुडु गोवाला कातिरा डांड़ को अपना खेत- जमीन में मिला लिया है- उस को छांड़ने को बोला पर छोड़ता नहीं—

Budhu Ahir of Kokadland dispute.

T. Surin 27-7-42 Hony Secy.

[illegible] सांझ को जोन्हा हाता में रहा जहां का [illegible]-गाछों
को- १४ आम गाछों को फर रुपैया से [illegible]
२६४२ ई॰ का [illegible] २
१९४२ [illegible] २
आम गाछों का [illegible] १
१०
[illegible] गेला— जोन्हा हाता कम्पौंड का [illegible]

२५-५-४२ जोन्हा हाता से रांची आया- और वहीं रात- [illegible] चला गया— सांझ को [illegible] गेला—

D. Tapano—

२६-५-४२ [illegible] — [illegible] — ३८।।।
[illegible] — — — — २३
६२।।।

२८-५-४२ [illegible]
[illegible]

३०-५-४२ [illegible]

३१-५-४२ [illegible] (sunday) —

ता. २८-५-४२ [illegible] N. Sog [illegible]

ता. १६-४-४२ [illegible] १२३
१५॥
१३८।।।

२६-५-४२ "
[illegible]
[illegible]

When and how ever do there in the patta.

[illegible]

[illegible]

ता. १८-४-४२ [illegible] ४॥।
[illegible] ३
[illegible]

Tahsildar [illegible] ३
[illegible]
१०।।। ।

ता. १५-५-४२ [illegible] ३॥।
[illegible] ३
Tahsildar [illegible] ४।।।
[illegible] ११ ।

D. Tapovan

To The C. C. Secretary Ranchi

महाशय—

गुजारिश है कि मौजा मारदी थाना मांडर—[illegible]

के मारदी मौजा के [illegible] १४ का रैयत—

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

का [illegible] होता है—[illegible]

[illegible] कोई नहीं है [illegible]

[illegible] है तो [illegible] ६३

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] है कि

[illegible] ६३४३ [illegible]

के [illegible] ६३ [illegible]

[illegible] [illegible] है—

Sec. 93 C.N.T. is applicable.
Let the Parent [illegible] manage
~~It to take~~

[signature] Takriwar

2.6.1942

[illegible] 27-7-42
Hony Secy.

To The C. C. Secretary Ranchi

Tour Diary for May 1942

१३-५-४२ रांची से भरनो गया — भरनो का [illegible] बड़ा प्रचारक — को गुमला गवाही आने से रोकने के लिये —

१४-५-४२ भरनो में रहा — (स्वांगरोहन पर्व था) सांझ को लारी से गुमला गया

१५-५-४२ गुमला में रहा — मोहलत लेना पड़ा —

१६-५-४२ गुमला से कुडु आया और कुडु हाता आश्रम का ५ बरस का मालगुजारी दे दिया २५॥)॥ — और सांझ के लारी से रांची लौट आया —

२३-५-४२ जोन्हा हाता गया — आश्रीरकेव मनेज के साथ — उस रोज कोई काम नहीं हुआ —

२४-५-४२ डोकाद गया — (Sameday पन्ती का पर्व) — [illegible] के बाद — बुधु अहीर के पास गया आश्रीरकेव मनेज के साथ — बातचीत किया — [illegible] जमीन — बुधु गोवाला आश्रम का [illegible] को आपना धान जमीन में मिला लिया है उस को छोड़ने को बोला पर छोड़ता नहीं —

Budhu Ahir of Dokad disputes over a piece of land at Dokad. Action may be taken against him.

Th. Surin
27/7/42
Hony Secy

१३ सांझ को जोन्हा हाता आ [illegible] वहां का [illegible] को १४ [illegible] को १२) रुपैया से [illegible] (३) आ

१९४२ ई० का [illegible] २)

१९४२ [illegible] २

[illegible] ३ (३) आ १)

१०)

[illegible] जोन्हा हाता आश्रम का [illegible]

२५-५-४२ जोन्हा हाता से रांची आया और वहीं से [illegible] चला गया सांझ को [illegible] गया

D. Topno

२८-५-४२ मास्टरजी में २८-४२ मालगुजारी तहसील - दिया - मालगुजारी - ३८॥=
डोंगरी रुपैया पचे - - - - २३/
६१॥=

२९-५-४२ को मास्टरजी में २८।- मालगुजारी जारी किया और सांझ को
मास्टरजी ने गांधी [illegible] - लौट आया -

३०-५-४२ सांझ को (ख)री ग्राम गया - सांझ को पहुंचा -

३१-५-४२ (ख)री ग्राम में रहा - (Sunday) -

ता. ~~२८~~-५-४२ ई. को N. 509 के भरा - ७८॥= [illegible] -

ता. १६-४-४२ को मास्टरजी मौजा को [illegible] के [illegible] १२३=।
२९-५-४२ " १५॥
१३८॥=।

मास्टरजी मौजा को [illegible] के [illegible] - [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] -

[illegible] कोर्ट [illegible] -

ता. १९-४-४२ कोर्ट [illegible] [illegible] ४।)।
[illegible] [illegible] ३=/
को [illegible] -

Tahsildar [illegible] ३=/
को [illegible] -
१०॥=।

ता. १५-५-४२ कोर्ट [illegible] - ३।)।
[illegible] २/
Tasildar [illegible] ४॥=
[illegible] ११।=।

B.Lapano [?]

To. The C. C. Secretary Ranchi

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

S. Tappo Tahsildar

2.6-1942

(1) Chuhuram Pathak of village malli died heirless three years ago.
(2) Rent is ~~due~~ not paid for years
(3) Sec. 73 C.N.T. Act is applicable.

Th ~~dmi~~
27/7/42
Hony Secy

Koranjo

2-6-42

श्री मान [illegible] साहब [illegible] को मेरा [illegible]

[illegible]

[illegible] ता. 2-6-42 का [illegible]

[illegible]

L. Kongari [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ता. 8 [illegible]

[illegible]

प्रोग्राम का डीटेल बाद में भेजूंगा —

कृपया करके मेरा भाई महीनाथ का रिपोर्ट-
और मई महीना का T. A. बील भेजता हूं
T. A.-बील को आप पास करके आप-
रिपोर्ट के निरादर D. M. Panna के पास
पुरस्कार — भेज देंगे — मैं इधर से
वापस चिट्ठी-आदि भेजता रहूंगा —

आगे प्रेम से आपका ही सेवक

Daniel Toppo Tahsildar
Koranji

मास्टर साहब-को मेरा नमस्ते पास बालकों
और छोटे — को मेरा प्यार-आशीष

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] Tahsildar

Biru Raja [illegible] disputes about [illegible] and does not accept rent

[illegible] 27/7/32 [illegible]

To. The C. C. Secretary Ranchi

Tour Diary for June 1942

१-६-४२ खुंटीटोली में २ बजे तक मालगुजारी तहसिल कर रास्ता चला– रात होने के कारण ठेठाईटांगर में रह गया–

२-६-४२ ठेठाईटांगर से कोरोंजो गया और ~~ग~~ पेलका सुलेमान खड़िया को बोला कर जंगल सरजामीन गया जहां केउन्द गाछ काटा गया था– केउन्द गाछ का मोटाई ३ फुट मोटा था–

३-६-४२ कोरोंजो से सिमडेगा गया और सिमडेगा के मथुराप्रसाद ~~से~~ मोख्तार से केउन्द गाछ फौजदारी मोकदिमा का मोसौदा बनुवाया–

४-६-४२ सिमडेगा कोर्ट में केउन्द गाछ का फौजदारी मोकदिमा दायर किया दुसरी बेला सिमडेगा S.D.O के पास गया और बातचित किया–

५-६-४२ सिमडेगा से कोरोंजो गया और मालगुजारी तहसिल किया–

६-६-४२ कोरोंजो में रह कर मालगुजारी तहसिल किया–

७-६-४२ (Sunday) कोरोंजो से खुंटीटोली गया–

८-६-४२ खुंटीटोली से किंकेल गया–

९-६-४२ किंकेल से कमडीह गया–

१०-६-४२ कमडीह में रह कर मालगुजारी तहसिल किया–

११-६-४२ ऐजन– ऐजन–

१२-६-४२ कमडीह से सांवा गया और मालगुजारी तहसील किया–

१३-६-४२ सांवा से कमडीह आया और खाखा मुण्डा जा कर सांवा का जमिदार को २ बरस का मालगुजारी दिया– ११२)

१४-६-४२ कमडीह से किंकेल आया (Sunday)

१५-६-४२ किंकेल से खुंटीटोली आया–

१६-६-४२ खुंटीटोली से कोईल नदी तक लौरी से आया और लौरी न आने के कारण बाईसिकल से सरनाटोली आया– २ बजे रात को पहुंचा–

१७-६-४२ सरनाटोली से खुंटी, रांची– लोहरदगा और घाघरा से गुमला पहुंचा–

१८-६-४२ गुमला कोर्ट में समसेरा कलकटरी मोकदिमा का हमारा और पादरी जोसेफ लोगा का पादरी अनामप्रकाश मिंज का इजहार हुआ

१९-६-४२ पादरी अनामप्रकाश मिंज का जेरा हुआ– दुसरी बेला गुमला जमिदारों को ~~मोकदिमा~~ मालगुजारी दिया–

२०-६-४२ गुमला से कोलेबिरा आया बाईसिकल से–

२८

D. Tapno

२१-६-४२ कोलेबिरा से खुंटीटोली आया—बाइसिकल से—

२२-६-४२ सिमडेगा में कोरोंगो गांव का—केउद गादू ने फौजदारी मोकदिमा मुकाबले पेलका सुलेमान—खड़िया से सुलेनामा बावत दाखिल किया—इस बात पर कोर्ट—मोकदमा—हरना है गादू आदमी—२०) रुपैया पर सुलेनामा दाखिल किया —— करना को—सिमडेगा से लौटे बंद होने के सबब से—

२३-६-४२ पादरी अलफोन्स कुजूर के साथ—सिमडेगा गया—मालगुजारी देने—पर राजा साहेब—अभिमन्यु लाल सिंह देव बोला कि—कोरोंगो गांव—का मालगुजारी नहीं लेंगे— क्योंकि—कोरोंगो गांव—मंडली से—मोकररी खरीदा गया है—उनको राजा साहेब—नापसन्द समझता है—कोरोंगो गांव—को राजा साहेब—खुद ने चाहता है—

२४-६-४२ खुंटीटोली—में रह कर वहां का जमादार के साथ—जंगल—देखने गया—किया—२० साखू गाछों को मारा हुआ पाया—

२५-६-४२ सिमडेगा कोर्ट गया—कोरोंगो केउद गादू का रुपैया—पेलका सुलेमान—खड़िया—से २०) बीस रुपैया—लिया—और लिख—दिया कि फलदारी(?) गादू नहीं करेंगे—

२६-६-४२ सिमडेगा कोर्ट गया—कोरोंगो गांव का मालगुजारी दिया गैर आने—पर दाखिल—आने नहीं सकता—कारण कि—सिमडेगा—S.D.O. किया कि—सिर्फ थोड़ा(?) इतना(?) लिया—

२७-६-४२ खुंटीटोली में रह कर पादरी बाउड्स(?) सोरेंग के साथ—मारा हुआ सखुआ गाछों का—हिसाब—अनदाज—किया—

२८-६-४२ (Sunday) खुंटीटोली—से चौकीदार पाहिराधर्ता(?) के साथ—गया—पर मुलाकात नहीं हुआ—

२९-६-४२ सिमडेगा कोर्ट गया—कोरोंगो गांव का मालगुजारी डोगरी(?) दिया—२२॥।—॥।—

३०-६-४२ को खुंटीटोली का—मारा हुआ साखू गाछों को बेचा(?) दिया—४५) रुपैया में—पादरी बाउड्स(?) सोरेंग—और पादरी—अलफोन्स कुजूर और दूसरे चेला सोया(?) मुरहू(?) गया—रात को पहुंचा—मुझे लाला(?) बहुत खराब है—और पहाड़ जंगल—भूल—है—

D. Toppo—

To. The C. C. Secretary Ranchi

Tour Diary for July 1942

१-७-४२ सोया मुन्डा से बिरमित्रापुर गया लेकिन गाड़ी नहीं मिला — [illegible]

२-७-४२ बिरमित्रापुर से बंदगांव — आया — रात २ बजे पहुंचा — गाड़ी वाला धोखा — से बंदगांव में उतर लिया — टोकाद में उतरना था — रात को वहां रहना पड़ा —

३-७-४२ बंदगांव से टोकाद और तुजुर गया —

४-७-४२ तुजुर में खान बिक्री का ग्राहक खोजा और बगान का [illegible] किया

५-७-४२ तुजुर में रहा — (Sunday)

६-७-४२ तुजुर में रह कर बेडाउरडिंग का जंगल — सरजमीन किया — और खान बिक्री किया —

७-७-४२ तुजुर में खान बिक्री किया —

८-७-४२ तुजुर से टोकाद और बंदगांव गया — गाड़ी में जगह नहीं मिला —

९-७-४२ टोकाद में रह गया — मिस्टर N. Soy के साथ बरसा जोर था —

१०-७-४२ टोकाद से खूंटी — गया — बरसा जोर था —

११-७-४२ खूंटी से सरना टोली गया — और खान बिक्री किया —

१२-७-४२ सरना टोली में रहा — (सन्डे) — (Sunday)

13-७-४२ सरना टोली में खान — बिक्री किया —

१४-७-४२ सरना टोली से बियांकेल — गया खान बिक्री किया —

१५-७-४२ तोरपा से मरिया और कमडारा गया —

१६-७-४२ मरिया में मालगुजारी तहसील — किया —

१७-७-४२ मरिया में खान बिक्री किया — और तहसील किया —

१८-७-४२ मरिया — में तहसील — किया — और दूसरी बेला बियांकेल — लौट आया —

१९-७-४२ बियांकेल — से खूंटी आया — (Sunday)

२०-७-४२ खूंटी में रह कर शांतीर नम्बर (६४१ का नाप किया — और माघो पाहन गोड़ा कुन किया है — इस का कबुलियत कागज — लिखवा लिया है — और गोड़ा को छोड़ देगा —

D. Topno

विशेष रिपोर्ट—

आपका— memo-No, 140/42 Date 28.3.1942

का— जवाब— लिखता हूं—

I

(१) परमानन्द लाल ~~क~~ खुर्द टोली जंगल—से २ साखू गाछ

(२) रामाकृष्णा खुर्द टोली जंगल—से ४० साखू गाछ—का— दरखास्त— दिये— थे— उन—लोगों को गाछ साखू का— नहीं दिया— गया— कारण कि—खुर्द टोली—इलाका वाले हम— को जंगल का गाछ बिक्री करने से रोक दिये— जिसके बाद मैं आप के पास [illegible] भेजा था आपने हमारे पास— जवाब— भेजे— थे— १८-६-४२ को मैं आपका भेजा हुआ कागज को इलाका ले गया मैन और पाण्डे [illegible] और अनेक— पंचों को देखाया थे उन लोग— आपका चिट्ठी के अनुसार इलाका वालों को बुलाया— परन्तु वे— नहीं आये— जोकि खुर्द टोली गया मैन बोला कि— हम लोग [illegible] दिया है कि [illegible] साहेब— को खुद जवाब लिखे [illegible] बोला— और [illegible]

शीघ्र मारा हुआ— साखू गाछ— १८ को बिक्री किया खुर्द टोली गया मैन और पाण्डे [illegible] साथ——

II करमडीह— रामचन्द्रदास— का दरखास्त. [illegible] देखा— नक्शा मिलाया— प्लाट नम्बर ५४६८ [illegible] ~~दखलि~~ दखलि— प्लाट नम्बर ६३६८ [illegible] और प्लाट नम्बर ६३७० के अन्दर अन्दाज— २-४ एकड़ तक— मांगता है परती गड्ढा है— जंगल के अन्दर थोड़ा थोड़ी साखू गाछ है— [illegible] सलामी देने चाहता है— और [illegible] मालगुजारी देने चाहता है— मेरा सिफारिश है— रामचन्द्रदास को जो जगह मांगता है— सलामी ले के दे दिया जाय— तीसरा दफा [illegible] बनेगा आबादी तो ठीक हो रहेगा

?

III अमडीह के रैयत – बिनु महकूर सारबु गल्ला बरखुरदार पाही 8 कांड का दरखास्त दिया था – लेकिन पाही-8 कांड का धान दिया खुरा नहीं – लिया – अमडीह के रैयत लोग गल्ला का धान बहुत थोड़ा देना चाहते हैं – अमडीह रैयत लोग गल्ला मुफ्त में चाहते हैं – [illegible] है – इसलिये वहां पर गल्ला का धान बेशी नहीं मिल सकता है –

IV कोरोंजो हेडमास्टर पतरास डुंगडुंग प्रभु वाला और 84 कांड का दरखास्त दिया है – कोरोंजा आने से हेडमास्टर [illegible] का हुकुम कागज को देखाया – तो बोला हम लोग नहीं समझ लिया गया – आने वाला साल में मुताबिक हुकुम के गल्ला लेंगे ~~बोला~~।

V पाही समुएल बाखो अमडीह जंगल के बरखुरदार पाही का दरखास्त दिया है – पर मैं जब अमडीह गया था – उस तो आदमी [illegible] का बोला गया था वह उस समय – बिरमित्रापुर रवाना गया – इस से मुलाकात नहीं हुआ – गल्ला नहीं दिया गया है –

VI कोरोंजो गांव का मालगुजारी – राजा [illegible] सिंह देव – नहीं लिया – राजा साहेब का कहना है कि – कोरोंजो गांव मिशनरी साहेब लोग मनोज से खरीद किये हैं – मनोज का बिक्री किया हुआ गांव को हम नहीं मानेंगे – सो राजा साहेब कोरोंजो गांव ही को छीन लेने चाहता है – फिर रोमन कैथोलिक लोग भी मनोज से 3 गांव खरीद किये हैं – उन लोगों का मालामाल से ऐसा ही हुआ था – उन लोगों से भी तीनों गांव का मालगुजारी नहीं लेता है –

VII कोरोंजो गांव का केउद गल्ला बाबत पेल का मुतेहान खड़िया [illegible] जमादारी मोकदमा किया था – वे रूपया से 20) रुपैया – पेनी राजी नामा हुई – और रुपैया से मैं खजान्ची के यहां दाखिल भी कर दिया

VIII सांमशेरा का कालजुरी मोकदमा 12 वीं जून को हुआ वहां भी [illegible] हो चुका है लेकिन – अब तक – आखिर खबर नहीं

IX मौजा खुरीसोली — थाना सिकटा थाना नम्बर 68

खाता नम्बर 22 जुसल खड़िया वल्द अमुग खड़िया और खड़िया साकिन देह — रकबा 15 एकड़ 05 डिसमिल — सलाना मालगुजारी 91) और — खाता नम्बर 29 गुदुल — खड़िया — वल्द अमुग खड़िया जीन खड़िया — रा॰ दे॰ — रकबा — 22 डीसमिल — मालगुजारी 11 है —

करीब पूरा बन्द होता है — जुसल खड़िया — निःसन्तान मर गया मालगुजारी भी — 3 बरस का बाकी है — ठेकेदार ने नीलाम किया गया —

X बलजबरी जंगल — डीमार्केशन का बन्दोबस्त किये हैं — कोई जमीन का डिमार्केशन का हुकुम हुआ है — पर कोई जमीन के मुताबिक जमीन वालों को आज तक मुआवजा नहीं है हुआ। महीना में डिमार्केशन करने को बोला है —

XI कुछ का पाण्डी मनमुख मांझी रिपोर्ट किया बाकी बेड़ाडीह का मुण्डा निराज जंगल को फसल लगा दिया है — ता॰ 8-6-82 को पाण्डी मनमुख मांझी और जोहन नायक को — बेड़ाडीह का मुण्डा और वहां के कई लोगों को मुण्डा — को रेलाल सरजमीन जाकर देखा और खतियान और दोनों से हेरमेन्ट का नक्शा को देखा — नक्शा देखने से यह पाया गया कि प्लाट नम्बर 109 गैरमजरुआ पाण्डी मनमुख मांझी रिपोर्ट देना का — बड़ा डीहा के मुण्डा ने नक्शा बोला में पाया गया — इसी से वह प्लाट नम्बर 106 जंगल को हम लोग — छोड़ दिया —

XII मौजा कदमा — का नक्शा जमीन — मैं असिस्टेंट सेटलमेन्ट — के हुकुम पाकर ता॰ 20-6-82 ई॰ को सरजमीन जाकर देखा — प्लाट नम्बर 689 और नया तोड़ का मांगा महतो — रा॰ कदमा ने — अपना प्लाट नम्बर 683 के लगे गैर आबाद हुआ है — प्लाट नम्बर 689 रकबा का रकबा 2 डीसमिल है — सरजमीन में जरीब चला कर प्लाट नम्बर 689 का नाप किया — और मांगा महतो को नाप जोत का लगान देने को मंजूर किया और अनुलिपि भी किया हूँ —

XIII [illegible] ૩૦ – [illegible] – ૧૯૪૨ [illegible] – ૨૦ [illegible]
૧૯૪૨ ઈ. [illegible] – [illegible]

૧	[illegible]	૪૫
૨	[illegible]	૨॥
૩	[illegible]	૩૪॥≡॥
૪	[illegible]	૧૨૨
૫	[illegible]	૧૧
૫	॥ [illegible]	૧૧
૬	[illegible]	૧૫
૭	[illegible] ૨૨૦	૧૦॥। [illegible]
૮	[illegible]	૬૪॥≡॥
૯	[illegible]	૬૧
૧૦	[illegible]	૪૦
૧૧	[illegible]	૨૦
૧૨	[illegible]	૨૦
૧૩	[illegible]	૪૦॥≡॥
૧૪	[illegible]	૧૧૮ ।॥
૧૫	[illegible]	૧૧ [illegible]
૧૬	[illegible]	૨૬॥
૧૭	[illegible]	॥≡।
૧૮	[illegible]	૨૧
૧૯	[illegible]	॥।
૨૦	[illegible]	૧
૨૧	॥ [illegible]	॥–॥
૨૨	[illegible]	૩૩॥≡
૨૩	[illegible]	૩૦૧≡॥।
૨૪	[illegible]	૧૬૬॥
૨૫	[illegible]	૧૦૮॥
૨૬	[illegible]	૧૯
૨૭	[illegible]	૯૦॥≡॥
૨૮	[illegible]	૨૬॥≡॥
૨૯	[illegible]	૫૬≡ [illegible]
૩૦	[illegible]	૨॥।
		૧૫૧૮॥≡।

D. Topano
27.7.42

[illegible]

[illegible]	૨૨॥≡।
[illegible]	૬≡॥
[illegible]	૨૪॥≡
[illegible]	૩૪॥≡॥
[illegible]	૧૭
[illegible]	૪॥≡
[illegible]	૨॥≡॥
[illegible]	૨૨
[illegible]	૨॥≡
	૩૫૪≡॥
N. 50 [illegible]	૧૧૬૪॥॥
	૧૫૧૮॥≡।

D. Topano
27.7.1942

To. The C. C. Secretary Ranchi

Tour Diary for April 1942

१-४-४२ मौजा डोकाद में रह कर, जोन्हा तत्ता कम्पौन्ड गया था और वहां
का गाव्ह बिरिक्ष को देखा, आम छोटा २ फुला था वहां जा के
ठीका बन्दोबास्त करने होगा — और आदो हासिल आच्छ
मन मकाई का दाम- रघुनाथ हलवाई ११) पैसा दे दिया —
वहां धैर गाव्ह और पलास गाव्हों का रुपैया पावना बाकी है
लाट आच्छाहराई से
२-४-४२ डोकाद से रांची वापस आया (बाइसीकल से)
७-४-४२ रांची से गोबिन्दपुर प्रेसिडेन्ट साहेब के पास गया था —
वकालात कागज- और दुसरे २ कागजों में दस्तखत के लिये —
८-४-४२ गोबिन्दपुर से रांची लौट आया —
९-४-४२ रांची से बुड़ुमु गया था —
१०-४-४२ बुड़ुमु में रह कर वहां का चेयरमैन C. K. Guria के
के साथ महासाभा के लिये जगह घेर और लकड़ी —
आदि का- इन्तिजाम किया —
११-४-४२ बसरह सफर " बसरह सफर —
१२-४-४२ (Sunday) बुड़ुमु से कदमा आ कर २०० माटी गिलास
प्रचारक- इसाहक बरला को हुकुम दिया) और वहां से सरनाटोली
गया- और वहां का पादरी N. Mundu को १५०० पतरी
दोना बन्दोबास्त करने के लिये आडर दे गाये
१३-४-४२ सारना टोली से कुदलुम हो कर मालगो के पास सड़क धर
कर रांची- आया

१६-४-४२ रांची कचहरी में मल्ली मौजा निलाम का ता॰२६-४-४२ इस्तिहार को मोकर्रर है इस लिये महाराजा सिरिस्ता में १००/रु॰ दाखिल किया

दरखास्त	।||)।
	१००।||)।
कमिशनरी में दरखास्त - - -	१।|)
वाकालत नामा - - -	२/
टाइप खर्चा - - -	१/
मोसोदा को लोकिल फिस - - -	११/
कागज - - -	≡
तलवाना - - -	६।≡
मुन्सी - - -	||/
	१२३।/।

दुसरी बेला रांची से गुमला गया

१६-४-४२ गुमला कोर्ट में, सेक्रेटरी के गैर हाजिर के कारण मोहलात लेना पड़ा - मुदालेह लोगों को ४/ चार रुपैया - (कास्ट) देने का हुकुम हुआ है

गुमला कोर्ट का खर्चा -

लोकिल फीस - - -	३/
दरखास्त - - -	।||)।
मुन्सी - - -	||/
	४।)।
गोवा खर्च - मसीह प्रकाश बाड़ा -	२≡
हमारा रास्ता खर्च - - -	३।≡
	१०।||/।

१८-४-४२ गुमला से रांची वापस आया

२१-४-४२ रांची से बुड़मु गया -

Daniel Topno. Tahsildar
13-5-42

To The C. C. Secretary Ranchi

(Tahsildar File)

31

Tour Diary for March-1942

१३-३-४२ रांची से मांडर गया। और २२॥=)॥ मालगुजारी तहसिल किया—

१४-३-४२ माल्टो में रहा (Saturday) १६॥=)। " "

१५-३-४२ माल्टो में रहा— Sunday)

१६-३-४२ माल्टो में रहा ५४।=) तहसिल किया और रांची लौट आया—

१९-३-४२ रांची से सरना टोली गया— सांझ को पहुंचा— रात को मालुम हुआ की सरना टोली को जमीन्दार बाचना मौजा आया है

२०-३-४२ फ्राजिर को सरना टोली के जमीन्दार के घर गया मालगुजारी देने पर तैयार नहीं हुआ बहुत जोर रखुरा चला गया— दो बरस का मालगुजारी देना है— जमीन्दार बुढ़ु में रहता है— दुसरी बेला सरना टोली से माचा आया—

२१-३-४२ माचा में रहा— ठीकेदारों से ३५) रुपैया वासुल किया— डिगरी वाले रैयातों के पास गया— उन लोगों ने १ महीना का समय मांगा— और उन्होंने कहा की १ महीना में डिगरी रुपैया नहीं देंगे तो— इजराय करो— अब १ महीना देखना पड़ेगा—

२२-३-४२ मरचा से कुरमुल गया वहां भेजा गया था पीछे सांझ को बामनी में रह गया—

२३-३-४२ बामनी से जरीया गढ़ गया— ठीकेदार से मुलाकात नहीं हुआ दुसरी बेला गोविन्दपुर गया— और समसेरा के लुकस कुजुर मुण्डा को— स्कूल हेडमास्टर से सार्टिफिकेट ताला(?) का ले लिया गुमला कोर्ट में दाखिल करने के वास्ते

२४-३-४२ गोविन्दपुर से रांची लौट आया (बाइसिकल से)

२५-३-४२ रांची से गुमला गया— रात को पहुंचा—

२६-३-४२ गुमला कोर्ट में मोहलत लेना पड़ा। सेक्रेटरी साहेब के गैर हाजिर होने के कारण से—.

गुमला कोरका खर्च—

२६-३-४२ मोहलाल दरखास्त ---- ।।।)
डेमी पेपर)।
ओफिस क्लर्क— २)
मुन्सी " ।।)
मुताफरकात— ।।।)
४) ।

गावा खर्च—
२६-३-४२ ओमप्रकाश मिंज पादरी —रेल भाड़ा रांची लोहरदागा ।।।)।।।
लोहरदागा से गुमला लोरी भाड़ा १)
[illegible]-३-४२ गुमला से रांची लोरी भाड़ा— १)
खोराक— २ रोज का १)
४)।।।

गावा मसीहप्रकास भाड़ा करनो—
२५-३-४२ करनो से गुमला लोरी भाड़ा— १।।)
२८-३-४२ गुमला से करनो " १)
खोराक— २ रोज का ।।।)
३।=)

हमरा यात्रा खर्च—
२६-३-४२ रांची रिकशा कुली—)।।
रांची से लोहरदागा रेल भाड़ा ।।।)।।।
लोहरदागा से गुमला लोरी भाड़ा १)
२८-३-४२ गुमला से रांची लोरी भाड़ा १)
रांची रिकशा कुली)।।
३।=)।

२९-३-४२ कोर्ट परसुचार बैद नसीयागाढ़ [illegible])।।।
" " जयफूल हैनरोम प्रचारक ")।।।

३१-३-४२ रांची से डोरण्ड गया (बाइसिकलसे) सांझको पहुंचा
जयफुल मुन्डा ठीकेदार रूपैया नहीं दिया है ८-४-४२
ई० को रांची के रुपये उरांव उसके बादते रुपैया
इत्यादि का मालगुजारी ४५॥/ देने को बाकी है
जयफुल मुन्डा २५०/ रुपैया से रपाया जमीन
खरीदी किया है

२६-४-४२ ई० को माल्टी लाट निलाम का तारीख
है हम लोग अपना होस्या रुपैया दाखिल
करने कमिश्नरी में से निलाम से छुड़ाना
बहुत दरकार है

१६-४-४२ ई० को गुमला कोर्ट में तारीख है
सेक्रेटरी साहेब को कोर्ट में जाना जरूरी है

S. Toppo Tahsildar

To. The C. C. Secretary
Ranchi

महाशय —

आपसे गुजारिश है कि — [illegible] — से —
ता. ६-७-८ - तीन रोज के लिये छुट्टी
दिया जाए — [illegible] — को — खबर आया है
कि — मेरा — लड़का — का — बीमार — है
और — बुलाया है [illegible] — [illegible]
३ रोज का छुट्टी दिया जाए [illegible]

Leave granted.
[illegible] 5/5/42
Hony Secretary

आपका — [illegible]
[illegible]

Recommended
Narman Topp
5.5.42.

C C

खुरीरोली - 10

मान्यवर डानियल तोमसन बाबू साहब जी - २१-२-४२

सहाय - आप को मालूम होवे कि २० तारीख की
रात को ११ बजे भारी आंधी आया और जोर
से पानी भी हुआ और ओला भी गिरा।
आंधी और पानी के मार से जहां स्टोर साहब
को डेरा मिलता है उस कोठरी का उपर वाला
छत एक दम टूट गया - काड़ टूट गया -
आपके को बात - बस कि पानी भीतर
नहीं आया। समूचा बंगला मरामत
अगर न किया जाय तो गिरने का-
डर है और मरामत बहुत जल्दी
दरकार है पानी बराबर होते रहने
से कोठरी में पानी गिरने का डर है
और भारी नुकसान हो सकता है
आज चौकीदार को छत खोलने
और लकड़ी घुसाने को अनुमति
दी। पुराना पादरी डेरा से एक दो काड़
लाके रखा वास्ते छत खोल के
घुसा देना होगा - कुली का दर
कार भी होगा - एक जन से तो काम
नहीं चलेगा। जैसा बनेगा काम-

Tahsildar

POST CARD

ADDRESS ONLY

BUY DEFENCE [illegible]

24 FEB 42

P.M.

INDIA POSTAGE 9 PS NINE PIES 9 PS

Babu
Daniel Topno
Tahsildar
Lutheran Compound
Derakhana
Ranchi Post Office

[illegible] - [illegible] - कुली को लिये [illegible]
[illegible] - होगा - ~~[illegible]~~ [illegible] -
कोई काम से रहा वक्त कर देगा -
बाहियो. पानी - भी - बराबर [illegible]
[illegible] आदिवासी नुकसान न - होवे।
इसको लिये बहुत जल्दी उपाय होवे

आप का -
विश्वस्त -
[illegible signature]

To C C 58

The C. C. Secretary Ranchi

Tour Diary for february 1942

१-२-४२ कर्मडीह में रहा - Sunday

२-२-४२ कर्मडीह में से किनकेल आया - और किनकेल का थान २०ड वहां के — पाद्री को मास्टर और पांचों के साथ सरजमीन जा कर ठीका बन्दोबस्त करने के लिये तजबीज किया —

३-२-४२ किंकेल के थान २०ड को ५ बरस के वास्ते ठीका बन्दोबस्त किया —

१ — समुएल तीर्की पाद्री —	६/
२ — मास्टर जुनस बागे —	६/
३ - पंडित जुएल कुजुर —	६/
४ प्रचारक केबा तीग्गा —	४/
५ मास्टर दाऊद लुगुन —	२॥/
६ बाबु सुरेन्द्र लकड़ा —	१६/
७ कोनल कुजुर —	१/
८ चार्ल्स प्रकाश —	॥/
	४६।

ऊपर लिखे हुए १ नम्बर से ८ नम्बर तक के ठीकेदारों को जमीन मोताबिक — रुपैया पंचा गया — सन् १९४२ इस्वी से १९४६ ई० तक के लिये — जिनको सब कोई मंजूर किये हैं —

४-२-४२ और N. SOJ के पास २५८/ रुपैया मनिआडर किया —।
और किंकेल से खुटीटोली आया —

५-२-४२ खुटीटोली में रह कर सिमडेगा कचहरी गया था S-D-O से बातचीत किया - दलकी जंगल डिमारकेशन बाबत —

६-२-४२ सिमडेगा कचहरी में दलकी जंगल डिमारकेशन बाबत दरखास्त दाखिल किया

खर्च	दरखास्त — — टिकट	॥)।
	अर्जी लिखाई	।/
		॥/।

" और खुटीटोली में दाखिल किया —

७-२-४२ खुटीटोली में रह कर मालगुजारी दाखिल किया —। और खुटीटोली जंगल - खुटीटोली केपर मैन और चौकीदार के साथ जंगल देखने गया था —। पुराने जंगल चौकीदार जोरी जुसा मुझ आज छोड़ दिया — उस के स्थान में नया जंगल चौकी

मालुम हुरिन को सरकारी महीना १९४२ इसवी में दाखिल कर दिये है जिस को हालक बरस मे १२) रुपैया- देने होगा- बहाल करने में खुंटी टोली- दाऊद सोरेंग चौकीदार मैन खुटीटोली के राय से और खुटीटोली का- जंगल देख भाल करे रहा है—।

८-२-४२ खुटी टोली से कोरांजो गया-(sunday)

९-२-४२ कोरांजो में रह कर मालगुजारी तहसिल किया—और वहां के चौकीदार मैन पाद्री लुथर कोनगाडी के साथ जमीन खेत टांड और जंगल को जो गो नाला के [illegible] है- देखा—

१०-२-४२ कोरोंजो में रह कर मालगुजारी तहसिल किया—

११-२-४२ कोरोंजो से खुटी टोली वापस आया—

१२-२-४२ खुंटीटोली से बिरमित्रापुर गया—बाइसिकल से १२ कोश है-

१३-२-४२ बिरमित्रापुर में रह कर वहां चुना सिमेंट और लोहा का कांच जांच किया— [illegible] के हुकुम से—चुना का भाव १) मन का ।।) और पत्थर का ।।।/ बारह आना। सिमेंट ३=) आना बोरा— लोहा का काम- बहुत ज्यादा है—

१४-२-४२ बिरमित्रापुर से खुटीटोली वापस लौट आया—

१५-२-४२ खुटीटोली में रहा—(Sunday)

१६-२-४२ खुंटी टोली से रांची वापस लौट आया—

१७-२-४२ रांची से गुमला आया—

१९-२-४२ गुमला में रह कर कौंसिल से समसेरा [illegible] मोकदिमा बारे बातचित किया—

२०-२-४२ गुमला कोर्ट में समसेरा मोकदिमा का हक हुआ पर कौंसिल के खाडा बिल के खातिर २१-२-४२ इसवी ठहराया गया—

२१-२-४२ गुमला कोर्ट में मुदालेह लोगों का इजहार हुआ और २६ मार्च तारिख रखा गया—

२२-२-४२ को गुमला से लोहारदागा होते हुए रांची वापस लौट आया

२६-२-४२ रांची से खुंटी गया था— [illegible] का मालोटी गांव में प्रचारक के नाम से चौकीदारी [illegible] गया ठहराया गया है। उस का उजुर पेश करने—

२८-२-४२ खुटी कचहरी में उजुर करने का समय बीत गया इससे उजुर नहीं किया—

मैं जनवरी वो फरवरी १९४२ ईस्वी का तहसिल का हिसाब नीचे दर्ज करता हूं।— जिस को मैं जनवरी में जो रिपोर्ट में देखाया है श्री दोनो महीना का— एक साथ देखाता हूं—

आमदनी

मालटी से —	४५॥।)॥
कोरोंजो से —	११२।=)
मुनकाधर से —	१८॥)।
गडिआजोर से —	५६ ≡)॥
करमडीह से —	१६८।)॥।
किंकेल से —	८)
कोसरास —	३६॥=)॥।
खुरीटोली से	८१)
बड़ाकर पानी से	३ ॥।)
गुमला से	५)
	५४७॥।=)

खर्च

जनरा —	८।-)॥।
चिट्ठी वो मनिआडर खर्च —	३।=)
करमडीह मालगुजारी	२६)
करमडीह जंगल चौकीदार	१२) १९४१
कोरोंजो ,,	४) सेप्टेम्बर १९४१
मुतफर्रकात —	१=)
कोरोंजो चौकीदार श्री फागु चपरासी	५)
दल को जगत दरख्वास्त	१)।
चौकीदारी टैक्स खुरी टोली —	।=)॥
गुमला कोठ —	८।।)॥।
चामा प्रसाद सिंह पाड़ी गोवाही देने को खुराक	४।।)।
मसीह प्रकाश काड़ा	२।=)
प्रचारक सुनील — गवाही	)
साइकिल रिपेयर	=)
कोरोंजो चौकीदारी टैक्स	३=)
	८३॥=)॥

S. Song मनिआडर से —	२५८=)
N. Song कोनगाय	२०५-)॥
	५४६॥।=)

D. Tapno
Tahsildar
15/3/1942

Tahsildar. file
Kinkel
4-2-1942

24
20-2-42

CL

श्री मान महाशय

ओ. इ. एल चर्च सेक्रेटरी साहेब को मेरा—
यीशुसहाय मैं आज काल पैर के घांव के कारण तकलिप में हूं ता. २६-१-४२ ईस्वी से लगायत ३०-१-४२ तक पैर खोब फूल गया था चलने नही सकते थे पर अब तो फूला कम हुआ चलने सकते हैं। चलने नही सकते थे उस समय को बैठे २ तहसिल का काम तो करते ही थे—। मैं आप को टुर डाइरी और २ रा प्रोग्राम और Janwari महीना का T. A. Bil भेजते हैं T. A Bil को आप मेहरबानी पास कर बड़ा मनेजर के पास भेज देजियेगा—
जिसे रूपैया बड़ा मनेजर जल्द भेज सके—
करमडीह का ठीका १३५/ रूपैया में दिये हैं
किंकेल का ठीका— ८६१/ " में दिये हैं

आगे प्रेम से D. Toppo. Tahsildar

Kinkel
4-2-1942

श्री मान- महाशय असिसटेन्ट मनेजर साहेब को
मेरा यिशुसहाय मैं आज काल पैर के घाव के
कारण तकलिफ में हूं २६—१—४२ ईस्वी से घाव
बढ़ गया था ३०—१—४२ तक पर अब फुला कम
हुआ है। चलने सकते हैं पर मैं अपना तहसील
का काम करते ही थे।— आप को मालूम होवे
करमडीह का ठेका १३५/ रुपैया बढ़ा दिया हूं
लेकिन मियाद ५ बरस का दिये हैं।—
और किकेल का ठेका जो पहले से ११) रुपैया
बढ़ा दिये हैं।— और २ रैयत नया हुये
१ गुनस बागे सेकेन्ड माइ।
२ डकरा का भाइ Rev. Patros Lakra पादरी का बेटा
और बाकी लोग पुराने ही ~~[illegible]~~ हैं—
मैं साथ के पास २२५=॥ मनियार्ड करूंगा—
सेक्रेटरी साहेब के पास २ प्रोग्राम हलकारे महीना
का भेजता हूं।— १ आप सेक्रेटरी महाशय से
मांग लिजियेगा आमडीह के ठीकेदारी के
साथ सिमडेगा अकुलियात के लिये आ रहे हैं
पर आज ता. ४-२-४२ रात से पानी आता है—
जिस के कारण सिमडेगा जाना बंद है

आप का प्रेम दा D. Topno. Tahsildar

प्रोग्राम — फरवरी १९४२ ईस्वी — D. Toppo —

१-२-४२ करमडीह (Sunday)
२-२-४२ करमडीह से किंकेल — आना
३-२-४२ किंकेल का जमीन ठीका बन्दोबस्त
४-२-४२ किंकेल से सिमडेगा —
५-२-४२ सिमडेगा में रहना कचहरी का काम —
६-२-४२ खुटी टोली ताहसिल —
७-२-४२ "
८-२-४२ खुटीटोली से कोटेंजो जाना —
९-२-४२ } कोटेंजो —
१०-२-४२ }
११-२-४२ कोटेंजो से खुटीटोली —
१२-२-४२ खुटीटोली से बिमित्रापुर —
१३-२-४२ बिमित्रापुर
१४-२-४२ बिरमित्रापुर से खुटीटोली —
१५-२-४२ खुटीटोली से रांची
१६-२-४२ } रांची —
१७-२-४२ }
१८-२-४२ रांची से गुमला जाना —
१९-२-४२ गुमला में ओकिल से बातचीत
२०-२-४२ गुमला कोठ समसेरा —
२१-२-४२ गुमला
२२-२-४२ गुमला से रांची लौटना —
२३-२-४२ रांची
२४-२-४२ रांची से मान्दर —
२५-२-४२ }
२६-२-४२ } मान्दर ताहसिल —
२७-२-४२ }
२८-२-४२ मान्दर से रांची लौटना —

D. Toppo.
4/2/1942

प्रोग्राम फरवरी १९४२ इस्वी D. Topno.

१-२-४२ करमडोह Sunday

२-२-४२ करमडोह से किनकेल आना —

३-२-४२ किंकेल का जमीन ठीका बन्दोबस्त

४-२-४२ किंकेल से सिमडेगा जाना —

५-२-४२ सिमडेगा कचहरी काम —

६-२-४२ खुटीटोली ताहसिल —

७-२-४२ "

८-२-४२ खुटीटोली से कोलेंजो —

९-२-४२ कोलेंजो —

१०-२-४२ कोलेंजो —

११-२-४२ कोलेंजो से खुटीटोली —

१२-२-४२ खुटीटोली से बिरमित्रापुर

१३-२-४२ बिरमित्रापुर —

१४-२-४२ बिरमित्रापुर से खुटीटोली —

१५-२-४२ खुटीटोली से रांची —

१६-२-४२ – १७-२-४२ रांची —

१८-२-४२ रांची से गुमला —

१९-२-४२ गुमला में ओकिल से बात सिखना —

२०-२-४२ गुमला में समसेर कलेक्टर मोकदमा तारिख —

२१-२-४२ गुमला में रहना —

२२-२-४२ गुमला से रांची लौटना —

२३-२-४२ रांची —

२४-२-४२ रांची से माल्टी —

२५-२-४२ – २७-२-४२ माल्टी ताहसिल —

२८-२-४२ माल्टी से रांची लौटना —

D. Topno.

4/2/1942

To

The C.C. Secretary Ranchi

Tour Diary for January 1942

10/1/42 - रांची से भरनो गया, मुदाले लोगों का होलडिंग पर समान तामिल हुआ अथवा नहीं इसी के जांच के लिये। बाईसिकल से गया था

11/1/42 - भरनो में रहा (Sunday)

12/1/42 - भरनो से गुमला गया, और वाकिल से मुकदमा के विषय बात चीत किया।

13/1/42 - गुमला में रह कर कचहरी गया, कचहरी जाने से मालूम हुआ कि हिन्दुओं के पर्ब के वजाह से कलकटरी कचहरी बन्द था।

14/1/42 - गुमला कचहरी गया मुदाले लोगों ने कहा था जवाब कोर्ट में दाखिल किया कि भगता मुन्डा हिस्सेदार भोटांग में जीता है इस लिये उसके उपर होलडिंग में समान तामिल करने का फिर करवाई किया। फिर भी उन लोग जवाब में लिखे हैं कि मिशनरी सहाब लोग हम लोगों के पुरखाओं से जमीन ठग के लिया और दोनो सेटेलमेन्ट में कागज पत्र ठीक करा लिये हैं। लेकिन इन लोगों से धान का लेना देना कोई रोज नहीं किये हैं। इस लिये जो पादी लोग उन लोगों से धान वासुल किये हैं उनको समान देने को बहुत दरकार है और वाकिल हम को कागज खोजने बोला और दो गवाहों का नाम भी वाकिल को दे दिया १, धर्म्मप्रकाश मिज पेनशन पादी रांची पथल खुदवा। २, मसीह प्रकाश बडा डुमारक भरनो।

मुकदमा का खर्च - दरखास्त	।।।)।
तलबना	१।।)
मुतफरकत खर्च	२)
मुन्शी खर्च	१)
वाकिल खर्च	२)
जमा	६।)। खर्च

एडभान्स खर्च दो गवाहों का समान जारी करने के वास्ते वाकिल को दिया ५)

११।)।

15/1/42 - गुमला से लोहरदगा गया, वहां के चेयर मैंन के साथ कागज खोजा पर नहीं मिला फिर वहां से कुड़ु गया, पादरी नथानिएल खलखो से बात चीत किया, बात चीत से मालूम हुआ कि कागज पत्र चट्टी में है।

16/1/42 - कुड़ु से चट्टी गया, चट्टी में धान हिसाब का बही मिली। चट्टी से उसी रोज मलटी गया ६ बजे रात को पहुंचा।

17/1/42 - मलटी में रह कर मालगुजारी तहसील किया नजदिक में मेला था इससे बहुत आदमी मेला चले गये। लगभग ४२) रु. तक तहसील हुआ।

18/1/42 - मलटी से रांची गया लौरी में क्योंकि साथ में रुपैया था।

19/1/42 - रांची से शरनाटोली गया सहायक मैंनेजर के साथ और तलाब खोदने के लिये जगह देखा दिया, नापजोख और कबुलियत लिखाना बाकी है।

20/1/42 - सहायक मैंनेजर के साथ सरना टोली से लौरे में खुड़ीटोली गया।

21/1/42 - खुड़ीटोली में सहायक मैंनेजर को चेयरमैंन और चौकीदार के साथ जंगल देखा और उसी रोज दोनो आदमी कोरोंजो साइकल में गया और कोरोंजो हत्ता का बवनडरी किया।

22/1/42 - कोरोंजो में रह कर मालगुजारी ६३॥=)॥ तहसील किया और कोरोंजो बाजार का ठीका कोरोंजो इलाका को तीन बर्ष के लिया ६५) रु. से दिया, और कोरोंजो चेयर मैंन को कबुलियत लिखा लिया। फिर कोरोंजो के रैयतों को बुलाया जिनको कि हेड मास्टर साहब बड़ा खसनतोपनी रिपोर्ट किया था, उसको आप सहायक मैंनेजर के रिपोर्ट जरिये मालूम करेंगे।

23/1/42 - कोरोंजो से साइकल में किनकेल सहायक मैंनेजर के साथ आया।

24/1/42 - किनकेल में सहायक मैंनेजर के साथ गिरजा बंगला औ बड़ा बंगला को देखा स्टीमेट सहायक मैंनेजर के रिपोर्ट से मालूम करेंगे। उसी रोज दूसरी बेला करमडीह आया और वहां का दोन जंगल को दिखला दिया और सहायक मैंनेजर के साथ १२५) रु. में पुराने ठेकेदारों को दिया

25/1/42 - करमडीह से किनकेल गया (Sunday)

26/1/42 - किनकेल से करमडीह आया और थोड़ा थोड़ा मालगुजारी तहसील किया

27/1/42 - करमडीह में रहकर सरजमीन गया औ जंगल को भी देख भाल किया।

28/1/42 से लगायत 31/1/42 तक करमडीह में रहकर तहसील किया

धुनकाछप्पर से	१८॥)।
सबां से	५७≡)॥
करमडीह रैयतों से	३५।)॥
" " ठीकेदारों से	१२०)
" " लाह आबकारी से	५)
	२३६॥=)।

D.Mpmo.

C C

25
20-2-42

To

The Secretary of Board of Management G. E. L. Church Properties

Puruha
Dy 6. 2. 42.

Sir,

I have the honour to submit that I have got 2 sons reading in the College; one son and one daughter reading in the High schools at Ranchi. The member of my family is 7 having some members out side and such the house in which I reside in the Pilgers Lane is small and the accomodation is unsufficient for my family members for reading and sleeping &c.

I therefore, most humbly and respectfully pray that your honour will be good enough to ~~permit me~~ to build a Dhaba on the Western side of the house and to direct the asst. manager to cut down the tamarind tree which is very close to the house, and for which act of kindness I shall ever remain grateful to your honour.

I have the honour to be
Sir
Your m. o. S.
J. Mungri.

Forwarded to the Secretary Church Council, Ranchi, for favour of having the opinion of the Church Council Executive. The tamarind tree near a dwelling house is said to be injurious to health and so it may be cut down. He may be permitted

to construct a shade on condition that he will claim no compensation when he leaves the house from the church and that he keeps the shade in proper order and repairs at his own cost.

[illegible]

10/2/42

To

Tahsildar's file

The C. C. Secretary
Ranchi

Date 8-12-41

[illegible]
[illegible] ता. १०-१२-४१ [illegible]
[illegible]
[illegible]

ता. ६-१२-४१ [illegible]
१०-१२-४१ [illegible]
११-१२-४१ [illegible]
१२-१२-४१ [illegible] १३-१२-४१ [illegible]
१६-१२-४१ [illegible]
१७-१२-४१ [illegible]
१८-१२-४१ [illegible]
१९-१२-४१ [illegible]
२०-१२-४१ [illegible]
२१-१२-४१ [illegible]
२२-१२-४१ [illegible]

D. Toppo
8/12/41

To

The C. C. Secretary Ranchi

Tour Diary for November 1941

९-११-४१ रांची से लोहरदगा होते हुए मौजा जमका गया — वहां [illegible] —
कालिया का [illegible] है — स्कूल [illegible] बगारगया —
(Sunday)

१०-११-४१ जमका मौजा में स्कूल देख के बाद ४ पैला धान नपा लिया —
[illegible] — और दूसरे बेरा गुमला गया —

११-११-४१ गुमला कोठ में हाजरी लिया — मालूम हुआ कि [illegible]
पर शामिल नहीं हुआ है — S. D. O. [illegible]
[illegible] किया है —

१२-११-४१ कोठ में २ मुवाले लोगों का हाल [illegible] शामिल [illegible] —
का [illegible] लिया —

खर्च —

पैसा	=)।।।
[illegible]	।।।/
[illegible]	१।।/
[illegible]	/
[illegible]	/।।।
[illegible]	।।।/
	१।।/।।।

१३-११-४१ गुमला से मौजा सेरो गया — खर्च १।।/ हुआ —

१४-११-४१ मौजा सेरो में रह कर धान नपवाया —

१५-११-४१ मौजा सेरो में रह कर धान नपवाया और [illegible] यहीं [illegible]
धान रखने के लिये [illegible] ।।=)।

१६-११-४१ (Sunday) सेरो से रांची आया — खर्च — [illegible] ।।=)

२१-११-४१ रांची से — सेरो गया — खर्च — ।।=)।

२२-११-४१ मौजा सेरो में रह कर धान नपवाया —

२३-११-४१ (Sunday) सेरो में रह कर [illegible] —

२४-११-४१ से [illegible] १-१२-४१ [illegible] धान नपवाया और [illegible]
और [illegible] में [illegible] मौजा सेरो में जमा [illegible]
[illegible] और [illegible] धान ४० मन [illegible]
बखार में रखा है —

२-१२-४१ मौजा सेडो से जिंगी मौजा गया — शाम को [illegible] पहुंचा —

३-१२-४१ को मौजा — जिंगी में रहा — और — शामलातों — के बारे — [illegible] — कई को शामलात — [illegible] के — [illegible] — [illegible] जाने —

४-१२-४१ दिन को — इन्तिखाब — दो पंचों का —

[illegible] से ३
मोहन [illegible] से २
[illegible] से ३
——
१३

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
और मौजा जिंगी में १० [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] — और — वहां के पंच [illegible] — [illegible] —
और — मोहन [illegible] को [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] किया — है —

५-१२-४१ मौजा [illegible] में [illegible] [illegible] है — [illegible] वहां [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] — [illegible] —

६-१२-४१ मौजा [illegible] में [illegible] [illegible] [illegible] —
[illegible] — [illegible] — १६ — [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] —
[illegible] के [illegible] में [illegible] — [illegible] है — [illegible] १० [illegible]
के [illegible] से — [illegible] [illegible] [illegible] — गया — और
[illegible] [illegible] — [illegible] [illegible] [illegible] है —
और — [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] — [illegible] — [illegible] [illegible]

[illegible] Tahsildar
8/12/1941

Tahsildar's file

96

To

The C. C. Secretary Ranchi

Tour Diary for December 1941

९-१२-४१ रांची से गुमला गया — खर्च — रिक्शा और लारी भाड़ा १॥=॥

१०-१२-४१ गुमला कोर्ट में हाजरी दिया — मालूम हुआ कि [illegible] का हेयरिंग में समन तामिल करने का कहा था [illegible] निसान देहाती होने के कारण [illegible] तामील हुआ —

११-१२-४१ गुमला कोर्ट में रह कर [illegible] हेयरिंग में [illegible] करवाई किया —
कोर्ट खर्च — हाजरी कागज — — — — — — — ।।
[illegible] — — — — — — — — ९।।
[illegible] का — — — — — — ९
[illegible] समन तामील [illegible] — — — — — ९

3/8/6

१२-१२-४१ गुमला से रांची लौट आया — खर्च — [illegible] भाड़ा ९॥।
" गुमला में [illegible]
रांची में साइकल रिपेयर — — — — — — =

१३-१२-४१ रांची से मांडर मौजा गया — [illegible] से मुलाकात नहीं हुआ — ७ =

१४-१२-४१ मांडर रहा — (Sunday) मांडर [illegible]

१५-१२-४१ मांडर में रहा — [illegible] तहसील किया — [illegible] और सांझ को रांची [illegible] आया — और [illegible] तारीख २५ जनवरी १९४२ को किया —

१६-१२-४१ रांची से [illegible] और [illegible] गया — बाइसिकल से — सांझ को पहुंचा —

१७-१२-४१ [illegible] में रहा — [illegible] मालूम हुआ [illegible] इस साल [illegible] हुआ है [illegible] में तालाब बनाने के लिये [illegible] देना था पर वहां का [illegible] और [illegible] हाजिर थे [illegible] नहीं बना —

१८-१२-४१ [illegible] से [illegible] गया — वहां पर [illegible] मनेजर बाबू से मुलाकात कर [illegible] हुआ — [illegible] को देखने गया — वहां के [illegible] के साथ मनेजर के [illegible] लोगों को मालूम होगा —
[illegible] का [illegible] — [illegible] से २०७१६ ३० पैसा
[illegible] से १६९१६ ३० पैसा
जमा ३६९०८ २० पैसा

सांझ को [illegible] — Assistent manager के साथ [illegible] से [illegible] आया —

D. Toppno

१८-१२-८१ मरचा मौजा में रह-कर मरचा-गांव के पास-वहां के मुण्डा गौंझू लोगों
लोगों के साथ— बैठक ने गया—था—और खतियान—और नक्शा से
सरजमीन किया— विहान देखा— और पुजारी बैठा पांचना किया—
और वहां के मुण्डा गौंझू-लोग— कालिया का रांज जमीन और रयती
पड़ा हुआ—वाला जमीन—को जो रिविजनल सेटलमेंट में गौंझू लोगों
के खाता में दर्ज हुआ—था— उन जमीन को कालिया को
वापस-कर दिया—

प्लाट नम्बर	रकबा—
२७८४	—०— ४१ डिसमिल—
२७८५	—०— ८८ "
३१८४	०— ६४ "
३१८५	१— ०६ "
३१८८	२— ३८
	५ एकड़ ३७ डिसमिल—

प्लाट नम्बरान— १४८१ रकबा— १ एकड़ ६० डिसमिल—
१४८२ " ३४
१ एकड़ ९४ डिसमिल जमीन

रांज रिविजनल सेटलमेंट में आदिवासी मदनी के—नाम से
दर्ज—हुआ है— आदिवासी मदनी गैर हाजिर होने के
कारण से काम—नहीं हुआ— आदिवासी मदनी के
लड़के सिमोन मदनी हाजिर हुआ—था पर बड़े बेटा के
बाप के नाम से दर्ज हुआ है— इस—नहीं वापिस होने से—
पांचनामा का—रद्द हुआ— १०।।।=।। पांचनामा में
गवाह और Assistent manager भी हाजिर—था—

२०-१२-८१ मरचा—मसराड़ गांव—वसूली में किया
लोहरा मुण्डा—से— ७ रु० ३८ पैसा—
रिक्शा चलाता से—१९ रु० ३५ पैसा—
२६ - ३३ पैसा— बीते साल से
वसूल हुआ है—

मरचा में मालगुजारी वाहसिल रुपया ६७/
मौजा मरचा के डिग्री वाले रैयत लोग २०७ रुपैया डिग्री
डिग्री रुपैया लाने जाते हैं वाला और नहीं आइ—
२१-१२-८१ (Sunday) सांझ को मौजा बम्हनी आया—
२२-१२-८१ मौजा ... में बसोबास हुआ ... साहेब के आगुराआरह
के सिमान ... किया—
२३-१२-८१ गोविन्दपुर का—गिरजा बंगला देखा बहुत बिगड़ गया है और पुजारी
बना रहे हैं आया— लोगों थोड़ा पढ़ा हुआ— D.Topno—

Tehsildar File

Tuwar प्रोग्राम — Tehsildar D. Topno

File

१०-१-४२	[illegible]
११-१-४२	[illegible]
१२-१-४२	ગુમલા
१३-१-४२	ગુમલા કોઠ
१४-१-४२	[illegible]
१५-१-४२	[illegible]
१६-१-४२	[illegible]
१७-१-४२	"
१८-१-४२	[illegible]
१९-१-४२	[illegible]
२०-१-४२	[illegible]
२१-१-४२	[illegible]
२२-१-४२	[illegible]
२३-१-४२	[illegible]
२४-१-४२	[illegible]
२५-१-४२	[illegible]
२६-१-४२	"
२७-१-४२	"
२८-१-४२	[illegible]
२९-१-४२	
३०-१-४२	[illegible] S.D.O. —
३१-१-४२	

D. Topno 3/1/1942

Tahsildar.

२

[illegible]

[illegible] – १ पत्र – (३) पेज – बाबत – [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ता० २ – १ – १९४२ ई० [illegible] रा

Daniel Topno Tahsildar

3/1/1942

Simdega

F-62

[illegible] 30-9-47

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] 30-9-47

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Daniel Tapno.

POST CARD

THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER

ADDRESS ONLY

½A ½A

INDIA POSTAGE

To

Secretary G.E.L.

Church

Ranchi

F-63 Khuti toli

28.6.47

नमस्कार महाशय

आप को मेरा यथोचित प्रणाम । हम कुशल मंगल से हैं। आप लोगों का कुशल मंगल चाहिये। —(१) आप को बतलाता हूं दालकी जंगल का फौजदारी मो॰ का-ता १४-६-४७ ई॰ को हैं आज तक पुलिस इन्कवारी में नहीं गया है। हम ने रांची से खुंटीटोली आया था उस समय भोले बिरा थाना गया था और जमादार से बात चीत किया है। जमादार हम को बोला है कि इन्कवारी जानने के बाबत में ता॰ ३-६-४७ ई॰ को सिमडेगा कोर्ट में बात चीत करके दालकी जायेंगे—और इन्कवारी में हम को भी दालकी गांव में हाजिर रहने होगा—

(२) खुटीटोली में सिमडेगा कोर्ट से १-६-४७ ई॰ को चन देने बाबत का तारिख है और खेवट खतियान के साथ हाजिर होने का तारिख है। और हम और पाद्री मनासिद्द तापना हाजिर होंगे—

(२) ता. २८-६-४७ को १ पादरी
खेमदास कुजुर २ पादरी मनसिद्ध
तोपनो - ३ बाबु आनुसनुस पिंतु
४ D. Topno, हम लोग फिर
गये था - राजा के पास —
सिमडेगा। जुमौल का रूपैया
५००) देने का / सो राजा साहब
ने बोला एक दो दाऊ सब
रूपैया लेऊगा। - और कबुलियत
रजिस्टरी कर देदियेगा। - और
हमारे तरफ से हुकुमनामा देऊगा -
(४) बाबू तो पार हो पैन का नाम
वाड़ी है। फाल्गु २८-६-४७ से
शुरू किया है — D. Topno.

POST CARD

RANCHI DELY.
30 JUN 47
3 - PM

ADDRESS ONLY

INDIA POSTAGE ½ A ½ A

To The Secretary
G. E. L. Church
Ranchi

F-63

To

The C.C. Secretary G.E.L.
Church Ranchi

Date 6-9-47

सलाम

महाशय — आप लोगों को रिपोर्ट देकर जानकारी देते हैं। कि गोसनर हाई स्कूल के प्रिन्सिपाल साहेब Jun Barla गोविन्दपुर का माल बिक्री लेने से इनकार गये हैं आप लोगों को आगाह कर देते हैं जिससे बाद हमारे पर कोई इल्जाम न आवे —

आप लोगों का सेवक —

D. Topno.

6-9-47